MINI SOO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd

Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । शुक्रवार, 13 नवंबर, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । Epaper : https://epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 10 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-309

अन्नदाता सुखी भव

किसान सर्वोपरि : मोदी

नई दिल्ली, 12 नवंबर (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में भारी वृद्धि के बावजूद केंद्र सरकार ने इसका पूरा बोझ किसानों पर नहीं पड़ने दिया। उन्होंने बताया कि डीजल की कीमतों में 50 रुपये प्रति लीटर तक की बढ़ोतरी करने की जरूरत थी, लेकिन सरकार ने केवल 7 रुपये प्रति लीटर की वृद्धि की। शेष 43 रुपये प्रति लीटर का बोझ सरकार ने स्वयं उठाया।



प्रधानमंत्री ने यह बात इंडिया टुडे ग्रुप की ओर से आयोजित 'किसान तक भारत कृषि सम्मेलन-2026' को संबोधित करते हुए कही। इस दौरान उन्होंने किसानों के हित में सरकार के फैसलों और खेती पर होने वाले खर्च को लेकर अपनी बात रखी।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उछाल

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि पश्चिम एशिया में युद्ध का संकट बढ़ने के कारण कच्चे तेल की कीमतों में तेजी आई थी। कुछ ही सप्ताह में कच्चे तेल का भाव 70 डॉलर से बढ़कर 122 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया था। इससे भारत के सामने भी बड़ी चुनौती खड़ी हो गई थी।

उन्होंने कहा कि उस समय डीजल की कीमत में 50 रुपये प्रति लीटर तक की बढ़ोतरी करने की जरूरत थी। लेकिन सरकार ने फैसला किया कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतें बढ़ने का पूरा बोझ देश के नागरिकों और किसानों पर नहीं डाला जाएगा। इसलिए डीजल के दाम केवल 7 रुपये प्रति लीटर बढ़ाए गए और बाकी 43 रुपये प्रति लीटर का बोझ सरकार ने स्वयं उठाया। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत के आसपास के कई देशों में उस दौरान डीजल की कीमतें 40 से 50 प्रतिशत तक बढ़ गई थीं, लेकिन भारत में ऐसा नहीं होने दिया गया। उन्होंने दावा किया कि इस फैसले के कारण सरकार हर महीने करीब 14 हजार करोड़ रुपये का नुकसान उठा रही है। इसके बावजूद किसानों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है।

खाद पर 16 लाख करोड़ खर्च

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि सरकार की प्राथमिकता है कि खेती का आर्थिक बोझ किसानों पर न पड़े। किसानों को सस्ती खाद उपलब्ध कराने के लिए पिछले 12 वर्षों में 16 लाख करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। उन्होंने कहा कि यह बहुत बड़ी राशि है और दुनिया के कई देशों का सालाना बजट भी इससे कम होता है। प्रधानमंत्री ने खाद की कीमतों का उदाहरण देते हुए कहा कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में डीएपी खाद की एक बोरी की कीमत करीब 5 हजार रुपये है, ▶8पर

विपक्ष पर हमला

बोले-सत्ता का नशा उतरा नहीं

नई दिल्ली, 12 नवंबर (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इंडिया टुडे के 'भारत कृषि सम्मेलन' को संबोधित करते हुए एक ओर जहां किसानों के हितों की रक्षा की बात कही, वहीं दूसरी ओर विपक्ष पर तीखा हमला बोला। इस दौरान उन्होंने कहा कि सरकार ने हर परिस्थिति में किसानों पर आंच नहीं आने दी है।

प्रधानमंत्री ने गुजरात की पुरानी रैंकिंग से जुड़े एक घटनाक्रम का उल्लेख करते हुए तत्कालीन केंद्र सरकार की कार्यशैली पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि जब गुजरात को प्रतिष्ठित अर्थशास्त्रियों की ओर से सम्मान मिला था, तब दिल्ली की सत्ता पर बैठे लोगों को यह रास नहीं आया था।

प्रधानमंत्री मोदी ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि कुछ लोग समझते हैं कि देश का संविधान और लोकतंत्र उनकी जेब में है। आज वही लोग लोकतंत्र और संवैधानिक संस्थाओं को लेकर ज्ञान देते फिरते हैं, लेकिन जब उनके पास सत्ता थी, तब उनका रवैया कुछ और ही था।

किसानों के हितों की रक्षा

कृषि और किसानों के कल्याण का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि केंद्र सरकार की नीतियों का केंद्रबिंदु अन्नदाता हैं और सरकार ने किसानों पर आंच नहीं आने दी है। इसी दौरान उन्होंने विपक्ष को घेरते हुए एक पुराने घटनाक्रम को याद किया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि जब प्रतिष्ठित अर्थशास्त्रियों के आकलन और रैंकिंग के आधार पर गुजरात को सम्मान मिला था, तब दिल्ली की सत्ता पर काबिज लोगों को यह बात पसंद नहीं आई थी।

रिपोर्ट पर मंजूरी का आरोप

प्रधानमंत्री मोदी ने आरोप लगाया कि उस समय की सरकार ने शोधकर्ताओं पर दबाव बनाया था और उन्हें बाकायदा आदेश दिया था कि अब कोई भी रिपोर्ट प्रकाशित करने से पहले सरकार से मंजूरी लेनी होगी। ▶8पर

भागवत नये कोतवाल

सज्जनार की जगह नगर पुलिस आयुक्त



हैदराबाद, 12 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना सरकार ने प्रशासनिक स्तर पर बड़ा फेरबदल करते हुए 21 वरिष्ठ आईपीएस अधिकारियों के तबादले एवं नई नियुक्तियों के आदेश जारी किए हैं। इस फेरबदल के तहत राज्य पुलिस प्रशासन और कई महत्वपूर्ण विभागों में व्यापक बदलाव किए गए हैं।

वर्तमान में पुलिस महानिदेशक (कानून एवं व्यवस्था) के पद पर कार्यरत वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी महेश मुरलीधर भागवत को हैदराबाद का नया पुलिस आयुक्त नियुक्त किया गया है। उन्होंने वी.सी. सज्जनार का स्थान लिया है। सज्जनार को महानिदेशक, तेलंगाना अग्निशमन, आपदा प्रतिक्रिया, आपातकालीन एवं नागरिक सुरक्षा के पद पर नियुक्त किया गया है। इसके साथ ही उन्हें महानिदेशक, विशेष सुरक्षा बल (एसपीएफ) का अतिरिक्त प्रभार भी सौंपा गया है।

डॉ. सौम्या मिश्रा को पुलिस महानिदेशक, महिला एवं सुरक्षा, शी टीम्स तथा भरोसा के पद पर नियुक्त किया गया है, जबकि स्वाति लकड़ा को महानिदेशक, कारागार एवं सुधार सेवाएं बनाया गया है। चारू सिन्हा को भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) का महानिदेशक नियुक्त किया गया है। वहीं, डॉ. अनिल कुमार को तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीजीएसआरटीसी) के उपाध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक के पद पर स्थानांतरित किया गया है।

विक्रम सिंह मान को पुलिस महानिदेशक (ऑपरेशंस), ग्रेहाउंड्स एवं ऑक्टोपस की जिम्मेदारी सौंपी गई है, जबकि अकुन सभरवाल को अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (कानून एवं व्यवस्था) नियुक्त किया गया है। वाई. नागी रेड्डी को आयुक्त, नागरिक आपूर्ति तथा चंद्रशेखर रेड्डी को निदेशक, भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के पद पर नियुक्त किया गया है।

इसके अलावा कई अन्य वरिष्ठ अधिकारियों को खुफिया विभाग, पुलिस प्रशिक्षण, यातायात प्रबंधन, सड़क सुरक्षा तथा विभिन्न पुलिस जोन में नई जिम्मेदारियां और अतिरिक्त प्रभार सौंपे गए हैं।

अकुन सभरवाल को अतिरिक्त जिम्मेदारियां

अकुन सभरवाल, जो पदस्थापना की प्रतीक्षा कर रहे थे, उन्हें तेलंगाना का अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (कानून एवं व्यवस्था) नियुक्त किया गया है। इसके साथ ही उन्हें अगले आदेश तक अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, समन्वय तथा अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, तकनीकी सेवाएं (टी-स्पार्क) का पूर्ण अतिरिक्त प्रभार भी सौंपा गया है। मल्टी-जोन-1 के पुलिस महानिरीक्षक चंद्रशेखर रेड्डी का तबादला कर उन्हें भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो का निदेशक नियुक्त किया गया है। उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपे जाने के साथ ही अविनाश मोहंती को इस पद का पूर्ण अतिरिक्त प्रभार से मुक्त कर दिया गया है।

खुफिया विभाग के पुलिस महानिरीक्षक कार्तिकेय का तबादला कर उन्हें एस. चंद्रशेखर रेड्डी के स्थान पर पुलिस महानिरीक्षक, मल्टी-जोन-1 नियुक्त किया गया है। इसके साथ ही उन्हें निदेशक, आईसीसीसी का दायित्व भी सौंपा गया है। ▶8पर

इश्क ले डूबा!

हुआंग विदा, क्रेस संभालेंगी एनवीडिया

वाशिंगटन डीसी, 12 नवंबर (एजेंसियां)।

दुनिया की सबसे बड़ी प्रौद्योगिकी कंपनियों में शामिल एनवीडिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) जेनसन हुआंग ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उनके इस्तीफे के साथ ही कंपनी ने नए नेतृत्व की व्यवस्था का भी ऐलान किया है। फिलहाल कंपनी की कमान मौजूदा मुख्य वित्तीय अधिकारी (सीएफओ) कोलेट क्रेस संभालेंगी। उन्हें अंतरिम सीईओ बनाया गया है। वहीं, कंपनी ने स्थायी सीईओ की तलाश भी शुरू कर दी है।

एनवीडिया के निदेशक मंडल की ओर से जारी बयान के मुताबिक, जेनसन हुआंग ने कंपनी के अध्यक्ष, सीईओ और निदेशक मंडल के सदस्य पद से इस्तीफा दिया है।



उनका इस्तीफा तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है। यानी अब वह कंपनी के इन तीनों पदों पर नहीं रहेंगे।

कंपनी ने स्पष्ट किया है कि नए सीईओ की नियुक्ति होने तक कोलेट क्रेस अंतरिम तौर पर यह जिम्मेदारी संभालेंगी। खास बात यह है कि सीईओ की अतिरिक्त जिम्मेदारी मिलने के बावजूद वह कंपनी की सीएफओ और कार्यकारी उपाध्यक्ष के पद पर भी बनी रहेंगी। एनवीडिया का निदेशक मंडल अब स्थायी सीईओ के लिए उम्मीदवारों की तलाश करेगा। इस पद के लिए कंपनी के भीतर काम कर रहे अधिकारियों के साथ-साथ बाहर के लोगों के नाम पर भी विचार किया जाएगा।

कौन हैं कोलेट क्रेस?

जेनसन हुआंग के जाने के बाद एनवीडिया की कमान जिस महिला अधिकारी को सौंपी गई है, वह पिछले करीब 13 वर्षों से कंपनी का हिस्सा हैं। कोलेट क्रेस सितंबर 2013 में एनवीडिया से जुड़ी थीं। तब से वह कंपनी के वित्त विभाग की जिम्मेदारी संभाल रही हैं।

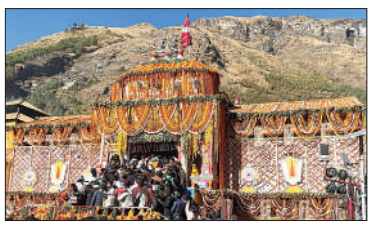
अपने कार्यकाल में उन्होंने कंपनी की वित्तीय रणनीति और उसके कारोबार को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। एनवीडिया के तेजी से विकास करने और एक बड़ी प्रौद्योगिकी कंपनी के रूप में ▶8पर

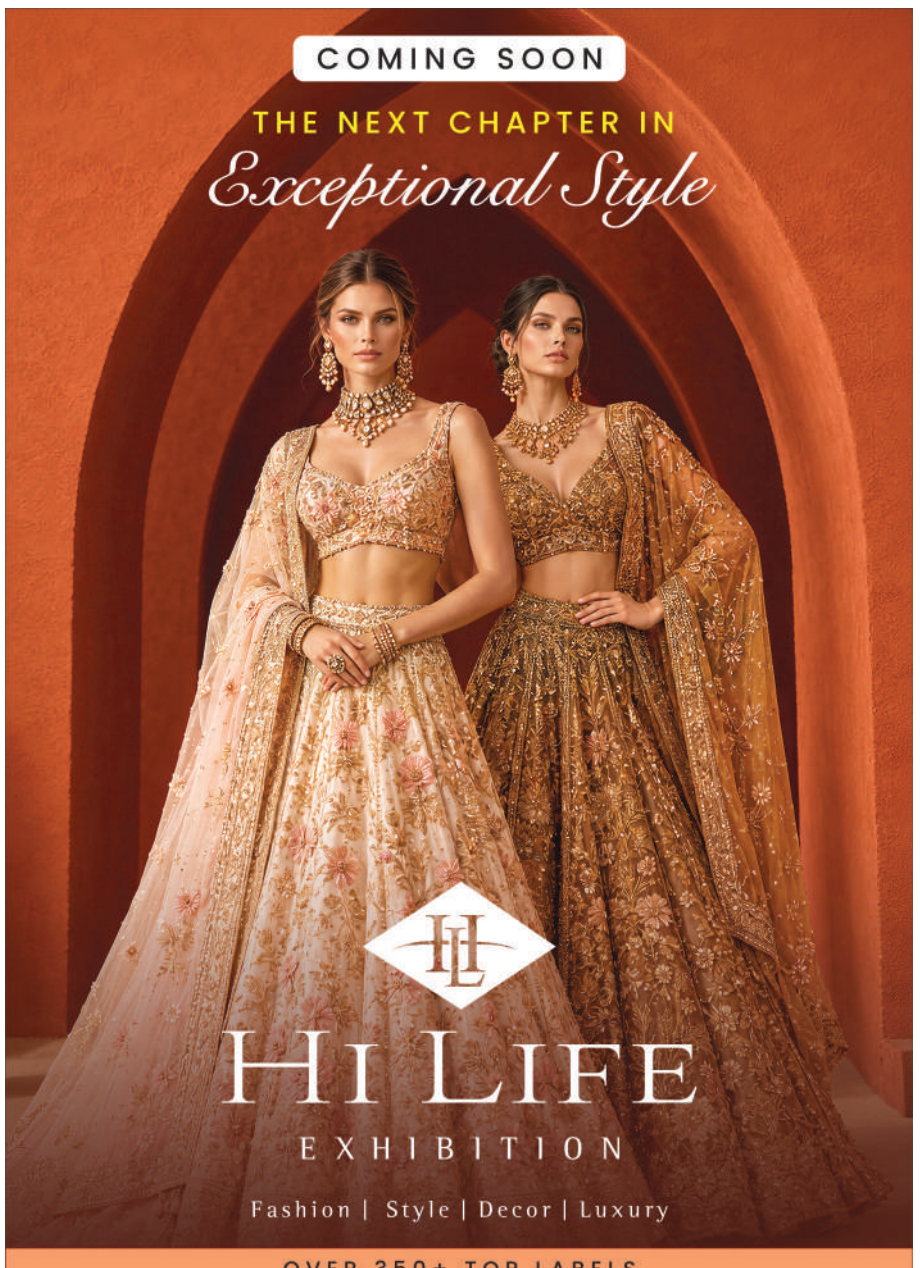
1.58 ट्रिलियन डॉलर स्वाहा

एनवीडिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) जेनसन हुआंग और कंपनी इस समय एक बड़े संकट के दौर से गुजर रहे हैं। हाल के दिनों में जेनसन हुआंग से जुड़े निजी विवादों के कारण कंपनी के शेयरों में भारी गिरावट देखने को मिली है, जिससे निवेशकों को भी बड़ा झटका लगा है। दरअसल, अक्टूबर 2025 में दुनिया की पहली ऐसी कंपनी बनने का गौरव हासिल करने वाली एनवीडिया का बाजार पूंजीकरण 5.76 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच गया था। हालांकि, अब लगातार शेयरों में गिरावट देखी जा रही है। पिछले करीब एक महीने से कंपनी के शेयरों में आई भारी गिरावट के कारण इसका बाजार मूल्य घटकर 4.18 ट्रिलियन डॉलर रह गया है। ▶8पर

16 को बंद होंगे बदरीनाथ के कपाट

चमोली, 12 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तराखंड की विश्व प्रसिद्ध चारधाम यात्रा-2026 अब अपने अंतिम पड़ाव पर पहुंच गई है। गंगोत्री, यमुनोत्री और केदारनाथ धाम के कपाट शीतकाल के लिए बंद होने के बाद अब बदरीनाथ धाम के कपाट बंद करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। भू-वैकुंठ बदरीनाथ धाम में पारंपरिक पंच पूजा के शुभारंभ के साथ ही शीतकालीन कपाट बंद होने की उल्टी गिनती शुरू हो गई है। पंच पूजा के पहले दिन गुरुवार को भगवान गणेश की पूजा-अर्चना के बाद देर शाम गणेश मंदिर के कपाट बंद कर दिए गए। भगवान बदरी विशाल के कपाट आगामी 16 नवंबर को रात 9 बजकर 37 मिनट पर बंद किए जाएंगे। वर्ष 2026 की चारधाम यात्रा श्रद्धालुओं की संख्या के लिहाज से भी ऐतिहासिक रही है।





मरियम ने चौंकाया

हमारी पाँच नदियों में सोना

नई दिल्ली, 12 नवंबर (एजेंसियां)।



पाकिस्तान ने दावा किया है कि पंजाब की पांच नदियों में सोना बह रहा है। पंजाब की मुख्यमंत्री मरियम नवाज ने गुरुवार को इस्लामाबाद में आयोजित पाकिस्तान मिनरल्स इन्वेस्टमेंट फोरम में यह दावा किया। उन्होंने कहा कि पंजाब पांच नदियों की धरती है और इन नदियों में सोना मौजूद है। उनके मुताबिक, इसके पर्याप्त मात्रा में होने के महत्वपूर्ण संकेत मिले हैं। उन्होंने विशेष रूप से मियांवाली और अटक के नदी क्षेत्रों का उल्लेख किया।

यहां जिस सोने की बात हो रही है, उसे प्लेसर गोल्ड कहा जाता है। यह सोना चट्टानों से निकलकर नदियों के बहाव के साथ रेत, बजरी और तलछट में जमा होता है। यानी इसकी तलाश नदी की रेत और तल में मौजूद खनिजों के सर्वेक्षण तथा वैज्ञानिक परीक्षण के माध्यम से की जाती है। मरियम ने कहा कि सरकार इस संपदा की खोज कर उसे आर्थिक संसाधन में बदलना चाहती है। मरियम ने कहा कि पंजाब पांच नदियों की धरती है और इन पांचों नदियों में, विशेषकर मियांवाली और अटक के इलाकों में, वास्तव में सोना बह रहा है।पाकिस्तान को सोने की खान बताते हुए उन्होंने कहा कि इसकी संपत्ति जमीन के ऊपर और नीचे दोनों जगह मौजूद है, जिसे खोजने और वास्तविक धन में बदलने की जरूरत है। ▶8पर

औवैसी वोट कटवा!

अखिलेश ने दी कठपुतली न बनने की नसीहत

नई दिल्ली, 12 नवंबर (एजेंसियां)।



उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो गई हैं। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआई एमआईएम) के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी और आजाद समाज पार्टी के अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद ने गुरुवार को औपचारिक रूप से अपने गठबंधन का ऐलान कर दिया। नए 'सामाजिक परिवर्तन मोर्चा' ने प्रदेश की सभी 403 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ने और चंद्रशेखर आजाद को मुख्यमंत्री पद का चेहरा बनाने की घोषणा की है।

ओवैसी और चंद्रशेखर के गठबंधन पर समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव की पहली आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने आई है। अखिलेश यादव ने नए सामाजिक परिवर्तन मोर्चा का स्वागत करते हुए एक ओर जहां इसे भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वोट बैंक में सेंध लगाने वाला बताया, वहीं दूसरी ओर इशारों-इशारों में इसे राजनीतिक कठपुतली नहीं बनने की नसीहत भी दी।

भाजपा को होगा नुकसान : अखिलेश

अखिलेश यादव ने कहा कि समाज के स्तर पर परिवर्तन होना ही चाहिए, लेकिन वास्तविक सफलता तब मिलेगी, जब राजनीतिक परिवर्तन मोर्चा सक्रिय होगा।उन्होंने कहा कि पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक (पीडीए) समाज के भले के लिए जो भी सांप्रदायिक ताकतों से वास्तव में लड़ेगा और समाज की आवाज उठाएगा, उसकी ईमानदार आवाज जनता तक पहुंचाने में हम सहयोग करेंगे। सपा प्रमुख के मुताबिक, इस नए मोर्चे से विपक्ष को यह फायदा होगा कि जो भोले-भाले लोग भावनात्मक नारों और बहकावे में आकर सांप्रदायिक शक्तियों को वोट दे देते थे, उनके सामने अब एक और विकल्प खुला रहेगा। ▶8पर



पृथ्वी का नया अस्थायी चंद्रमा धरती के गुरुत्वाकर्षण में फंसा

वाशिंगटन

अंतरिक्ष में एक बेहद रोमांचक और रहस्यमयी घटना सामने आई है, जहां हमारी पृथ्वी को एक नया अस्थायी साथी मिला है। यह कोई विज्ञान-फाई फिल्म का दृश्य नहीं, बल्कि एक वैज्ञानिक सच्चाई है। एस्टेरायड 2026 क्यूक्यू8 नाम की लगभग एक मीटर आकार की यह चट्टानी पिंड कुछ समय के लिए पृथ्वी के गुरुत्वाकर्षण के जाल में फंस गई है और चुपचाप उसकी परिक्रमा कर रही है।

इस अंतरिक्षीय मेहमान की पहली पहचान अगस्त में हंगरी के एक खगोलशास्त्री ने की थी। शुरुआत में जानकारों को संदेह था कि यह कोई प्राकृतिक एस्टेरायड है या अंतरिक्ष में घूम रहा इंसानी मलबा। हालांकि, आगे की विस्तृत गणनाओं और गहन अध्ययन से इसके प्राकृतिक खगोलीय पिंड होने की संभावना सामने आई, जिसने इस घटना की वैज्ञानिक प्रामाणिकता पर मुहर लगा दी।

जानकारों के अनुसार, यह चट्टानी पिंड अप्रैल से ही पृथ्वी के गुरुत्वाकर्षण के प्रभाव में है। इंटरनेशनल एस्ट्रोनामिकल यूनियन के एक विभाग ने 29 अक्टूबर को इसकी मौजूदगी की आधिकारिक पुष्टि की, जिसके बाद यह खबर दुनियाभर के वैज्ञानिकों के लिए चर्चा का विषय बन गई।

वैज्ञानिकों के आकलन के मुताबिक, एस्टेरायड 2026 क्यूक्यू8 पृथ्वी से लगभग 5 लाख 68 हजार किलोमीटर की दूरी तक आ सकता है। इसकी तुलना में, पृथ्वी और हमारे असली चंद्रमा के बीच औसत दूरी लगभग 3 लाख 84 हजार किलोमीटर है।

इसका मतलब है कि यह मिनी मून हमारे चंद्रमा से भी काफी दूर रहकर पृथ्वी की परिक्रमा कर रहा है। इसके महज एक मीटर व्यास का होने के कारण यह चंद्रमा की तरह चमकता हुआ दिखाई नहीं देगा और सामान्य आँखों से इसे देख पाना असंभव है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि जानकारों के आकलन के अनुसार, फिलहाल इससे पृथ्वी पर किसी बड़े खतरे की कोई आशंका नहीं है।

यह पृथ्वी से सुरक्षित दूरी पर अपनी यात्रा जारी रखे हुए है। यह कोई हमेशा के लिए रहने वाला मेहमान नहीं है, बल्कि पृथ्वी के आसपास लगभग डेढ़ चक्कर पूरा करने के बाद यह अपनी राह बदल देगा और पृथ्वी के गुरुत्वाकर्षण के प्रभाव से बाहर निकल जाएगा। दिलचस्प बात यह है कि यह एस्टेरायड लगभग हर दस साल में पृथ्वी के करीब से गुजरता है, लेकिन इस बार यह पहली बार है जब पृथ्वी का गुरुत्वाकर्षण इसे अस्थायी रूप से अपने साथ ले आया है। एस्टेरायड 2026 क्यूक्यू8 भले ही आकार में छोटा हो, लेकिन इसकी मौजूदगी अंतरिक्ष वैज्ञानिकों के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। ऐसे अस्थायी उपग्रहों का अध्ययन करके अंतरिक्ष वैज्ञानिक पृथ्वी के गुरुत्वाकर्षण, एस्टेरायड की कक्षाओं और सौरमंडल में छोटे पिंडों की आवाजाही को बेहतर ढंग से समझ सकते हैं, जो भविष्य की अंतरिक्ष खोजों के लिए महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करेगा।

न्यूज ब्रीफ

बढ़ते किराए के विरोध में स्पेन में 14 साल बाद लाखों कर्मचारियों की हड़ताल



मैड्रिड। स्पेन में बढ़ते आवास संकट और आसमान छूते किराए के विरोध में लाखों कर्मचारी हड़ताल पर चले गए। यह बीते 14 वर्षों में देश की पहली ऐसी व्यापक हड़ताल है, जिससे सार्वजनिक परिवहन से लेकर कारखानों तक को प्रभावित किया। यूरो क्षेत्र की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाले देश में कारोबार और दुकानों का कामकाज धीमा पड़ने या पूरी तरह बंद होने की आशंका है। तीन सप्ताह से भी कम समय में होने वाले आम चुनावों से ठीक पहले हुई हड़ताल ने राजनीतिक माहौल को गर्माया है,जहां धुर दक्षिणपंथी दलों के सत्ता में आने की संभावना है। पिछले एक दशक में स्पेन में मकानों का औसत किराया लगभग दोगुना हो गया है, जिससे लाखों परिवारों के बजट पर भारी बोझ पड़ रहा है। इस गुस्से का प्रतीक बनी 87 वर्षीय मैरिकारमेन की घटना, जिन्हें मैड्रिड में उनके घर से बेदखल किया गया और बाद में उनकी मृत्यु हो गई, ने राष्ट्रीय आक्रोश को चरम पर पहुंचा दिया। मैरिकारमेन उन स्पेनवासियों की व्यथा का चेहरा बन गईं जो भारी किराया चुकाने को मजबूर हैं और अपना घर खरीदने का सपना भी नहीं देख सकते। आवास अधिकारों के लिए सक्रिय कार्यकर्ताओं ने इस आक्रोश के बीच आम हड़ताल का आह्वान किया, जिसे जल्द ही स्पेन के दो प्रमुख श्रमिक संगठनों यूजीटी और सीसीओओ का समर्थन मिल गया। उनकी मुख्य मांगों में पर्यटकों को अपार्टमेंट किराये पर देने की प्रथा को समाप्त करना, किरायेदारों की सुरक्षा के लिए स्वचालित किरायानामा नवीनीकरण और आवास बाजार में सरकार का अधिक हस्तक्षेप शामिल है। हड़ताल का आधिकारिक नारा वेतन, आवास, कीमतें है। हालांकि, प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज़ ने किरायेदारों को राहत देने के लिए आपातकालीन उपायों की पहल की थी, लेकिन संसद में दक्षिणपंथी दलों ने उन्हें यह कहकर मंजूरी देने से इंकार कर दिया कि इससे किराये के लिए उपलब्ध मकानों की संख्या घट जाएगी। सांचेज़ ने अपना राजनीतिक रुख और कड़ा करते हुए पांच अक्टूबर को आम चुनाव कराने की घोषणा की, इस उम्मीद में कि उनका वामपंथी गठबंधन सत्ता में बना रहेगा।

डेमोक्रेट स्काट कोलोम ने मिसिसिपी सीनेट चुनाव जीता

वाशिंगटन (अमेरिका)। देश में मध्यावधि चुनाव में डेमोक्रेट स्काट कोलोम ने मिसिसिपी सीनेट चुनाव में



रिपब्लिकन सीनेटर सिंडी हाइड स्मिथ को हरा दिया। कई दिनों तक चले इस रोमांचक और अनिश्चित मुकाबले के बाद डेमोक्रेट्स के लिए यह सीनेट की आठवीं ऐसी सीट है जिसे उन्होंने अपने पाले में किया। सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, 43 वर्षीय कोलोम डिस्ट्रिक्ट अटार्नी हैं और मिसिसिपी की सातवीं पीढ़ी के निवासी हैं। उन्होंने जीवनयापन की लागत और स्वास्थ्य सेवा जैसे मुद्दों पर अपना प्रचार अभियान चलाया। उन्होंने मैगनोलिया स्टेट (मिसिसिपी) के लोगों के लिए काम करने का वादा किया। उन्हें पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन और पूर्व उपराष्ट्रपति कमला हैरिस जैसे बड़े नेताओं का समर्थन मिला। 67 वर्षीय हाइड स्मिथ 2018 से सीनेट में हैं और कांग्रेस में मिसिसिपी का प्रतिनिधित्व करने वाली पहली महिला चुनी गई थीं। मिसिसिपी को पारंपरिक रूप से रिपब्लिकन का गढ़ माना जाता है। यहां मुकाबला डेमोक्रेट्स के लिए कठिन चुनौती जैसा लग रहा था। 1982 के बाद से इस राज्य ने सीनेट के लिए किसी डेमोक्रेट को चुना है।

गर्भावस्था के जोखिम को कम कर सकती है पुरुष गर्भनिरोधक गोली

वाशिंगटन। शोधकर्ता वैज्ञानिकों को ऐसी गोली बनाने में सफलता मिली है, जो पुरुष के लिए गर्भनिरोधक का काम करेगी। वैज्ञानिकों ने दावा किया है कि वे एक ऐसी पुरुष गर्भनिरोधक गोली पर काम कर रहे हैं, जो हार्मोन को प्रभावित किए बिना सीधे शुक्राणु की गतिशीलता को रोककर गर्भावस्था के जोखिम को कम कर सकती है। हालांकि, यह गोली अभी शोध के शुरुआती चरण में है और आम इस्तेमाल के लिए उपलब्ध होने से पहले इसे कई महत्वपूर्ण परीक्षणों से गुजरना होगा। इस प्रायोगिक गोली को शारीरिक संबंध बनाने से लगभग 30 मिनट पहले लिया जा सकता है और यह कुछ घंटों के लिए शुक्राणुओं की गतिविधि को रोकने का काम कर सकती है। जानकारों के अनुसार, पुरुषों के लिए इस तरह का गर्भनिरोधक विकल्प गर्भनिरोध की जिम्मेदारी को दोनों पार्टनर के बीच बांटने की दिशा में एक अहम बदलाव ला सकता है। हालांकि, इसके इस्तेमाल से पहले इसकी सुरक्षा, प्रभाव और लंबे समय तक होने वाले प्रभावों को समझना जरूरी है। अमेरिका के वीइल कार्नेल मेडिसिन के वैज्ञानिक शरीर में मौजूद एक खास एंजाइम, जिसे साल्यूबल एडेनिलेट साइक्लेज कहा जाता है, पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। शुक्राणुओं को आगे बढ़ने और अंडे तक पहुंचने के लिए इस एंजाइम की आवश्यकता होती है। प्रायोगिक दवा इस एंजाइम को अस्थायी रूप से ब्लाक करने का काम करती है, जिससे शुक्राणु सामान्य तरीके से आगे नहीं बढ़ पाते।

मिस्र के नील डेल्टा क्षेत्र में खोज निकाला विशाल प्राचीन परिसर

काहिरा

पुरातत्वविदों ने मिस्र के नील डेल्टा क्षेत्र में दलदली मिट्टी और पानी के नीचे लगभग 2,600 वर्षों से दफन एक विशालकाय प्राचीन परिसर को खोज निकाला गया है। कुदरत के सुरक्षा चक्र और कठिन भौगोलिक परिस्थितियों के कारण यह पुरातात्विक स्थल सदियों से इंसानी पहुंच से दूर था। वैज्ञानिकों द्वारा की गई पारंपरिक खुदाई की तमाम कोशिशें जब पानी के उच्च स्तर और चिपचिपी कीचड़ भरी मिट्टी के कारण विफल हो गईं, तब शोधकर्ताओं ने आधुनिक तकनीक का सहारा लेकर जमीन के भीतर छुपे इस अद्भुत रहस्य का पर्दाफाश किया। यह ऐतिहासिक खोज मिस्र के उत्तर-पश्चिम में नील डेल्टा के समीप स्थित बुतो नामक टीले पर हुई है, जिसे आधुनिक समय में टेल एल-फराइन कहा जाता है। प्राचीन मिस्र के इतिहास में इस स्थान को बेहद पवित्र माना जाता था, क्योंकि यह निचले मिस्र की पूजनीय देवी वाद्जत का प्रमुख केंद्र हुआ करता था। वैज्ञानिकों ने अंतरिक्ष और भू-भौतिकीय विज्ञान का मेल कराते हुए यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी के सेंटिनेल-1 सैटेलाइट का उपयोग किया। सैटेलाइट से भेजी गई सूक्ष्म तरंगों ने जमीन की सतह को स्कैन करके संकेत दिया कि टीले के नीचे एक विशालकाय अंडाकार संरचना मौजूद है, जो आकार में किसी फुटबाल मैदान जितनी बड़ी यानी लगभग 420 फीट लंबी और 203 फीट चौड़ी है।

इसके बाद बिना जमीन खोदे अंदर का नक्शा प्राप्त करने के लिए इलेक्ट्रिकल रेजिस्टिविटी टोमोग्राफी तकनीक के जरिए धरती में बिजली का करंट प्रवाहित किया गया, जिससे 23 फीट गहराई तक की परतों की स्पष्ट तस्वीर स्क्रीन पर उभर आई। तकनीकी जांच में जमीन के नीचे इतिहास की तीन अलग-अलग कालखंडीय परतें साफ दिखाई दीं। सबसे ऊपरी परत में टालेमी और रोमन काल के टूटे मकान और बर्तन मिले। मध्य परत में 26वें राजवंश का वह विशाल परिसर मिला, जो कार्बन डेटिंग के अनुसार 2600 साल पुराना कोई शाही मकबरा या मुख्य मंदिर हो सकता है। सबसे निचली परत में सफेद रेत की एक मोटी परत मिली, जिसने प्राचीन मिस्र के उस्ताद इंजीनियरों की सूझबूझ को सामने ला दिया। नील डेल्टा की मिट्टी नमी मिलने पर फूलती है और सूखने पर सिकुड़कर धंसने लगती है। ऐसी अस्थिर जमीन पर भारी इमारत को टिकाने के लिए प्राचीन इंजीनियरों ने दलदली मिट्टी के ऊपर साफ रेत का मोटा गद्देदार बेस बिछाया था। यह रेत इमारत के भार को चारों तरफ बराबर बांट देती थी और प्राकृतिक जल निकासी का काम भी करती थी।



नाट्रान झील में गिरने वालों के शव बदल जाते है पत्थर जैसी मूर्तियों में



डोडोमा। अफ्रीका के उत्तरी तंजानिया में ओल डोइन्यो लेंगाई ज्वालामुखी के पास स्थित नाट्रान झील प्रकृति के अनोखे रहस्यों में से एक है, जिसे पत्थरों का कब्रिस्तान भी कहा जाता है। नाट्रान झील अपनी खूबसूरती और खतरनाक प्रकृति के लिए दुनियाभर में मशहूर है। दूर से देखने पर इसका लाल और नारंगी रंग किसी दूसरी दुनिया जैसा एहसास कराता है, लेकिन इसकी असलियत बेहद चौंकाने वाली है। कहा जाता है कि इस झील में गिरने वाले जानवरों के शव पत्थर जैसी मूर्तियों में बदल जाते हैं। कुछ वर्षों पहले खींची गई मृत पक्षियों और चमगादड़ों की तस्वीरों ने पूरी दुनिया का ध्यान इस रहस्यमयी झील की ओर खींचा था, जिनमें उनके शरीर पत्थर की मूर्तियों जैसे दिखाई दे रहे थे। हालांकि, वैज्ञानिकों के मुताबिक, जानवर सचमुच पत्थर नहीं बनते। इसके पीछे प्राकृतिक रासायनिक प्रक्रिया काम करती है। झील के पानी का पीएच स्तर 10.5 तक पहुंच जाता है, यानी यह बेहद क्षारीय होता है। इसमें सोडियम कार्बोनेट और बाइकार्बोनेट की मात्रा काफी ज्यादा होती है। झील के क्षारीय पानी में मौजूद खनिज मृत जीवों के शरीर पर जम सकते हैं, जिससे उनके अवशेष सख्त होकर पत्थर जैसी आकृति लेने लगते हैं। इस प्रक्रिया को कैल्सीफिकेशन कहा जाता है। इस झील का तापमान भी इसकी खतरनाक प्रकृति को बढ़ाता है। गर्म मौसम में यहां पानी का तापमान 60 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। अत्यधिक गर्मी और क्षारीय पानी का मेल कई जीवों के लिए जानलेवा साबित हो सकता है।

विशेषज्ञों के अनुसार, प्राचीन काल के लोगों को अपने पर्यावरण की अद्भुत समझ थी और आज की आधुनिक इमारतों में इस्तेमाल होने वाली भार-विभाजन तकनीक की अवधारणा ढाई हजार साल पहले ही वहां लागू की जा चुकी थी। इस रहस्यमयी स्थान की पुष्टि के लिए जब एक सीमित खुदाई की गई, तो रेत की गद्दी पर टिकी कच्ची ईंटों की मजबूत दीवारें सामने आ गईं।

इसके साथ ही वहां से कई महत्वपूर्ण धार्मिक अवशेष बरामद हुए। इनमें परलोक में सेवा के लिए रखी जाने वाली उशाब्ती मूर्तियां, चूना पत्थर की एक बलि वेदी (जिसकी नालियों में सूखे खून के अवशेष मिले) और ज्ञान के देवता थाथ से जुड़ी फेयेंस लंगूर की दुर्लभ मूर्ति शामिल है।

बांग्लादेश में एनसीपी महिला सांसद के घर पेट्रोल बम से हमला, लगी आग



ढाका (बांग्लादेश)

देश में कुश्तिया के दौलतपुर उपजिला में नेशनल सिटीजन पार्टी (एनसीपी) की सांसद नुसरत तबस्सुम के पैतृक घर में आग लगने से पांच कमरे जलकर खाक हो गए। पार्टी नेताओं का आरोप है कि हमलावरों ने घर पर पेट्रोल बम फेंके। आग आधी रात बाद बगोवान गांव में स्थित सांसद के घर पर लगी।

ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, दमकलकर्मियों ने रात करीब 1:50 बजे आग पर काबू पा लिया, लेकिन टीन की छत वाले इस एक मंजिला घर के आठ कमरों में से पांच कमरे पूरी तरह नष्ट हो गए। आग में दो बकरियों की भी मौत हो गई। पार्टी नेताओं का आरोप है कि घर को जानबूझकर पेट्रोल बम हमले का निशाना बनाया गया। उन्होंने इसके लिए अवामी लीग से जुड़े लोगों को जिम्मेदार ठहराया।

हालांकि, पुलिस का कहना है कि अभी तक आग लगने के कारण का पता नहीं चल पाया है और न ही इस बात की पुष्टि हुई है कि आग लगाने के लिए किसी विस्फोटक या ज्वलनशील सामग्री का इस्तेमाल किया गया।

भेरामारा सर्कल के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दिलावर हुसैन ने बताया कि आग लगने की सूचना मिलते ही दमकलकर्मी मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि आग से घर को काफी नुकसान पहुंचा है, लेकिन यह पास की उस तीन मंजिला इमारत तक नहीं फैली, जहां तबस्सुम के माता-पिता रहते हैं।

पुलिस अधिकारी के अनुसार, परिवार के सदस्य सुरक्षित हैं। एनसीपी मीडिया सेल ने फेसबुक पोस्ट में आरोप लगाया है कि अवामी के लोगों ने सांसद के आवास पर पेट्रोल बम फेंके। एनसीपी प्रवक्ता आसिफ महमूद साजिब भुइयां ने एक अलग फेसबुक पोस्ट में आरोप लगाया कि घर को पेट्रोल बम से निशाना बनाया गया।

तबस्सुम एनसीपी की संयुक्त संयोजक हैं और पार्टी की सर्वोच्च नीति-निर्धारण इकाई, पालिटिकल काउंसिल की सदस्य हैं। वह 13वीं राष्ट्रीय संसद में महिलाओं के लिए आरक्षित सीट का प्रतिनिधित्व करती हैं।

हेगसेथ महाभियोग मामला: अमेरिका में घर के ही बागी ने बढ़ाई मुश्किल



वाशिंगटन। अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ पर मंडरा रहा महाभियोग का बादल फिलहाल छट गया है, लेकिन इस पूरे घटनाक्रम ने वाशिंगटन की राजनीति में यह साबित कर दिया है कि दुश्मनों से ज्यादा अपनों के तेवर कभी-कभी भारी पड़ जाते हैं। सामान्य तौर पर सत्ताधारी पार्टी अपने मंत्रियों के खिलाफ आने वाले प्रस्तावों को एकजुट होकर विफल कर देती है, लेकिन इस मामले में कहानी थोड़ी अलग थी। हेगसेथ के खिलाफ महाभियोग की यह पूरी मुहिम किसी डेमोक्रेट नेता ने नहीं, बल्कि रिपब्लिकन पार्टी के ही सांसद थामस मैसी ने शुरू की थी। हैरानी की बात यह है कि वोटिंग के दौरान मैसी अपनी ही पार्टी में अकेले ऐसे रिपब्लिकन सांसद थे, जिन्होंने प्रस्ताव को कमेटी में भेजने का विरोध किया और सीधे मतदान की मांग की। यह इस बात का प्रमाण है कि रिपब्लिकन खेमे के भीतर भी रक्षा नीतियों और सैन्य आपरेशनों को लेकर आंतरिक असहमतियां सतह पर आ रही हैं। थामस मैसी ने पीट हेगसेथ पर कुल 8 गंभीर आरोप लगाए हैं। जिसमें ईरान में अमेरिकी सैन्य अभियान के दौरान कांग्रेस की स्पष्ट मंजूरी के बिना 60 दिन की समयसीमा बीत जाने के बाद भी कार्रवाई जारी रखने का आरोप।

कोरोना का नया वेरिएंट पीजे.2.1 दुनिया भर में फैला, विशेषज्ञ चिंतित

ओंटारियो

मई 2026 में कनाडा के ओंटारियो में पहली बार सामने आया कोरोना का एक नया वेरिएंट,पीजे.2.1, अब दुनिया भर में तेजी से फैल रहा है। उत्तरी अमेरिका, यूरोप, एशिया और ओशेनिया के कुछ हिस्सों में इसकी बढ़ती उपस्थिति ने विशेषज्ञों की चिंता बढ़ा दी है। मुख्य चिंता इसकी मानव कोशिकाओं में प्रवेश करने की क्षमता और मौजूदा एंटीबाडीज़ पर इसके संभावित प्रभावों को लेकर है।



अक्टूबर 2026 में जर्नल आफ इन्फेक्शन में प्रकाशित एक शोध के शुरुआती निष्कर्ष बताते हैं कि पीजे.2.1 में एसीई2 से जुड़ने की क्षमता बढ़ सकती है। यह वही रिसेप्टर है जो कोरोनावायरस को मानव कोशिकाओं में प्रवेश करने में मदद करता है। हालांकि, इस शोध में अधिकांश अन्य वेरिएंट्स की तुलना में वैक्सीन-निर्मित एंटीबाडीज़ के प्रति ज्यादा प्रतिरोध का कोई पुख्ता सबूत नहीं मिला है, जो एक राहत की बात है। शोधकर्ताओं ने पीजे.2.1 को साल्टेशन वेरिएंट के रूप में वर्णित किया है। यह ऐसे वायरस के लिए इस्तेमाल होने वाला शब्द है जो धीरे-धीरे उत्परिवर्तन हासिल करने की बजाय अपेक्षाकृत अधिक संख्या में जीन परिवर्तनों के साथ अचानक उभरता है। यह सार्स-कोव-2 से जुड़ा हुआ है, वही वायरस जो कोविड-19 का कारण बनता है। मार्कस हाफमैन और उनके सहयोगियों के शोध के अनुसार, पीजे.2.1 की उत्पत्ति एमसी.10.1.7 से हुई, जो स्वयं जेएन.1 से जुड़ा हुआ है, जो मई 2025 तक फैला हुआ था। विशेषज्ञ इस वेरिएंट के स्पाइक प्रोटीन की गहन जांच कर रहे हैं। यह वह संरचना है जिसके माध्यम से सार्स-कोव-2 मानव कोशिकाओं से जुड़ता है। पीजे.2.1 में इस प्रोटीन में कई बदलाव देखे गए हैं, जो एसीई 2 रिसेप्टर के साथ वायरस के इंटरैक्शन को प्रभावित कर सकते हैं। एसीई 2 मानव कोशिकाओं की सतह पर पाया जाता है और कोरोनावायरस के लिए एक प्रवेश द्वार का काम करता है। शोधकर्ताओं ने विशेष रूप से यह जानने की कोशिश की है कि पीजे.2.1 के स्पाइक प्रोटीन में बदलाव इस रिसेप्टर के साथ इसके संबंध को कैसे प्रभावित करते हैं। इस बीच, विश्व स्वास्थ्य संगठन ने दोहराया है कि कोविड-19 के लक्षण अक्सर फ्लू और अन्य श्वसन संक्रमणों के लक्षणों से मेल खाते हैं, जिससे केवल लक्षणों के आधार पर बीमारी का सटीक कारण पहचानना मुश्किल हो जाता है।

एनवीडियो सीईओ के मामले से पहले हो चुके है दुनिया में हनीट्रेप के बडे खुलासे

लंदन

हाल ही में एनवीडिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी जेन्सन हुआंग को लेकर सामने आई हनीट्रैप की आशंका ने एक बार फिर इस मुद्दे को चर्चा में ला दिया है। दुनिया के बड़े उद्योगपति और अरबपति हनीट्रैप के जाल से सुरक्षित नहीं हैं। इतिहास में कई ऐसे मामले सामने आए हैं, जिनमें ताकतवर कारोबारियों, अरबपतियों और प्रभावशाली लोगों को महिलाओं, निजी रिश्तों या राजनीतिक संपर्कों के जरिए निशाना बनाने के आरोप लगे। ऐसे ही पांच चर्चित मामलों पर नजर डालते हैं। अमेरिकी फाइनेंसर जेफ्री एपस्टीन का नाम दुनिया के सबसे चर्चित यौन शोषण मामलों में शामिल है। उस पर नाबालिग लड़कियों के यौन शोषण और प्रभावशाली लोगों तक पहुंच बनाने के लिए महिलाओं का इस्तेमाल करने के गंभीर आरोप लगे थे। उसकी सहयोगी गिस्लेन मैक्सवेल को भी इस मामले में दोषी ठहराया गया। माइक्रोसाफ्ट के सह-संस्थापक बिल गेट्स, टेस्ला के प्रमुख एलन मस्क और कारोबारी लेस्ली वेक्सनर जैसे बड़े नामों का भी एपस्टीन के साथ संपर्क चर्चा में रहा। बिल गेट्स ने एपस्टीन से मुलाकात को अपनी बड़ी गलती बताया था।

उन्होंने कहा कि इस संपर्क से उनकी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा। वहीं, एलन मस्क का नाम भी एपस्टीन से जुड़े दस्तावेजों और संपर्क संबंधी चर्चाओं में आया। हालांकि, किसी का नाम दस्तावेजों में आने भर से अपराध में शामिल होने का प्रमाण नहीं मिलता। दूसरी ओर, लेस्ली वेक्सनर ने आरोप लगाया था कि एपस्टीन ने उनके भरोसे का फायदा उठाकर उन्हें धोखा दिया और



उनकी संपत्ति पर प्रभाव जमाया। इसी तरह चीन में वर्ष 2026 की शुरुआत में सामने आए एक निवेश विवाद में कई बड़े कारोबारी और निवेशक प्रभावित हुए। इस मामले में केयू जिन नाम की महिला की पहचान और उनके पारिवारिक राजनीतिक संपर्कों का इस्तेमाल निवेशकों को प्रभावित करने के लिए किए जाने के आरोप लगे। चीनी कारोबारी यू हाइजुन पर निवेशकों को सरकारी समर्थन का भरोसा दिलाकर निवेश जुटाने का आरोप लगाया गया। बताया गया कि वर्ष 2022 में हांगझोउ में आयोजित एक बैठक के दौरान कई बड़े निवेशक इस परियोजना से जुड़े। इनमें नेटईज के संस्थापक डिंग लेई और आंट ग्रुप के पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी सिमोन हू के नाम भी शामिल बताए गए। बाद में कंपनी के दिवालिया होने पर बड़े वित्तीय घोटाले का खुलासा हुआ।

रिपोर्टों के मुताबिक, इस मामले में करीब 1.3 अरब से 1.75 अरब युआन का नुकसान हुआ। हालांकि, यह पारंपरिक यौन हनीट्रैप नहीं, बल्कि पहचान और कथित राजनीतिक पहुंच के इस्तेमाल से जुड़ा निवेश विवाद था। भारत के भगोड़े हीरा कारोबारी मेहुल चोकसी का नाम भी हनीट्रैप विवाद में सामने आया। पंजाब नेशनल बैंक घोटाले में हजारों करोड़ रुपये की धोखाधड़ी के आरोपों का सामना कर रहे चोकसी ने वर्ष 2021 में दावा किया था कि एंटीगुआ में उन्हें हनीट्रैप के जरिए अगवा किया गया। उनका आरोप था कि बारबरा जार्बिक नाम की महिला ने उन्हें मिलने के लिए बुलाया और वहां से उनका अपहरण कर डोमिनिका ले जाया गया। चोकसी के वकीलों ने इसे भारत लाने की कथित साजिश बताया था। अमेरिकी अरबपति और डेमोक्रेटिक पार्टी के दानदाता स्टीफन क्लूबेक का नाम भी वर्ष 2026 में एक विवाद के कारण चर्चा में आया। उनकी मंगेतर एडवा लेवी पर आरोप लगा कि उन्होंने डेटिंग ऐप के जरिए अमीर और बुजुर्ग लोगों से संबंध बनाए और बाद में उनके घरों से कीमती सामान और धन की चोरी की।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अपने जीवनसाथी के साथ धन से जुड़े किसी मामले को लेकर आज आपका झगड़ा हो सकता है। हालांकि अपने शांत स्वभाव से आप सबकुछ ठीक कर देंगे। परिवार के सदस्यों की ज़रूरतों को तरजीह दें। उनके सुख-दुःख के भागीदार बनें, ताकि उन्हें महसूस हो कि आप वाक़ई उनका ख़याल रखते हैं। एकतरफ़ा लगाव आपके लिए सिर्फ दिल तोड़ने का काम करेगा। ऐसे बदलाव लाएँ जो आपके रूप-रंग में निखार ला सके और संभावित साथियों को आपकी ओर आकर्षित करे। आपके जीवनसाथी की मांगें तनाव का कारण बन सकती हैं।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज बिना किसी की सलाह लिये बिना आज आपको पैसा कहीं भी इनवेस्ट नहीं करना चाहिए। घरेलू ज़िंदगी सुकूनभरी और ख़ुशनुमा रहेगी। यात्रा के चलते रुमानी संबंध को बढ़ावा मिलेगा। अगर आप अपनी चीज़ों का ध्यान नहीं रखेंगे, तो उनके खोने या चोरी होने की संभावना है। आप अपने जीवनसाथी के प्यार की मदद से ज़िन्दगी की मुश्किलों का आसानी से सामना कर सकते हैं। आपके घर का कोई सदस्य आज आपसे प्यार से जुड़ी कोई समस्या शेयर कर सकता है। आपको उन्हें उचित सलाह देनी चाहिए।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आपको आर्थिक फ़ायदा होगा । पुरखों की जायदाद की ख़बर पूरे परिवार के लिए ख़ुशी ला सकती है। ख़ाली समय में आप कोई खेल आज के दिन खेल सकते हैं लेकिन इस दौरान किसी तरह की दुर्घटना होने की भी संभावना है इसलिए संभलकर रहें। मुमकिन है कि आज आपका जीवनसाथी ख़ूबसूरत शब्दों में यह बताए कि आप उनके लिए कितने क़ीमती हैं। ज़िन्दगी आपके अनुसार तभी चल सकती है जब आप सही विचार और सही लोगों की संगति में रहें।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

दोस्तों को अपने उदार स्वभाव का ग़लत फ़ायदा न उठाने दें। थोड़े बहुत टकराव के बावजूद भी आज आपका प्रेम जीवन अच्छा रहेगा और आप अपने संगी को खुश रखने में कामयाब होंगे। जो भी आपसे मिले, उसके साथ विनम्र और सुखद व्यवहार करें। बहुत कम लोग ही आपके इस आकर्षण का राज़ जान पाएंगे। कुछ लोग सोचते हैं कि वैवाहिक जीवन ज़्यादातर झगड़ों और सेक्स के इर्द-गिर्द ही घूमता है, लेकिन आज आपके सब कुछ शान्त रहने वाला है। धन को इतनी अहमियत न दें कि आपके रिश्ते ही खराब हो जाएँ।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

इस राशि के कुछ लोगों को आज जमीन से जुड़े किसी मुद्दे को लेकर धन खर्च करना पड़ सकता है। गृह-प्रवेश के लिए शुभ दिन है। ज़िन्दगी की हक़ीक़त का सामना करने के लिए आपको अपने प्रिय को कम-से-कम कुछ वक़्त के लिए भूलना पड़ेगा। दूसरों की राय को ग़ौर से सुनें- अगर आप आज वाक़ई फ़ायदा चाहते हैं तो। आपका जीवनसाथी आपकी ज़रूरतों को अनदेखा कर सकता है, जिसके चलते आप चिड़चिड़े हो सकते हैं।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

किसी करीबी दोस्त की मदद से आज कुछ करोबारियों को अच्छा-खासा धन लाभ होने की संभावना है। यह धन आपकी कई परेशानियों को दूर कर सकता है। परिवार के लिए किसी अच्छे और ऊँचे लक्ष्य को हासिल करने के नज़रिए से समझ-बूझकर थोड़ा ख़तरा उठाया जा सकता है। चूके मौक़ों की वजह से डरें नहीं। आपकी बातें घरवालों को परेशान कर सकती हैं लेकिन इन बातों का हल अवश्य निकलेगा। आपको महसूस होगा कि आपका जीवनसाथी इससे बेहतर पहले कभी नहीं हुआ। सेहत के लिहाज़ से दौड़ लगाना आपके लिए फ़ायदेमंद रहेगा ।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

दिन की शुरुआत भले ही अच्छी हो लेकिन शाम के वक्त किसी वजह से आपका धन खर्च हो सकता है जिससे आप परेशान होंगे। आपके माता-पिता की सेहत चिंता और घबराहट का कारण बन सकती है। आज आप हर तरफ़ प्यार-ही-प्यार फैलाएंगे। बातचीत में कुशलता आज आपका मज़बूत पक्ष साबित होगी। थोड़ी-सी कोशिश करें तो यह दिन आपके वैवाहिक जीवन के सबसे विशेष दिनों में से एक हो सकता है। आज आप किसी दोस्त या करीबी रिश्तेदार से अपने दिल के गम साझा कर सकते हैं।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

बिना विचार किये आपको किसी को भी अपना पैसा नहीं देना चाहिए नहीं तो आपको आने वाले वक्त में बड़ी परेशानी है सकती है। यह परिवार में दबदबा बनाए रखने की अपनी आदतों को छोड़ने का वक्त है। ज़िंदगी के उतार-चढ़ाव में उनके कंधे से कंधा मिलाकर साथ दें। आपका बदला हुआ बर्ताव उनके लिए ख़ुशी का सबब साबित होगा। अगर आप वैवाहिक तौर पर लंबे समय से कुछ नाख़ुश हैं, तो आज के दिन आप हालात बेहतर होते हुए महसूस कर सकते हैं। शांति का वास आपके दिल में रहेगा और इसीलिए आप घर में भी अच्छा माहौल बना पाने में कामयाब होंगे।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

ख़ुद को सेहतमंद और दुरुस्त रखने के लिए वसायुक्त और तली-भुनी चीज़ों से दूर रहें। आज यदि आप अपने दोस्तों के साथ कहीं घूमने जा रहे हैं तो पैसा सोच समझकर खर्च करें। धन हानि हो सकती है। जितना आपने सोचा था, आपका भाई उससे ज़्यादा मददगार साबित होगा। आज आप बच्चों के साथ बच्चों के जैसा ही व्यवहार करेंगे जिससे आपके बच्चे सारे दिन आपसे चिपके रहेंगे।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज नवयुवकों को स्कूल प्रोजेक्ट की बाबत कुछ राय लेने की ज़रूरत हो सकती है। घर में परेशानियाँ पैदा हो सकती हैं- लेकिन अपने साथी को छोटी-छोटी बातों के लिए ताने देने से बचें। आज काफ़ी दिमाग़ी कसरत मुमकिन है। आपमें से कुछ भविष्य की योजनाओं पर गहराई से सोच सकते हैं। अकेलापन कई बार काफ़ी दिक़्क़त भरा हो सकता है, ख़ास तौर से उन दिनों में जब कि आपके पास ज़्यादा कुछ करने के लिए न हो। इससे छुटकारा पाने की कोशिश करें और अपने दोस्तों के साथ थोड़ा समय व्यतीत करें।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

जो लोग अब तक पैसे को बिना सोचे विचारे उड़ा रहे थे उन्हें आज पैसे की बहुत आवश्यकता पड़ सकती है और आज आपको समझ में आ सकता है कि पैसे की जीवन में क्या अहमियत है। आपको अपने रोज़मर्रा के कामों से छुट्टी लेकर आज दोस्तों के साथ घूमने का कार्यक्रम बनाना चाहिए। खेलकूद जीवन का जरुरी हिस्सा है लेकिन खेलकूद में इतने भी व्यस्त न हो जाएं कि आपकी पढ़ाई में कमी आ जाए। अपने प्रिय के साथ पर्याप्त समय बिताने की संभावना है। ऐसा हो भी क्यों न, ऐसे पल ही तो किसी संबंध को प्रगाढ़ बनाते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

अपनी शारीरिक सेहत सुधारने के लिए संतुलित आहर लें आज के दिन आप ऊर्जा से लबरेज़ रहेंगे और मुमकिन है कि अचानक अनदेखा मुनाफ़ा भी मिले। आपको अपनी भावनाओं को नियन्त्रित करने में कठिनाई होगी, लेकिन आस-पास के लोगों से झगड़ा न करें नहीं तो आप अकेले रह जाएंगे। याद रखिए कि आँखें कभी झूठ नहीं बोलतीं। आपका अपने जीवनसाथी के साथ तनावपूर्ण संबंध रह सकता है। जहां तक सम्भव हो बात को बढ़ने न दें। अपने साथी के लिए कोई बेहतरीन पकवान बनाना आपके फीके पड़े रिश्तों में गर्मजोशी भर सकता है।

आज का पंचांग

दिनांक : 13 नवंबर 2026 , शुक्रवार
विक्रम संवत : 2083
मास : कार्तिक , शुक्ल पक्ष
तिथि : चतुर्थी रात्रि 08:44 तक
नक्षत्र : मूल सायं 05:17 तक
योग : धृति रात्रि 05:22 तक
करण : वणिज प्रात: 07:25 तक
चन्द्रराशि : धनु
सूर्योदय : 06:20, सूर्यास्त 05:40 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:17, सूर्यास्त 05:50 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:11, सूर्यास्त 05:41 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:10, सूर्यास्त 05:33 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
चंचल : 06:00 से 07:30
लाभ : 07:30 से 09:00
अमृत : 09:00 से 10:30
शुभ : 12:00 से 01:30
राहूकाल : प्रात: 10:30 से 12:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : दूध पीकर यात्रा करें
दिन विशेष : विनायक चतुर्थी , दूर्वा चतुर्थी, गण्डमूल सायं 05:17 तक भद्रा प्रात: 07:25 से रात्रि 08:44 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

कैंसर फाउंडेशन की बड़ी उपलब्धि





हैदराबाद/मुंबई, 12 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद स्थित ग्रेस कैंसर फाउंडेशन ने सामाजिक क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए मुंबई स्थित नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) मुख्यालय में घंटी बजाने का समारोह आयोजित किया। वर्ष 2013 में सर्जिकल ऑन्कोलॉजिस्ट डॉ. चिन्नाबाबू सुनकवल्ली द्वारा स्थापित इस लहरअॅळींरलश्रश ींअॅीीं ने एनएसई के सोशल स्टॉक एक्सचेंज के माध्यम से एक करोड़ रुपये का जीरो कूपन जीरो प्रिंसिपल इश्यू जारी किया, जिसे 100 प्रतिशत से अधिक अभिदान प्राप्त हुआ।

यह एनएसई सोशल स्टॉक एक्सचेंज का 18वां ऐसा इश्यू है। समारोह में एनएसई के वरिष्ठ सलाहकार शैलेश पाठक तथा ईक्विप (एटणखझझझ) के लक्ष्मी नारायण और साई किरण सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। इस इश्यू के सलाहकार ईक्विप हैं। फाउंडेशन ने कोडंगल और मंथनी में पायलट परियोजनाओं के संचालन के लिए ईक्विप के निर्वाचन क्षेत्र विकास ढांचे के साथ सहयोग करने की प्रतिबद्धता भी जताई।

इस इश्यू से प्राप्त राशि का उपयोग उत्तरी तेलंगाना के वंचित समुदायों के 10 हजार लोगों की कैंसर जांच, शुरुआती पहचान और जागरूकता कार्यक्रमों के लिए किया जाएगा। सात से नौ अक्टूबर 2026 तक खुले इस इश्यू में न्यूनतम आवेदन राशि 1,000 रुपये रखी गई थी। प्रत्येक जेडसीजेडपी इंस्ट्रूमेंट का अंकित मूल्य 10 रुपये था तथा न्यूनतम सदस्यता लक्ष्य 75 लाख रुपये निर्धारित किया गया था। इसमें जीरो कूपन और जीरो प्रिंसिपल व्यवस्था के तहत न तो ब्याज मिलता है और न ही मूलधन की वापसी होती है। आम नागरिक जेरोधा और आईसीआईसीआई डायरेक्ट जैसे प्लेटफॉर्म के माध्यम से भी योगदान दे सकते हैं।

फाउंडेशन के संस्थापक डॉ. चिन्नाबाबू सुनकवल्ली ने कहा कि ऑपरेशन थिएटर में एक सर्जन एक समय में केवल एक मरीज का ऑपरेशन कर सकता है, लेकिन निवारक स्वास्थ्य सेवाओं, शुरुआती पहचान और बड़े स्तर पर जांच कार्यक्रमों के माध्यम से लाखों लोगों तक पहुंचकर कैंसर से बचाव में मदद की जा सकती है। यही एक डॉक्टर के सामाजिक योगदान को कई गुना बढ़ाने का प्रभावी माध्यम है।

एनएसई के वरिष्ठ सलाहकार शैलेश पाठक ने कहा कि यदि दो विधानसभा क्षेत्रों कोडंगल और मंथनी में कैंसर जांच के लिए एक करोड़ रुपये जुटाए जा सकते हैं, तो तेलंगाना के सभी 119 विधानसभा क्षेत्रों में हर महीने एक करोड़ रुपये जुटाने की दिशा में भी प्रयास किए जा सकते हैं। सोशल स्टॉक एक्सचेंज राज्यभर में सामाजिक प्रभाव बढ़ाने का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करता है।

वर्ष 2013 से कार्यरत ग्रेस कैंसर फाउंडेशन कैंसर जागरूकता, शुरुआती पहचान, जांच, उपचार सहायता, पुनर्वास और अनुसंधान के क्षेत्र में काम कर रहा है। फाउंडेशन की आगामी योजनाओं में निवारक ऑन्कोलॉजी के लिए उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित मोबाइल कैंसर जांच इकाइयां, कैंसर एवं गैर-संचारी रोगों की जांच का विस्तार, ग्रामीण क्षेत्रों के लिए डिजिटल स्वास्थ्य मंच तथा अनुसंधान संस्थानों के साथ सहयोग शामिल हैं।

एनएसई सोशल स्टॉक एक्सचेंज गैर-लाभकारी संस्थाओं को सामाजिक विकास के कार्यों के लिए पारदर्शी एवं विनियमित माध्यम से धन जुटाने का अवसर प्रदान करता है। इसके अंतर्गत संस्थाओं को वित्तीय जवाबदेही, सुशासन, नियमित खुलासे और सामाजिक प्रभाव की रिपोर्टिंग संबंधी निर्धारित नियमों का पालन करना होता है।

फाउंडेशन का एनएसई सोशल स्टॉक एक्सचेंज पंजीकरण नंबर NSES-SENP000165 है। इस उपलब्धि को कैंसर के खिलाफ लड़ाई में स्वास्थ्य सेवाओं, सामाजिक सहयोग, संस्थागत पारदर्शिता और जनभागीदारी को एक साथ जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

तीन चोरियां उजागर



बांसवाड़ा, 12 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। कामारेड्डी जिले के बांसवाड़ा शहर में तीन मकानों में हुई चोरी की वारदातों का पुलिस ने पर्दाफाश करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से 29.7 तोला चांदी के आभूषण, दो मोबाइल फोन एवं अन्य महत्वपूर्ण साक्ष्य बरामद किए गए।

शांतिनगर कॉलोनी के दो मकानों तथा हरिजनवाड़ा में 4 नवंबर को एक मकान का ताला तोड़कर सोने-चांदी के आभूषण चोरी किए गए थे। शिकायत पर मामला दर्ज कर जिला एसपी एम. राजेश चंद्र के निर्देश तथा डीएसपी पी. विट्ठल रेड्डी की निगरानी में टाउन एसएचओ टी. श्रीधर और एसआई शिरीषा के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई।

पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज एवं तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर 11 नवंबर को बांसवाड़ा बस स्टैंड के पास संदिग्ध अवस्था में घूम रहे जाधव राहुल को हिरासत में लिया। पुलिस के अनुसार, पूछताछ में उसने तीनों चोरी की वारदातों में संलिप्तता स्वीकार की तथा चोरी के कुछ आभूषण बोधन निवासी संदीप को बेचने की जानकारी दी। शेष सामान जुक्कल क्षेत्र में बेचने की तैयारी थी।

पुलिस के मुताबिक, मुख्य आरोपी राहुल पूर्व में भी चोरी के मामलों में जेल जा चुका है। उसने कर्ज चुकाने और अपनी जरूरतें पूरी करने के लिए चोरी की वारदातों को अंजाम दिया। कार्रवाई में हेड कांस्टेबल साईकुमार तथा कांस्टेबल पृथ्वीकुमार, पांडुरंग और सुदर्शन राव ने अहम भूमिका निभाई। एसपी राजेश चंद्र ने पुलिस टीम की सराहना की।

पुष्कर मेले में विशाल अन्नपूर्णा भंडारा

श्री अखिल भारतीय दाधीच सेवा ट्रस्ट की ओर से 23 एवं 24 नवंबर को होगा आयोजन

पुष्कर/निजामाबाद, 13 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राजस्थान के प्रसिद्ध पुष्कर मेले-2026 के पावन अवसर पर श्री अखिल भारतीय दाधीच सेवा ट्रस्ट, पुष्कर की ओर से प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी विशाल अन्नपूर्णा भंडारे का आयोजन किया जा रहा है। यह धार्मिक एवं सेवा आयोजन 23 एवं 24 नवंबर 2026 को पुष्कर स्थित दाधीच भवन में होगा। ट्रस्ट की ओर से जारी आमंत्रण में कार्तिक मास के इस पावन अवसर पर सभी श्रद्धालुओं एवं पुष्कर मेले में आने वाले आगंतुकों को सपरिवार आमंत्रित किया गया है। आयोजकों ने श्रद्धालुओं से शुद्ध देसी घी से निर्मित मिठाइयों एवं मूंगफली के तेल से तैयार प्रसाद ग्रहण करने का आग्रह किया है। इस आयोजन के अध्यक्ष ओमप्रकाश दायमा (निजामाबाद), मंत्री घनश्याम सूंटवाल (हैदराबाद) तथा संयोजक रायचंद दायमा (अहमदाबाद) हैं। ट्रस्ट के पदाधिकारियों, ट्रस्टियों एवं सदस्यों ने श्रद्धालुओं से इस सेवा कार्य में सहभागी बनने की अपील की है। आयोजन का उद्देश्य श्रद्धा, सेवा एवं समर्पण की भावना के साथ श्रद्धालुओं की सेवा करना तथा अन्नदान की परंपरा को आगे बढ़ाना है।,

समाजसेवा की भावना से निस्वार्थ भाव से कार्य कर रहा है राधे-राधे ग्रुप : मनीष अग्रवाल चिंडालिया





हैदराबाद। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन पिलर नंबर 1265-ए के पास गुरुवार को नियमित अन्नसेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए मनीष अग्रवाल चिंडालिया ने कहा कि समाज के प्रति समर्पण, सेवा और सहयोग की भावना ही एक सशक्त एवं संवेदनशील समाज की पहचान है। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद इसी भावना को आत्मसात करते हुए पूरी निष्ठा और निस्वार्थ भाव से समाजसेवा के कार्यों में निरंतर जुटा हुआ है।

उन्होंने कहा कि समाजसेवा केवल किसी जरूरतमंद को भोजन उपलब्ध करवाने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके पीछे प्रेम, अपनापन, मानवीय संवेदना और दूसरों के दुख-दर्द को समझने का भाव होना भी जरूरी है। जब समाज के लोग आपसी सहयोग से जरूरतमंदों की सहायता के लिए आगे आते हैं, तभी सेवा का वास्तविक उद्देश्य सार्थक होता है। राधे-राधे ग्रुप के सदस्य बिना किसी भेदभाव के सेवा कार्यों में सहभागी बनकर मानवता का संदेश दे रहे हैं। इस प्रकार के सेवा कार्य समाज में सकारात्मक सोच, परस्पर सहयोग और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करते हैं।

उन्होंने कहा कि अन्नसेवा भारतीय संस्कृति की महान परंपरा रही है। भूखे को भोजन कराना सबसे पुण्यदायी कार्यों में से एक है। इस पुनीत कार्य में प्रत्येक व्यक्ति अपनी सामर्थ्य के अनुसार योगदान देकर समाज के प्रति अपने दायित्व का निर्वहन कर सकता है। सेवा के इस अभियान में सभी सदस्यों का सामूहिक सहयोग और समर्पण सराहनीय है।इस अवसर पर राम प्रकाश अग्रवाल, महेश अग्रवाल, नंदकिशोर अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, संजय गोयल, किरण गोयल एवं प्रीतिका अग्रवाल सहित राधे-राधे ग्रुप के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

36 घंटे में छात्रा को भेंट की साइकिल, सांसद वम्सी कृष्णा ने पूरी की बच्ची की इच्छा



पेद्दापल्ली, 12 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

पेद्दापल्ली के सांसद गद्दाम वंशी कृष्णा ने एक छात्रा से किया अपना वादा महज 36 घंटे के भीतर पूरा कर अनूठी मिसाल पेश की। उन्होंने पांचवीं कक्षा की प्रतिभाशाली छात्रा साई विग्नाथ को साइकिल भेंट कर उसका सपना साकार किया।

सांसद गद्दाम वंशी कृष्णा ने हाल ही में पेद्दापल्ली जिले के एलिगेडु मंडल स्थित सुल्तानपुर गांव के सरकारी स्कूल का दौरा किया था। इस अवसर पर विशाखा चैरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में छात्रा सहित अन्य विद्यार्थियों को स्कूल बैग वितरित किए गए।

इस दौरान सांसद ने जिला स्तरीय पठन प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार प्राप्त करने वाली पांचवीं कक्षा की छात्रा साई विग्नाथ की प्रतिभा की सराहना करते हुए उसे साइकिल भेंट करने का वादा किया था। सांसद ने अपना वादा निभाते हुए महज 36 घंटे के भीतर छात्रा तक साइकिल पहुंचा दी। साइकिल पाकर साई विग्नाथ की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। उसने सांसद गद्दाम वंशी कृष्णा के प्रति विशेष आभार व्यक्त किया। वहीं, स्कूल के शिक्षकों और छात्रा के माता-पिता ने भी सांसद द्वारा अपना वादा निभाने और बच्ची का सपना पूरा करने पर उनका धन्यवाद किया।

निस्वार्थ सेवा ही मानवता का सच्चा धर्म है : अनिल अग्रवाल धरशुवाले



हैदराबाद। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में गुरुवार को बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने नियमित अन्नसेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए राधे-राधे ग्रुप के सदस्य अनिल अग्रवाल धरशुवाले ने कहा कि निस्वार्थ भाव से जरूरतमंदों की सेवा करना ही मानव जीवन की सबसे बड़ी सार्थकता है। सेवा केवल एक कार्य नहीं, बल्कि प्रेम, करुणा, संवेदना और मानवीय मूल्यों से जुड़ी ऐसी भावना है, जो समाज को एक-दूसरे के करीब लाती है।

उन्होंने कहा कि आज के समय में जब व्यक्ति अपने निजी जीवन और व्यस्तताओं में उलझा हुआ है, ऐसे में जरूरतमंदों के लिए समय निकालना और उनके जीवन में सहयोग का माध्यम बनना अत्यंत सराहनीय कार्य है। भूखे को भोजन कराना, असहाय को सहारा देना और किसी के चेहरे पर मुस्कान लाना ही सच्चे अर्थों में ईश्वर की आराधना है। अन्नसेवा के माध्यम से न केवल जरूरतमंदों की सहायता होती है, बल्कि समाज में प्रेम, सद्भाव और परस्पर सहयोग की भावना भी मजबूत होती है।

उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद सभी सदस्यों के सामूहिक सहयोग, विश्वास और समर्पण से निरंतर सेवा कार्यों को आगे बढ़ा रहा है। इस सेवा अभियान की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें बिना किसी भेदभाव के मानवता को सर्वोपरि रखते हुए सेवा की जाती है।

सेवा का उद्देश्य प्रसिद्धि या प्रशंसा प्राप्त करना नहीं, बल्कि किसी जरूरतमंद के काम आकर आत्मिक संतोष प्राप्त करना होना चाहिए।

इस अवसर पर नीलम विजयवर्गीय, अरुण विजयवर्गीय, लता गोयल सहित राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने सेवा कार्य में उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई।

पंचायत प्रबंधन पर चर्चा

घायल सरपंच की अनुपस्थिति में पंचायत संचालन की समीक्षा, अधिकारियों ने भेजी रिपोर्ट



मदनूर, 12 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मदनूर मंडल के छोटा शक्करगा गांव में जिला पंचायत अधिकारी के निर्देशानुसार विशेष बैठक आयोजित की गई। इसमें मंडल विकास अधिकारी (एमपीडीओ) सायलु और मंडल पंचायत अधिकारी (एमपीओ) सत्यनारायण ने वार्ड सदस्यों के साथ ग्राम पंचायत के प्रबंधन एवं संचालन से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की। बैठक में अधिकारियों ने बताया कि स्थानीय सरपंच दिगंबर कुछ महीने पहले सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गए थे। इसके बाद से पंचायत के प्रबंधन और संचालन की स्थिति पर विचार-विमर्श किया गया। अधिकारियों ने बताया कि इस संबंध में जिला अधिकारियों को विस्तृत रिपोर्ट भेजी जाएगी। इस अवसर पर मंडल विकास अधिकारी सायलु और मंडल पंचायत अधिकारी सत्यनारायण ने घायल सरपंच दिगंबर से मुलाकात कर उनके स्वास्थ्य की जानकारी भी प्राप्त की।

ऑटो में हेलमेट!



मदनूर, 12 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। सड़क दुर्घटनाओं में सिर की चोट से बचाव के लिए हेलमेट पहनना बेहद जरूरी है। भारतीय मोटर वाहन अधिनियम के तहत दोपहिया वाहन चालक और पीछे बैठने वाले व्यक्ति के लिए हेलमेट पहनना अनिवार्य है। लेकिन गुरुवार को मदनूर में एक अनोखा नजारा देखने को मिला, जहां एक व्यक्ति ऑटो में सफर करते समय भी हेलमेट पहने नजर आया। बातचीत के दौरान उस व्यक्ति ने बताया कि आजकल ऑटो चालकों का क्या भरोसा, इसलिए अपनी सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए वह ऑटो में भी हेलमेट पहनकर यात्रा कर रहा है। उसका यह अंदाज लोगों के बीच चर्चा का विषय बना रहा।



अत्तापुर स्थित श्री जगन्नाथ मंदिर, रामबाग में अन्नकूट महोत्सव के अवसर पर श्रद्धालुओं ने भगवान के दर्शन कर अन्नकूट प्रसादी ग्रहण की। इस अवसर पर पंडित सुरेश शर्मा, श्रीनिवास सोमाणी, जयप्रकाश जोशी, सत्यनारायणजी, श्रीमती विद्या देवी शर्मा, श्रीमती आशा देवी सोमाणी सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे।

छठ महापर्व : लोक आस्था, सूर्य उपासना और प्रकृति संरक्षण का अनुपम संगम

बिहार समाज सेवा संघ, हैदराबाद की ओर से दो दिवसीय भव्य छठ महोत्सव का आयोजन

गंगा आरती, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां और पारंपरिक अनुष्ठान होंगे मुख्य आकर्षण

छठ महापर्व भारत के प्रमुख लोकपर्वों में से एक है। विशेष रूप से बिहार, झारखंड, पूर्वी उत्तर प्रदेश और नेपाल के तराई क्षेत्रों में इसकी विशेष धार्मिक एवं सांस्कृतिक महत्ता है। अब यह पर्व देश के विभिन्न महानगरों के साथ-साथ विदेशों में भी बड़े उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाया जाता है। हैदराबाद सहित तेलंगाना के अनेक क्षेत्रों में भी छठ पूजा की लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है। यह पर्व केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि लोक आस्था, पारिवारिक एकता, सामाजिक समरसता, अनुशासन और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का प्रतीक है।

इसी लोक आस्था और सांस्कृतिक परंपरा को आगे बढ़ाते हुए बिहार समाज सेवा संघ, हैदराबाद की ओर से इस वर्ष भी छठ महापर्व के अवसर पर 15 एवं 16 नवंबर को भव्य दो दिवसीय छठ पूजा महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। संघ ने श्रद्धालुओं की सुविधा और अधिक से अधिक लोगों की सहभागिता को ध्यान में रखते हुए दो प्रमुख घाटों पर आयोजन की व्यवस्था की है। इस महोत्सव में पारंपरिक छठ पूजा, संध्या एवं उषा अर्घ्य के साथ विशेष गंगा आरती और सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रमुख आकर्षण रहेंगे।

संघ की ओर से जारी आमंत्रण के अनुसार, इस आयोजन में तेलंगाना सरकार के ऊर्जा विभाग के विशेष मुख्य सचिव श्री विकास राज, आईएएस, मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। वहीं, समाज के वरिष्ठ एवं प्रतिष्ठित व्यक्तित्वों का मार्गदर्शन भी आयोजन को विशेष गरिमा प्रदान करेगा।

दो प्रमुख घाटों पर होगी छठ पूजा

बिहार समाज सेवा संघ ने श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए दो स्थानों पर छठ पूजा की व्यवस्था की है।

पहला स्थल : बेबी पॉन्ड-01
हर्बल गार्डन के निकट, संजीवैया पार्क के सामने, नेकलेस रोड, सिकंदराबाद।

दूसरा स्थल : बतुकम्मा कुंटा घाट, नल्लाकुंटा, अंबरपेट, हैदराबाद।

दोनों स्थलों पर श्रद्धालु पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार सूर्यदेव को अर्घ्य अर्पित कर सकेंगे। आयोजन समिति की ओर से श्रद्धालुओं से निर्धारित समय पर घाटों पर पहुंचकर धार्मिक अनुष्ठानों में सहभागिता करने की अपील की गई है।

दो दिनों का संपूर्ण कार्यक्रम

बिहार समाज सेवा संघ की ओर से जारी कार्यक्रम के अनुसार, 15 नवंबर को प्रथम अर्घ्य और 16 नवंबर को द्वितीय अर्घ्य का आयोजन किया जाएगा।

रविवार, 15 नवंबर : प्रथम अर्घ्य

छठ पूजा एवं घाट पर धार्मिक अनुष्ठान : दोपहर 3 बजे से रात 10 बजे तक।

विशेष गंगा आरती :

शाम 6 बजे से 6:45 बजे तक।

सोमवार, 16 नवंबर : द्वितीय अर्घ्य

छठ पूजा एवं उषा अर्घ्य : सुबह 4 बजे से 8 बजे तक।
विशेष गंगा आरती : सुबह 6:10 बजे से 6:55 बजे तक।

इस दौरान श्रद्धालु अस्ताचलगामी सूर्य और अगले दिन उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर परिवार की सुख-समृद्धि, संतान की दीर्घायु, अच्छे स्वास्थ्य और खुशहाली की कामना करेंगे।

काशी से आएगी गंगा आरती की विशेष मंडली

इस वर्ष छठ महोत्सव का एक विशेष आकर्षण काशी (बनारस) से पधार रही आचार्य शिवम जी महाराज की मंडली द्वारा प्रस्तुत की जाने वाली भव्य गंगा आरती होगी। दोनों दिन निर्धारित समय पर गंगा आरती का आयोजन किया जाएगा।

काशी की पारंपरिक आरती शैली, वैदिक मंत्रोच्चार, शंखध्वनि, दीपों की जगमगाहट और भक्तिमय वातावरण श्रद्धालुओं के लिए विशेष आध्यात्मिक अनुभव होगा। हैदराबाद में काशी की गंगा आरती की परंपरा को प्रस्तुत करने का यह प्रयास छठ महोत्सव की धार्मिक भव्यता को और बढ़ाएगा।

सांस्कृतिक कार्यक्रम में तृषा गुप्ता और पवन पांडेय एंड पूरी टीम की प्रस्तुति

धार्मिक अनुष्ठानों के साथ-साथ बिहार समाज सेवा संघ ने लोक संस्कृति और मनोरंजन का भी विशेष ध्यान रखा है। महोत्सव में सांस्कृतिक कार्यक्रम के अंतर्गत रांची की तत्शा गुप्ता तथा पवन पांडेय एंड पूरी टीम अपनी प्रस्तुतियां देंगे।

इन सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से बिहार, झारखंड और पूर्वांचल की लोक संस्कृति, पारंपरिक संगीत और छठ गीतों की मधुर छटा देखने को मिलेगी। छठी मैया के पारंपरिक गीतों और भक्ति संगीत से घाटों का वातावरण भक्तिमय बनेगा। इससे नई पीढ़ी को भी अपनी सांस्कृतिक जड़ों और परंपराओं से जुड़ने का अवसर मिलेगा।

मुख्य अतिथि एवं मार्गदर्शक

इस भव्य आयोजन में तेलंगाना सरकार के ऊर्जा विभाग के विशेष मुख्य सचिव श्री विकास राज, आईएएस, मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित हैं।



आयोजन को मार्गदर्शन प्रदान करने वाले प्रमुख व्यक्तित्वों में श्री आलोक कुमार झा, श्री परमानंद शर्मा, श्री संजय सिंह, डॉ. देव कुमार पुकराज, श्री अजय कुमार, श्री शशि सिन्हा, श्री रजनीश कुमार झा, श्री संजय कुमार ठाकुर तथा श्री पप्पू सिन्हा शामिल हैं।

इन सभी वरिष्ठ एवं समाजसेवी व्यक्तित्वों का मार्गदर्शन आयोजन की सफलता और सामाजिक सहभागिता को मजबूती प्रदान करेगा।

आयोजन समिति की महत्वपूर्ण भूमिका

छठ महोत्सव को व्यवस्थित, सफल और भव्य स्वरूप प्रदान करने के लिए बिहार समाज सेवा संघ की आयोजन समिति सक्रिय रूप से कार्य कर रही है। **आयोजन समिति में-** राजू ओझा (राष्ट्रीय चेयरमैन, बिहार समाज सेवा संघ), राकेश त्रिपाठी, विकास सिंह, राधेश्याम प्रजापति, राकेश सिंह, प्रताप गौरव सिंह, जितेंद्र यादव, श्रीमती अनिता सिंह, रघुवीर सिंह, नवरतन पासवान, अरविंद कुमार सिंह, संदीप ओझा, नवल तिवारी, संजीव मिश्रा (अंबरपेट घाट प्रभारी)।

संघ के प्रमुख पदाधिकारी : श्री मनीष तिवारी – अध्यक्ष, श्री दीपक तिवारी – कोषाध्यक्ष श्री अभय वर्मा – सचिव।

समिति के सभी सदस्य आयोजन की विभिन्न व्यवस्थाओं और कार्यक्रमों के संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

समाजसेवा और सांस्कृतिक एकता की मिसाल है बिहार समाज सेवा संघ

बिहार समाज सेवा संघ, हैदराबाद का यह आयोजन केवल एक धार्मिक कार्यक्रम तक सीमित नहीं है, बल्कि महानगर में रहने वाले बिहार, झारखंड और पूर्वांचल के लोगों को अपनी संस्कृति, परंपरा और मातृभूमि से जोड़ने का सराहनीय प्रयास है।

हजारों श्रद्धालुओं की सहभागिता वाले ऐसे आयोजनों के माध्यम से संघ सामाजिक एकता, धार्मिक सद्भाव और सांस्कृतिक विरासत को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण कार्य कर रहा है। विशेष रूप से महानगर में रह रहे उन परिवारों के लिए यह आयोजन भावनात्मक महत्व रखता है, जिन्हें छठ के अवसर पर अपने गांव, घर और पारंपरिक घाटों की याद आती है।

दो अलग-अलग घाटों पर पूजा की व्यवस्था, काशी से विशेष गंगा आरती मंडली को आमंत्रित करना, सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन और श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए समर्पित आयोजन समिति की सक्रियता संघ की दूरदर्शिता और सामाजिक प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

धार्मिक आस्था के साथ सामाजिक सहयोग, सामूहिक सहभागिता और सांस्कृतिक संरक्षण को जोड़ने का यह प्रयास निश्चित रूप से प्रशंसनीय है। बिहार समाज सेवा संघ के पदाधिकारियों एवं सदस्यों का यह समर्पण हैदराबाद में छठ महापर्व को एक व्यापक सामाजिक और सांस्कृतिक उत्सव का स्वरूप प्रदान कर रहा है।

छठ महापर्व का धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व

छठ पूजा में भगवान सूर्य और छठी मैया की आराधना की जाती है। सूर्य को जीवन, ऊर्जा, प्रकाश और स्वास्थ्य का आधार माना गया है। वहीं छठी मैया को संतान की रक्षा, सुख-समृद्धि और परिवार के कल्याण की देवी के रूप में पूजा जाता है।

इस पर्व की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें डूबते हुए सूर्य और उगते हुए सूर्य, दोनों को समान श्रद्धा के साथ अर्घ्य अर्पित किया जाता है। यह परंपरा जीवन में संतुलन, निरंतरता और हर परिस्थिति के प्रति सम्मान का संदेश देती है।

छठ महापर्व मुख्य रूप से चार दिनों तक मनाया जाता है।

पहला दिन : नहाय-खाय

छठ पर्व की शुरुआत नहाय-खाय से होती है। इस दिन व्रती स्नान कर घर एवं पूजा स्थल की साफ-सफाई करते हैं। लौकी की सब्जी, चने की दाल और अरवा चावल जैसे सात्विक भोजन का सेवन किया जाता है।

दूसरा दिन : खरना

दूसरे दिन व्रती पूरे दिन उपवास रखते हैं और शाम को गुड़ की खीर, रोटी तथा अन्य सात्विक प्रसाद ग्रहण करते हैं। इसके बाद लगभग 36 घंटे का निर्जला व्रत आरंभ होता है।

तीसरा दिन : संध्या अर्घ्य

इस दिन व्रती बांस के सूप और दउरा में पूजा सामग्री सजाकर नदी, तालाब या निर्धारित घाटों पर पहुंचते हैं और अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य अर्पित करते हैं।

चौथा दिन : उषा अर्घ्य और पारण

अंतिम दिन सूर्योदय से पहले श्रद्धालु घाटों पर पहुंचकर उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देते हैं। इसके बाद व्रती पारण कर लगभग 36 घंटे के निर्जला उपवास का समापन करते हैं।

ठेकुआ और पारंपरिक प्रसाद का विशेष महत्व

छठ पूजा में बांस से बने सूप, दउरा और टोकरी का विशेष स्थान है। इनमें ठेकुआ, कसार, गन्ना, नारियल, केला, मौसमी फल, नींबू, अदरक, हल्दी, मूली और सिंघाड़ा सहित विभिन्न पूजा सामग्री रखी जाती है।

ठेकुआ छठ पर्व का सबसे प्रसिद्ध पारंपरिक प्रसाद है, जिसे गेहूं के आटे, गुड़ और घी से तैयार किया जाता है। पूजा में प्राकृतिक सामग्री के उपयोग से प्रकृति के प्रति कृतज्ञता और पारंपरिक जीवनशैली का संदेश भी मिलता है।

पौराणिक मान्यताएं और सूर्य उपासना

छठ पर्व से जुड़ी कई पौराणिक कथाएं प्रचलित हैं। मान्यता है कि महाभारत काल में सूर्यपुत्र कर्ण भगवान सूर्य के परम भक्त थे और प्रतिदिन जल में खड़े होकर सूर्यदेव को अर्घ्य अर्पित करते थे।

एक अन्य मान्यता के अनुसार राजा प्रियव्रत और उनकी पत्नी मालिनी को संतान प्राप्ति में कठिनाई हो रही थी। लोक परंपरा में षष्ठी देवी को संतान की रक्षा करने वाली देवी माना गया है।

रामायण से जुड़ी मान्यता के अनुसार भगवान श्रीराम और माता सीता ने अयोध्या लौटने के बाद सूर्यदेव की उपासना की थी। इन धार्मिक मान्यताओं के कारण छठ पूजा का विशेष आध्यात्मिक महत्व है।

प्रकृति संरक्षण और सामाजिक समरसता का संदेश

छठ महापर्व सूर्य, जल, मिट्टी, फल और वनस्पति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का पर्व है। यह हमें नदियों, तालाबों और जलाशयों को स्वच्छ रखने की प्रेरणा देता है।

इस पर्व की सबसे बड़ी विशेषता सामाजिक समानता है। घाटों पर सभी वर्गों के लोग एक साथ पूजा करते हैं और एक-दूसरे की सहायता करते हैं। छठ गीतों के माध्यम से लोक संस्कृति और पारिवारिक संस्कार पीढ़ी-दर-पीढ़ी आगे बढ़ते हैं।

हैदराबाद में छठ पूजा का विस्तार यह दर्शाता है कि महानगर की बहुसांस्कृतिक पहचान में बिहार और पूर्वांचल की परंपराओं को भी विशेष सम्मान और स्थान मिल रहा है।

श्रद्धालुओं के लिए हेल्पलाइन नंबर

बिहार समाज सेवा संघ की ओर से छठ महोत्सव से संबंधित जानकारी एवं आवश्यक सहायता के लिए निम्नलिखित हेल्पलाइन नंबर जारी किए गए हैं: 6302781157, 9866737807, 7799269977, 8074986494, 9849003619.

संघ की ओर से सभी श्रद्धालुओं, व्रतियों, परिवारों और समाज के लोगों से अधिक से अधिक संख्या में इस धार्मिक एवं सांस्कृतिक महोत्सव में शामिल होकर छठी मैया और भगवान सूर्य का आशीर्वाद प्राप्त करने की अपील की गई है।

आस्था, सेवा और संस्कृति का संगम

छठ महापर्व हमें सिखाता है कि सच्ची श्रद्धा के लिए भव्यता या दिखावे की आवश्यकता नहीं होती, बल्कि मन की पवित्रता, अनुशासन, सेवा और समर्पण सबसे महत्वपूर्ण हैं। डूबते सूर्य को अर्घ्य देने की परंपरा जीवन की हर अवस्था का सम्मान करना सिखाती है, जबकि उगते सूर्य की उपासना नई आशा, सकारात्मकता और नए आरंभ का प्रतीक है।

बिहार समाज सेवा संघ, हैदराबाद की ओर से आयोजित यह भव्य छठ महोत्सव धार्मिक आस्था, सामाजिक एकता, लोक संस्कृति और सेवा भावना का सुंदर उदाहरण बनेगा। काशी की गंगा आरती, पारंपरिक छठ पूजा और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ यह आयोजन हैदराबाद में बिहार की सांस्कृतिक विरासत की एक अनुपम झलक प्रस्तुत करेगा।

संतान के सौभाग्य की कामना से करते हैं छठी मैया की पूजा

महाव्रत पर्व छठ पूजा की शुरुआत नहाय-खाय के साथ हो रही है। चार दिनों तक चलने वाले इस पर्व में भगवान सूर्य और छठी मैया की पूजा की जाती है। इस दौरान व्रतधारी परिवार की सुख-समृद्धि, संतान की दीर्घायु, अच्छे स्वास्थ्य और खुशहाली की कामना करते हैं। छठ पूजा में डूबते और उगते सूर्य को अर्घ्य देने की परंपरा है। इस पर्व की खास बात यह है कि इसमें अस्त होते सूर्य की भी पूजा की जाती है।

पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान, जयपुर-जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डॉ. अनीष व्यास ने बताया कि लोक आस्था का महापर्व छठ नहाय-खाय के साथ शुरू हो रहा है। इसमें छठी मैया की पूजा के साथ भगवान भास्कर की उपासना की जाती है। छठ पूजा की शुरुआत शुक्रवार, 13 नवंबर को नहाय-खाय से होगी। शनिवार, 14 नवंबर को खरना किया जाएगा। रविवार, 15 नवंबर को शाम के समय डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया जाएगा। वहीं, सोमवार, 16 नवंबर को सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य देने के बाद व्रत का पारण होगा। महिलाएं बच्चों के अच्छे स्वास्थ्य, सफलता और दीर्घायु की कामना के लिए 36 घंटे तक कठिन निर्जला उपवास करती हैं। हैदराबाद सहित देश के विभिन्न क्षेत्रों में पूर्वांचल के लोग बड़े उत्साह और श्रद्धा के साथ यह पर्व मनाते हैं।

छठ पूजा में पानी में खड़े होकर सूर्यदेव को अर्घ्य देना, उपवास रखना और विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान करना शामिल है। प्रकृति के छठे अंश के रूप में इस देवी का नाम षष्ठी देवी रखा गया। मान्यता है कि यह देवी बालकों की रक्षा करती हैं और उन्हें दीर्घायु प्रदान करती हैं। स्कंद पुराण में इन्हें देवी कात्यायनी भी कहा गया है। षष्ठी तिथि को शिशुओं के संरक्षण और संवर्धन की देवी के रूप में भी माना जाता है।

प्रत्येक वर्ष लोक आस्था का महापर्व छठ श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया जाता है। कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि को छठी मैया की पूजा की जाती है। मान्यता है कि छठ पूजा करने वाले भक्तों को सुख-समृद्धि, धन, वैभव, यश और मान-सम्मान की प्राप्ति होती है। कहा जाता है कि जो महिलाएं यह व्रत रखती हैं, उनकी संतानों को दीर्घायु और सुख-समृद्धि का आशीर्वाद मिलता है। इसके साथ ही इस व्रत को करने से निरोगी जीवन का आशीर्वाद भी प्राप्त होता है। छठ पर्व भारत के सबसे कठिन व्रतों में से एक माना जाता है, जो चार दिनों तक चलता है। इस पर्व में लगभग 36 घंटे तक निर्जला व्रत रखकर सूर्यदेव और छठी मैया की पूजा की जाती है तथा उन्हें अर्घ्य दिया जाता है। यह व्रत मनोकामना पूर्ति के लिए भी किया जाता है। महिलाओं के साथ पुरुष भी यह व्रत रखते हैं। कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि को नहाय-खाय होता है। इसके बाद दूसरे दिन खरना, तीसरे दिन डूबते सूर्य को अर्घ्य और चौथे दिन उगते सूर्य को अर्घ्य देने के बाद व्रत का पारण किया जाता है।

नहाय-खाय से होती है छठ पूजा की शुरुआत

कार्तिक शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि को छठ महापर्व की पहली परंपरा का निर्वाह किया जाता है। इसे नहाय-खाय के रूप में मनाया जाता है। इस परंपरा के अनुसार, सबसे पहले घर की सफाई कर उसे शुद्ध किया जाता है। इसके बाद छठव्रती स्नान करके शुद्ध शाकाहारी भोजन ग्रहण करते हुए व्रत की शुरुआत करते हैं। घर के अन्य सदस्य व्रती के भोजन ग्रहण करने के बाद ही भोजन करते हैं।

परंपरा के अनुसार, इस दिन चावल, लौकी की सब्जी और दाल बनाई जाती है। भोजन में केवल सेंधा नमक का इस्तेमाल किया जाता है। इस दिन व्रत करने वाली महिलाएं और पुरुष एक समय भोजन करके अपने मन



को शुद्ध करते हैं। इसी दिन से घर में साफ-सफाई और पवित्रता का विशेष ध्यान रखा जाता है तथा लहसुन-प्याज बनाने की मनाही होती है। कई परिवारों में सेंधा नमक का उपयोग करने या बिना नमक का भोजन बनाने की परंपरा भी है। सबसे पहले भगवान को भोग लगाया जाता है। इसके बाद व्रती प्रसाद के रूप में भोजन ग्रहण करते हैं। नहाय-खाय को शरीर और मन की शुद्धि तथा कठिन व्रत की शुरुआत का दिन माना जाता है।

खरना : दूसरे दिन रखते हैं पूरे दिन का उपवास

छठ पूजा के दूसरे दिन को खरना के नाम से जाना जाता है। इस दिन व्रती पूरे दिन उपवास रखते हैं। खरना का अर्थ शुद्धिकरण माना जाता है। परंपरा के अनुसार, मिट्टी के चूल्हे पर आम की लकड़ी से आग जलाकर गाय के दूध और गुड़ से खीर बनाई जाती है। खीर के साथ अन्य पारंपरिक पकवान भी तैयार किए जाते हैं।

पूजा के बाद छठी मैया को भोग लगाया जाता है और व्रती प्रसाद ग्रहण करते हैं। इसके बाद परिवार के सदस्यों और अन्य लोगों में प्रसाद वितरित किया जाता है। खरना का प्रसाद ग्रहण करने के बाद लगभग 36 घंटे का निर्जला व्रत शुरू होता है। इस दौरान व्रती न तो भोजन करते हैं और न ही पानी पीते हैं। यह व्रत 16 नवंबर की सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य देने के बाद पूरा होता है।

संध्या अर्घ्य में करते हैं सूर्य की उपासना

छठ पूजा के तीसरे दिन शाम के समय डूबते हुए सूर्यदेव को अर्घ्य दिया जाता है। इसी कारण इसे संध्या अर्घ्य कहा जाता है। इस दिन व्रती महिलाएं सुबह सूर्य निकलने से पहले रात में रखा गया मिश्री-पानी पीती हैं। इसके बाद अगले दिन अंतिम अर्घ्य देने के बाद ही पानी ग्रहण करती हैं।सुबह से ही घरों में पूजा की तैयारियां शुरू हो जाती हैं। बांस की टोकरी और सूप में पूजा सामग्री सजाई जाती है। इसमें ठेकुआ, फल, नारियल, गन्ना, मूली, अदरक और अन्य मौसमी सामग्री रखी जाती है। छठ पूजा का प्रमुख प्रसाद ठेकुआ होता है। इसे गेहूं के आटे, गुड़ और घी से तैयार किया जाता है। इसे पूरी शुद्धता और पवित्रता के साथ बनाया जाता है तथा भगवान सूर्य और छठी मैया को अर्पित किया जाता है।शाम को व्रती परिवार के सदस्यों के साथ नदी, तालाब या अन्य जलाशयों के किनारे पहुंचते हैं। पानी में खड़े होकर डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है। इस दौरान सूर्यदेव की पूजा करके परिवार की सुख-समृद्धि और संतान के कल्याण की प्रार्थना की जाती है। अर्घ्य देने के बाद भी व्रती पूरी रात निर्जल उपवास रखते हैं।

उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ संपन्न होती है छठ पूजा

छठ पूजा के चौथे और अंतिम दिन उगते हुए सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है। इसे उषा अर्घ्य कहा जाता है। इस दिन सुबह सूर्योदय से पहले ही व्रती पूजा सामग्री लेकर नदी और तालाबों के घाटों पर पहुंच जाते हैं। सूर्योदय होने पर जल में खड़े होकर उगते सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है।सूर्यदेव को जल और दूध अर्पित करके छठी मैया से परिवार की खुशहाली, संतान की दीर्घायु और अच्छे स्वास्थ्य की कामना की जाती है। उगते सूर्य को अर्घ्य देने के बाद व्रती छठी मैया की पूजा करते हैं और प्रसाद ग्रहण करके व्रत का पारण करते हैं। इसी के साथ लगभग 36 घंटे से चल रहा निर्जला उपवास पूरा हो जाता है। व्रत रखने वाली महिलाएं और पुरुष छठी मैया तथा सूर्यदेव से अपनी संतान और पूरे परिवार की सुख-शांति एवं समृद्धि बनाए रखने की प्रार्थना करते हैं।

पौराणिक कथा

छठ पर्व पर छठी मैया की पूजा की जाती है, जिसका उल्लेख ब्रह्मवैवर्त पुराण में भी मिलता है। एक कथा के अनुसार, प्रथम मनु स्वायंभुव के पुत्र राजा प्रियव्रत को कोई संतान नहीं थी। इस कारण वे हमेशा दुखी रहते थे। महर्षि कश्यप ने राजा को पुत्र प्राप्ति के लिए यज्ञ करने की सलाह दी। महर्षि की आज्ञा के अनुसार राजा ने यज्ञ कराया। इसके बाद महारानी मालिनी ने एक पुत्र को जन्म दिया, लेकिन दुर्भाग्यवश वह शिशु मृत पैदा हुआ। इस घटना से राजा और उनके सभी परिजन बेहद दुखी थे।तभी आकाश से एक विमान उतरा, जिसमें माता षष्ठी विराजमान थीं। राजा ने उनसे प्रार्थना की तो देवी ने अपना परिचय देते हुए कहा, मैं ब्रह्मा की मानस पुत्री षष्ठी देवी हूं। मैं विश्व के सभी बालकों की रक्षा करती हूं और निसंतानों को संतान प्राप्ति का वरदान देती हूं।इसके बाद देवी ने मृत शिशु को आशीर्वाद देते हुए स्पर्श किया, जिससे वह जीवित हो गया। देवी की इस कृपा से राजा बहुत प्रसन्न हुए और उन्होंने षष्ठी देवी की आराधना की। ऐसी मान्यता है कि इसके बाद धीरे-धीरे हर ओर इस पूजा का प्रसार हुआ।छठ पूजा धार्मिक और सांस्कृतिक आस्था का लोकपर्व है। यह एक ऐसा पर्व है, जिसमें सूर्यदेव की उपासना करके उन्हें अर्घ्य अर्पित किया जाता है। हिंदू धर्म में सूर्य की उपासना का विशेष महत्व है। सूर्यदेव एक ऐसे देवता हैं, जिन्हें प्रत्यक्ष रूप से देखा जा सकता है। वेदों में सूर्यदेव को जगत की आत्मा कहा गया है।

सूर्य का प्रकाश स्वास्थ्य और जीवन के लिए महत्वपूर्ण है। वैदिक ज्योतिष में सूर्य को आत्मा, पिता, पूर्वज, मान-सम्मान और उच्च सरकारी सेवा का कारक माना गया है। छठ पूजा पर सूर्यदेव और छठी मैया की आराधना से व्यक्ति को संतान सुख, समृद्धि और मनोवांछित फल प्राप्त होने की मान्यता है।सांस्कृतिक रूप से छठ पर्व की सबसे बड़ी विशेषता इसकी सादगी, पवित्रता और प्रकृति के प्रति प्रेम है।वैज्ञानिक और ज्योतिषीय दृष्टि से भी छठ पर्व का विशेष महत्व है। कार्तिक शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि एक विशेष खगोलीय अवसर मानी जाती है। इस दौरान सूर्य धरती के दक्षिणी गोलार्ध में स्थित रहता है। इस समय सूर्य की पराबैंगनी किरणों के प्रभाव को लेकर भी मान्यताएं प्रचलित हैं। छठ पर्व पर सूर्यदेव की उपासना और अर्घ्य देने की परंपरा का विशेष धार्मिक एवं ज्योतिषीय महत्व माना जाता है।छठी मैया को संतान की रक्षा करने वाली देवी माना जाता है। उन्हें षष्ठी देवी और प्रकृति की अधिष्ठात्री शक्ति से भी जोड़ा जाता है। मान्यता है कि छठी मैया की पूजा करने से संतान को सुख, स्वास्थ्य और दीर्घायु का आशीर्वाद मिलता है।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता एवं कुंडली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान
जयपुर-जोधपुर

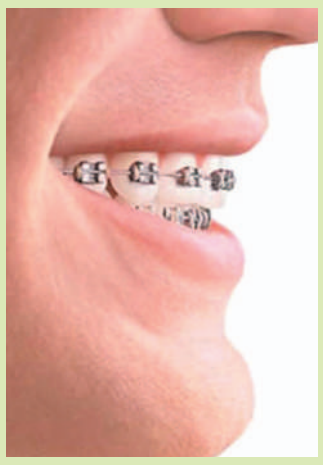
टेढ़े-मेढ़े दांतों से ऐसे पाएं छुटकारा...



खुश होने पर हंसी अपने आप ही हमारे चेहरे पर दस्तक देती है। कभी-कभी यह हंसी आउट ऑफ कंट्रोल हो जाती है और हंसते समय दांत बाहर आ जाते हैं लेकिन उस समय बहुत बुरा लगता है जब हमारे टेढ़े-मेढ़े दांतों पर सबकी नजर पड़ती है। टेढ़े-मेढ़े दांत पर्सनैलिटी पर काफी नेगटिव इम्पैक्ट डालती है। फीचर कितने भी शार्प क्यों न हो खराब और टेढ़े दांत सब पर पानी फेर देते हैं।

इसके अलावा टेढ़े दांतों की वजह से बोल-चाल के कुछ शब्दों, जिसका उच्चारण करते समय हमें दातों का सहारा लेना पड़ता है, में रूकावट आती है। वहीं ऐसे दांतों को साफ करने में भी परेशानी होती हैं क्योंकि ब्रश ठीक ढंग से एडजैस्ट नहीं हो पाता। जाहिर सी बात है कि अगर दांतों पर ढंग से ब्रश नहीं होगा तो गंदगी जमा होगी जो बाद में दांतों के खराब होने का कारण बनती है। इसलिए टेढ़े-मेढ़े दांतो से छुटकारा पाना बहुत जरूरी है।

तार लगाकर सीधा करना



दांतों में फिक्स्ड ब्रेसिज या तार लगाकर इन्हें सीधा किया जाता है। तार टेम्परारी या पर्मानेंट, दोनों तरह से ही लगाई जाती है। स्थाई तौर पर तार लगाने से दांतों पर दबाव डाला जाता है, जिससे दांत सही जगह पर सेट हो जाएं। इलाज के बाद मरीज को च्युइंगम, टॉफी और चॉकलेट जैसी चीजें नहीं खानी चाहिएं तथा मीठे और ज्यादा ठंडे खाद्य पदार्थों का प्रयोग भी नहीं करना चाहिए। वैसे तो किसी भी उम्र में आप टेढ़े दांतों का इलाज करवा सकते हैं लेकिन अगर इसका इलाज जल्दी हो तो बेस्ट है क्योंकि कम उम्र में जबड़े मुलायम रहते हैं। इलाज के परिणाम शीघ्र सामने आते हैं।

ट्रीटमेंट के बाद

टेढ़े-मेढ़े दांतों के ट्रीटमेंट के बाद उसे ऐसे ही न छोड़ दें क्योंकि इसके बाद उनके सरकने और टेढ़े होने की आशंका बनी रहती है इसलिए समय समय पर डाक्टर से सलाह लेते रहें। बच्चे को हर छःमहीने के बाद डैंटिस्ट के पास लेकर जाएं ताकि उनकी आदतों जैसे कि अंगूठा चूसना, जींभ से बार-बार अपने ऊपरी दांतों को धकेलना, दांतों से होंठ अथवा गाल काटते रहना आदि आदतें जो दांतों को टेढ़ा-मेढ़ा करती हैं,को हटाया जा सकें।

मुंह से सांस लेना

अगर किसी बच्चे में मुंह से सांस लेने की आदत है तो भी इस आदत को दूर किया जाना चाहिए क्योंकि इस आदत की वजह से ऊपर वाले आगे के दांत बाहर की तरफ आने लगते हैं। अगर बच्चे के दूध वाले दांत नहीं गिरे लेकिन पास की जगह पर पक्के दांत निकलने लगे हैं तो बच्चे को डैंटिस्ट के पास ले जाकर दूध के दांत निकलवाएं नहीं तो पक्के दांत वहीं फिक्स हो जाएंगे।

हर छह माह में चेक कराएं

अगर आप सोचते हैं कि डैंटिस्ट के पास जाकर टेढ़े-मेढ़े दांतों के बारे में बात करने का कोई फायदा नहीं है। यह बिल्कुल गलत हैं। आप नियमित रूप से हर छः महीने बाद बच्चों को डैंटिस्ट के पास जाकर दांत चैक करवाते रहें। अगर कुछ प्रॉबल्म होगी तो वह साथ-साथ ठीक होती रहेगी।

कड़वा करेले के कई फायदे



करेले के कड़वेपन की वजह से भले ही ज्यादा लोग इसे नापसंद करते हों लेकिन इसमें कई एंटीऑक्सीडेंट और विटामिन होते हैं जो हमें निरोगी बनाए रखने में खासे मददगार साबित हो सकते हैं। इसमें अधिक मात्रा में विटामिन-ए, बी और सी होते हैं। यह कैरोटीन, बीटाकैरोटीन, लूटीन, आयरन, जिंक और मैगनीशियम से भरपूर होता है। इससे चेहरे के दाग-धब्बे, मुंहासे व त्वचा रोगों में लाभ होता है।

एड़ियों के दर्द में दवाई के साथ परहेज जरूरी



दिनभर की भागदौड़ से लोगों में एड़ी का दर्द होना आजकल एक सामान्य समस्या बन गई है। यह किसी दवाई या किसी एक उपाए से ठीक नही हो सकता है। इसके लिए दवाओं के साथ परहेज करना बहुत जरूरी है। एड़ियों का दर्द पुरूष हो या महिला किसी को भी हो सकता है। एड़ी में दर्द की प्रमुख वजह हैं अधिक ऊंची हील के जूते और सैंडल है। हड्डी के बढ़ने से भी एड़ियों में दर्द हो सकता है।



ज्यादा संवेदनशील होने की बीमारी...

दुनिया में कई लोगों को छोटी छोटी बातों से बहुत फर्क पड़ता है। ऐसे लोग कुछ खास चीजों जैसे रोशनी या तेज आवाज को लेकर बहुत संवेदनशील होते हैं। पहले उन्हें सिर्फ संवेदनशील कहा जाता था मगर अब अमरीका समेत कई देशों में हुए रिसर्च के बाद ऐसे लोगों के ज्यादा संवेदनशील होने को एक बीमारी बताया जा रहा है। इस बीमारी का नाम सेंसरी प्रॉसेसिंग डिसॉर्डर या एसपीडी है। कुछ लोग किसी के कदमों की आहट या शोर-गुल से परेशान हो जाते हैं। वे चीखने लगते हैं। कुछ लोग तेज रोशनी को बर्दाश्त नहीं कर पाते। ऐसी परेशानी के शिकार लोगों में ज्यादातर बच्चे होते हैं। इस बीमारी का नाम पहले पहले अमरीका के डॉक्टर ज्यां आयर्स ने रखा था। उन्होंने 1960 में इसका नाम सेंसरी इंटीग्रेशन डिसॉर्डर रखा था। ज्यां आयर्स की छात्रा रही लूसी जेन मिलर ने ज्यां के इस बीमारी के बारे में रिसर्च को आगे बढ़ाया। उन्होंने इस बीमारी की तीव्रता नापने के लिए कुछ पैमाने भी ईजाद किए हैं।

अलग होता है दिमाग

रिसर्च में पता चला है कि एसपीडी की जड़ें दिमाग में होती हैं। इस बीमारी के शिकार लोगों का दिमाग आम लोगों के दिमाग से अलग होता है। दिमाग के इस हिस्से की मदद से हम आवाज, रोशनी और छुअन को महसूस करते हैं। एसपीडी से पीड़ित लोगों के दिमाग का यही हिस्सा कम विकसित होता है। एक और बात साफ हुई है कि एसपीडी का सीधा ताल्लुक ऑटिज्म नाम की बीमारी से होता है क्योंकि 90 फीसद मरीजों में ऑटिज्म के लक्षण पाए गए।

अहसास से बेहाल

वैसे किसी खास चीज से परेशानी नई बात नहीं। बहुत से बच्चे रोशनी या आग या शोर-गुल से घबराकर चीखने लगते हैं। एक सर्वे के मुताबिक सोलह फीसद बच्चे ऐसी परेशानी की शिकायत अपने माता-पिता से करते हैं। हालांकि उम्र बढ़ने के साथ उनकी यह दिक्तत दूर हो जाती है। लेकिन कुछ लोग अपने अहसास से बेहाल रहते हैं। असल में हमारे एहसास, हमें बाकी दुनिया से रूबरू कराते हैं। वो हमें दुनिया दिखाते हैं। आवाजें सुनाते हैं।

छुअन को महसूस कराते हैं। होता यह है कि हमारा दिमाग इन संकेतों को पकड़कर इसे हमें महसूस कराता है। कुछ लोगों को दूसरों को खुश या परेशान देखकर उनके सुख-दुख का एहसास हो जाता है। ऐसे लोगों को ऑर्किड कहा जा रहा है। उनको जरा सी बात चुभ जाती है। वे दुःख भरी खबर सुनकर रोने लगते हैं। कोई मजेदार सीरियल देखते वक्त उनकी हंसी है कि रुकती ही नहीं। उन्हें पार्टियों से ज्यादा किताबों का शौक होता है।

भावों को गहराई से नापना

संवेदनशील लोग, भावों को ज्यादा गहराई से नापते हैं। बातों या चीजों को लेकर वे बहुत संवेदनशील होते हैं। दूसरों से उन्हें तुरंत हमदर्दी हो जाती है। ऐसे बेहद संवेदनशील लोग किसी भी हालात को आराम से समझते हैं। तब उस पर कोई प्रतिक्रिया देते हैं। वे आस-पास के माहौल को लेकर भी काफी चौकन्ने रहते हैं। उनके ऊपर दूसरों के मूड तक का असर पड़ता है। पता चला है कि दुनिया के बीस फीसद लोग ज्यादा संवेदनशील होते हैं। बच्चे दो तरह के होते हैं। एक तो वे जो हर माहौल में ढल जाते हैं। मजे करते हैं। दूसरे वो बच्चे, जिन्हें आगे बढ़ने के लिए एक खास माहौल चाहिए।

क्या है इलाज

एक सवाल वहीं का वहीं है, कि आखिर एसपीडी के शिकार लोग कहां फिट बैठते हैं? लोगों में सेंसिटिव प्रॉसेसिंग डिसऑर्डर का पता लगने के बाद अगला कदम उनके इलाज का होता है। इसका मकसद उनके अहसास कम करना नहीं होता बल्कि कोशिश यह होती है कि आम माहौल में वो कम तकलीफ के साथ रह सकें। जिंदगी में आगे बढ़ सकें। एसपीडी पीड़ितों का इलाज दवाओं के साथ ही साथ कंप्यूटर गेम वगैरह से भी किया जा रहा है। फिलहाल तो एसपीडी पर काम कर रहे रिसर्चर और इसके शिकार लोग, इसे एक बीमारी का दर्जा दिलाने, इसके बारे में लोगों को जागरूक करने में जुटे हैं।



पीला, नीला, नारंगी और काले रंग का पसीना...



कई बार आपने अपने सफेद रंग की शर्ट में अंडरआर्म्स की तरफ पीले रंग के दाग देखे होंगे। ऐसा कलर्ड स्वेट के कारण होता है। कलर्ड स्वेट मतलब रंग वाला पसीना। सामान्य तौर पर इंसान को पारदर्शी-रंगहीन पसीना निकलता है लेकिन कई लोगों को पीला या ऑरेंज रंग का पसीना निकलता है जिससे कपड़े में पसीने के दाग पड़ जाते हैं। रंग वाले पसीने के निकलने को विज्ञान में क्रोमहिड्रोसिस कहते हैं। इसमें पीला, नीला, नारंगी और काले रंग का पसीना भी निकल सकता है।

अनूठी बीमारी

क्रोमहिड्रोसिस एक अनूठी बीमारी है जिसमें कलर्ड स्वेट निकलता है। दो ग्लैंड, एक्रीन और एपोक्रीन, की वजह से पसीना निकलता है। एक्रीन ग्लैंड से रंगहीन और गंधहीन पसीना निकलता है जो शरीर का तापमान रेग्युलेट करता है। एपोक्रीन ग्लैंड से मोटा और दुधिया रंग का पसीना निकलता है। ऐसा बैक्टीरिया को शरीर से निकालने के कारण होता है। इस कारण ही पसीने से बदबू आती है।

लिपोफस्कीन पिगमेंट

क्रोमहिड्रोसिस, एपोकरीन ग्लैंड से निकलने वाले पसीने के कारण होता है। एपोक्रीन ग्लैंड योनि, कांख, स्तनों और चेहरे के स्कीन के तरफ होती हैं। क्रोमहिड्रोसिस चेहरे, कांख और स्तनों के तरफ निकलने वाले पसीने में होता है। लिपोफस्कीन पिगमेंट कलर्ड स्वेट के लिए जिम्मेदार होता है। यह पंगमेंट एपोक्रीन ग्लैंड में होता है जिसके कारण पीला, नीला, नारंगी और काले रंग का पसीना निकलता है।

कितने सुरक्षित हैं कांटेक्ट लेंस ?

आज के दौर में एक बड़े पैमाने पर लोग कांटेक्ट लेंस का उपयोग करते हैं लेकिन इसी के साथ इनका रख रखाव करना भी एक अहम काम है जिसे न करने पर ये हमारी आंखों को भी हानि पहुंचा सकते हैं इसीलिए हर बार इस्तेमाल करने के बाद कांटेक्ट लैंस के केस को भी सफाई करना जरूरी होता है। अगर आप भी कांटेक्ट लेंस का प्रयोग करना चाहते हैं तो आपके लिए बेहद जरूरी है ये टिप्स

- कांटेक्ट लेंस का प्रिस्क्रिप्शन किसी अच्छे नेत्र विशेषज्ञ से ही लें। अच्छे परिणाम के लिए कांटेक्ट लेंस का आपकी आंखों पर फिट बैठना जरूरी है।
- रात में सोते समय, नहाते समय या स्विमिंग के दौरान कांटेक्ट लेंस पहनने से बचना चाहिए। डॉक्टर ने प्रिस्क्राइब किया है तो अलग बात है अन्यथा रात को कांटेक्ट लेंस पहनकर सोने से बचना चाहिए, क्योंकि इससे आपके कॉर्निया को आवश्यक ऑक्सीजन प्राप्त नहीं हो पाती। फलस्वरूप संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है, जिससे आंखों की रोशनी तक जा सकती है।
- कांटेक्ट लेंस इस्तेमाल करने से पहले सुगंध रहित साबुन से हाथ साफ करें। कांटेक्ट लेंस को रातभर मल्टीपरपज सॉल्यूशन में डालने से पहले लेंस की सतह को अंगुली से रगड़कर अच्छी तरह साफ करें।
- लेंस को केस में रखने के लिए हर बार फ्रेश सॉल्यूशन का इस्तेमाल करें। इस्तेमाल किए हुए सॉल्यूशन को पुनः प्रयोग करने से उसमें बैक्टीरिया पनपने की आशंका पैदा हो जाती है।

बीमारियों में महंगी दवाइयों के स्थान पर आजमाएं चिरायता

जुलाई से लेकर सितंबर-अक्टूबर तक का समय बीमारियों के लिहाज से नाजुक होता है, इन दिनों बीमारियों से बचने के लिए महंगी दवाओं के स्थान पर घरेलू नुस्खे आजमाएं।

इन्हीं घरेलू नुस्खों में एक है अनमोल चिरायता। बरसों से हमारी दादी-नानी कड़वे चिरायते से बीमारियों को दूर भगाती रही हैं, आप भी जानें इसके बारे में...

दरअसल यह कड़वा चिरायता एक प्रकार की जड़ी बूटी है जो कुनैन की गोली से अधिक प्रभावी होती है। पहले इस चिरायते को घर में सूखा कर बनाया जाता था लेकिन आजकल यह बाजार में कुटकी चिरायते के रूप में उपलब्ध है।

घर में चिरायता बनाने की विधि

100 ग्राम सूखी तुलसी के पत्ते का चूर्ण, 100 ग्राम नीम की सूखी पत्तियों का चूर्ण, 100 ग्राम चिरायते की सूखी टहनी का चूर्ण लीजिए। इन तीनों को समान मात्रा में मिलाकर एक बड़े डिब्बे में भर कर रख लीजिए।

यह तैयार चूर्ण मलेरिया या अन्य बुखार होने की स्थिति में दिन में तीन बार दूध से सेवन करें। मात्र दो दिन में आश्र्यजनक लाभ होगा।

बुखार न होने की स्थिति में इसका एक चम्मच सेवन प्रतिदिन करें। यह चूर्ण किसी भी प्रकार की बीमारी चाहे वह स्वाइन फ्लू ही क्यों ना हो, उसे शरीर से दूर रखता है। इसके सेवन से शरीर से सारे रोगाणु-कीटाणु झर जाते हैं। रक्त एवं त्वचा संबंधी समस्त विकार दूर होते हैं।

गर्भवती महिला और कमजोर पाचन शक्ति के लोग विशेषज्ञ से पूछ कर ही इसका सेवन करें। शरीर से हर तरह का विकार निकालता है।



बेहद खतरनाक है फोबिया

यदि आपका डर आपके लिए सजा बन जाए तो यह आपके लिए खतरे की बात है, क्योंकि आपको मात्र डर नहीं है बल्कि आप फोबिया से ग्रस्त हैं। फोबिया केवल डर ही नहीं, एक गंभीर बीमारी है, जो आपके पूरे जीवन को प्रभावित कर सकती है।

क्या है फोबिया?

फोबिया एक प्रकार का रोग है, जिसमें इंसान को किसी खास वस्तु, कार्य एवं परिस्थिति के प्रति भय उत्पन्न हो जाता है। इसमें व्यक्ति उन चीजों से बचने की कोशिश करता है। फोबिया में अपने डर की सोच भी व्यक्ति को इतना डरा देती है कि उसकी मानसिक व शारीरिक क्षमताओं पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। इसमें इंसान का डर वास्तविक या काल्पनिक दोनों हो सकते हैं। आमतौर पर किसी भी तरह के फोबिया से ग्रस्त रोगी अपने डर पर पर्दा डाले रहते हैं। उन्हें लगता है कि अपना डर दूसरों को बताने से लोग उन पर हंसेंगे। इसलिए वे अपने डर व उस परिस्थिति से सामना करने की बजाय बचने की हर संभव कोशिश करते हैं।

कैसे-कैसे फोबिया

चाइल्डहुड फोबिया

यह फोबिया बचपन से होने वाला फोबिया है। इसमें बचपन में ही किसी चीज, व्यक्ति, जानवर या परिस्थिति के प्रति डर बैठ जाता है, जो वक्त के साथ खत्म न होने पर फोबिया बन जाता है। यह डर या तो बच्चों में खुद होता है या कई बार अभिभावक ही बच्चों को अनुशासन में रखने के लिए किसी चीज से डरा देते हैं। वैसे तो यह डर उम्र के साथ खत्म हो जाता है, लेकिन कई बार जब यह डर बड़े होने पर भी नहीं जाता तो फोबिया का रूप धारण कर लेता है। इसलिए बच्चों को डराने की बजाय प्यार से समझाने की कोशिश करें।

एडल्टहुड फोबिया

कुछ डर वयस्क होने के बाद पैदा होते हैं। इनका प्रभाव सबसे ज्यादा यंग जनरेशन पर पड़ता है। एडल्टहुड फोबिया में कई तरह के फोबिया शामिल होते हैं।

एग्रोफोबिया

एग्रोफोबिया एक तरह का फोबिक डिसऑर्डर है, जो यह अपने साथ कई अन्य परेशानियां भी लाता है। इनमें डिप्रेशन, हर तरह की बेचैनी आदि प्रमुख हैं। एग्रोफोबिया में व्यक्ति को बिना किसी कारण के ही डर लगता है। यह डर किसी चीज, व्यक्ति, जानवर या परिस्थिति से जुड़ा हुआ न होकर खुद के प्रति ही होता है। एग्रोफोबिया का मरीज अकेलेपन से डरता है। वह भीड़ में खड़ा होकर भी खुद को अकेला ही महसूस करता है। वह कहीं अकेले जा नहीं सकता, अकेले रह नहीं सकता। उसे लगता है कि वह किसी भी परिस्थिति का सामना नहीं कर सकता। ऐसे लोगों का आत्मविश्वास न के बराबर होता है।

ऐसे लोग अकेले बाहर न जा सकने के कारण खुद को घर में ही कैद कर लेते हैं।

फोबिया के लक्षण

फोबिया के रोगी आम लोगों की तरह ही दिखाई देते हैं। वैसे तो इस रोग का पता नहीं चल पाता है, लेकिन फोबिया के रोगियों का अपने डर से सामना होने और अपने डर के बारे में बात करने पर इसके लक्षण सामने आते हैं। आमतौर पर फोबिया के रोगी अपने डर से दूर ही रहते हैं, लेकिन अनजाने में अपने डर को अपने सामने देखकर उन्हें फोबिया का दौरा पड़ता है। ऐसे में उनमें तनाव, बेचैनी, पसीने आना, परिस्थिति या लोगों से दूर भागना, सिर में भारीपन, कानों में अलग-अलग आवाजें सुनाई देना, दिल की धड़कन बढ़ जाना, सांस तेज होना, डायरिया, चक्कर आना, शरीर में कहीं भी दर्द को महसूस करना, पेट खराब हो जाना, ब्लड प्रेशर बढ़ना या कम हो जाना जैसी दिक्कतें दिखाई देती हैं। फोबिया का दौरा पड़ने पर रोगी में इस तरह के लक्षण दिखाई देने लगते हैं। ऐसे में रोगी बहुत ज्यादा पेनिक हो जाता है। ऐसी स्थिति में रोगी के साथ किसी भी तरह की जबरदस्ती उसके लिए खतरनाक हो सकती है। जबरदस्ती करने से रोगी और भी ज्यादा पेनिक हो जाता है और उसका डर कोई भी भयंकर रूप ले सकता है।

उपचार

फोबिया के इलाज के लिए कोई एक खास ट्रीटमेंट नहीं होता है। हर मरीज का फोबिया और उसकी परिस्थिति अलग-अलग होती है, इसलिए फोबिया का इलाज भी मरीज और उसके डर के अनुरूप ही किया जाता है। डॉक्टर बताते हैं कि फोबिया के इलाज के लिए दवाएं, काउंसिलिंग, मनोवैज्ञानिक थेरेपी का इस्तेमाल किया जाता है। फोबिया के ट्रीटमेंट के लिए रोगी के थायरॉयड, ब्लड शुगर, डायबिटीज आदि की जांच करना भी जरूरी होता है।

कुछ आम फोबिक डर

- बंद जगह में डर लगना
- अंधेरे में डर लगना
- ज्यादा ऊंचाई वाली जगह में डर लगना
- भीड़भाड़ वाली जगह में डर लगना
- कहीं बाहर जाने का डर
- चूहा, छिपकली, मकड़ी जैसे छोटे-छोटे जीवों का डर
- मरने का डर
- बिजली की चमक, गड़गड़ाहट और तेज बारिश से डर
- पानी से डर

बड़े डर की आशंका खतरे को बढ़ा देती है

ब्रिटिश वैज्ञानिकों ने चिंता और डर के रहस्य को खोलने की कोशिश में कई महत्वपूर्ण बातों का पता लगाया है। वैज्ञानिकों के मुताबिक, किसी भी तरह के खतरे पर दिमाग की प्रतिक्रिया खतरे की दूरी, दिशा और खतरे के अनुमान पर निर्भर होती है। रिसर्च में पता चला है कि दिमाग के भय नेटवर्क के विभिन्न हिस्से अलग-अलग खतरे पर अलग-अलग प्रतिक्रिया के लिए जिम्मेदार होते हैं। शोध टीम का नेतृत्व करने वाले डीन मोब्स का कहना है कि दिमाग में सिर्फ एक ढ़ांचा नहीं होता, बल्कि भय नेटवर्क के अलग-अलग अंग होते हैं और वे डर पर होने वाली प्रतिक्रिया को दिखाने के लिए मिलकर काम करते हैं। खतरे का गलत अंदाजा लगाने की भूल ही लोगों में फोबिया के बढ़ने का कारण होती है। किसी चीज, लोग, जानवर और परिस्थितियों से बेतुका, गहन और लगातार भय ही फोबिया कहलाता है। मोब्स का कहना है कि बड़े डर की आशंका ही दिमाग में खतरे के आकार को बढ़ा देती है।

सोशलफोबिया

युवाओं में पाया जाने वाला सबसे आम फोबिया है। इस फोबिया के शिकार आमतौर पर स्कूल और कॉलेज जाने वाले युवा होते हैं। सोशल फोबिया के शिकार लोग किसी भी सार्वजनिक स्थान पर जाने से, वहां बोलने से, वहां खाने से भी डरते हैं। इस फोबिया में सबसे ज्यादा स्पीचिंग कम्यूनिकेशन की समस्या होती है।

मोनो जाइगोटिक ट्वीन्स फोबिया

यह एक तरह का जेनेटिक फोबिया होता है, जो जुड़वा बच्चों को ही होता है। इसमें अगर एक बच्चा किसी फोबिया का शिकार है तो दूसरा बच्चा भी उसी फोबिया से ग्रस्त होगा। सभी ट्वीन्स के साथ ये समस्या नहीं होती है, लेकिन फिर भी आमतौर पर ट्वीन्स के साथ इस तरह की शिकायत देखी गई है।

रेसिपी



ग्रिल्ड आलू सैंडविच

सामग्री

10-12 ब्रेड स्लाइस, 1 बड़ा आलू (उबला हुआ), 1 बड़ी हरी मिर्च (बारिक कटी हुई),1 छोटा प्याज (बारीक कटा हुआ), आधा कप पनीर (कद्दुकस किया), आधा चम्मच चाट मसाला,1/4 छोटा चम्मच लाल मिर्च पाऊडर, नमक स्वादानुसार, बटर

विधि

सबसे पहले एक कटोरी में उबले आलू को छीलकर मैश कर लें। अब इसमें कटी हुई मिर्च,प्याज, पनीर, चाट मसाला, नमक, लाल मिर्च डालकर अच्छी तरह मिक्स करें। अब सभी ब्रेड स्लाइस में मक्खन को एक तरफ लगाते हुए, उसमें दूसरी तरफ आलू का तैयार मसाला बराबर मात्रा में रखते जाएं और उसके ऊपर से अन्य ब्रेड की स्लाइस से कवर कर दें। अब एक पैन में थोड़ा मक्खन डालें और सैंडविच को धीमी आंच पर सेकें। ऐसे ही दोनों साइड से सैंडविच को सेंकें। ऐसे ही सभी सैंडविच स्लाइस को मक्खन के साथ सेंकें। सैंडविच तैयार है। इसे अपनी पंसद चटनी के साथ सर्व करें।



नारियल के लड्डू

सामग्री

20 ग्राम बादाम (बारिक कटे हुए)
20 ग्राम काजू (बारिक कटे हुए)
500 ग्राम खोया
250 ग्राम नारियल(कद्दुकस किया हुआ)
150 ग्राम चीनी

विधि

सबसे पहले कड़ाही में बादाम और काजू डालकर 2-3 मिनट तक भून लें। अब एक और कड़ाही में खोया डालकर 5 मिनट तक पकाएं। पकाने के बाद इसमें कद्दुकस किया हुआ नारियल, चीनी, काजू, बादाम(भुने हुए) डालकर पकाएं। अब इस मिश्रण को थोड़ा ठंडा करके अपने हाथों से गोल-गोल लड्डू तैयार कर लें। लड्डू को कद्दुकस किए हुए नारियल के साथ रोल करें। नारियल के लड्डू तैयार हैं। आप चाहें तो इन्हें फ्रिज में रखकर बाद में भी खा सकते है।

संपादकीय

सोनिया की 'राजनीतिक पटकथा'

राजनीतिक आत्मकथा कभी भी निजी संस्मरणों, घटनाओं, रिश्तों की कहानी नहीं हो सकती। उसमें राजनीतिक परिवेश के खुलासे भी होंगे। राजनीतिक समीकरणों के ब्यौरे भी होंगे। कई स्पष्टीकरण होंगे, तो कुछ राजनीतिक खंडन भी होंगे। सोनिया गांधी की आत्मकथा 'बिलॉन्गिंगः ए जर्नी ऑफ लव' भी इसी श्रेणी में आती है। वह सबसे लंबे वक्त तक कांग्रेस अध्यक्ष रहीं। उन्होंने उस दौर का भी शीर्ष नेतृत्व किया, जब प्रधानमंत्री अटलबिहारी वाजपेयी और उपप्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी की पार्टी भाजपा को देश ने जनादेश नहीं दिया। कांग्रेस 145 सीट के साथ सबसे बड़ी पार्टी के तौर पर उभरी। सोनिया गांधी और प्रधानमंत्री पद उस दौर की सबसे महत्वपूर्ण 'राजनीतिक घटना' थी। भारत में सोनिया 21 साल की नवयुवा उम्र में आईं, राजीव गांधी से शादी की और तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के घर की बहू बनी। यकीनन एक विदेशी लडक़ी के लिए वह समय कई तनावों, दबावों, प्रभावों और बंदिशों का होगा! सोनिया गांधी की उस निजता से देश का कोई सरोकार नहीं, लेकिन जब प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की उन्हीं के सुरक्षाकर्मियों ने, घर में ही, हत्या कर दी और बाद में मई, 1991 में सोनिया के पति एवं पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी का तमिलनाडु की एक जनसभा में कत्ल किया गया, तो ऐसी त्रासदियों के बाद एक बहू की मनःस्थिति क्या रही होगी? उस परिवार के भीतर एक अनदेखा-अघोषित खौफ बैठ गया होगा! सोनिया गांधी ने उस दौर और दिनों के बारे में मार्मिक लेखन किया है। हम 1975 के आपातकाल और 1984 के सिख-विरोधी दंगों जैसी घटनाओं को हाशिए पर रख सकते हैं, क्योंकि उस दौर में कई गुप्त बैठकें, संवेदनशील विचार-विमर्श और निर्णयों के समय के बारे में सोनिया गांधी नहीं जान सकती थीं। उन्होंने अपनी सास एवं तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के हाव-भाव, मनःस्थिति और प्रतिक्रियाओं को ही देखा होगा, लिहाजा उन्हीं के मद्देनजर उन्होंने टिप्पणी की है। दरअसल सोनिया गांधी 2004-मई, 2014 के दौरान देश की सत्ता और सियासत के सातवें आसमान पर थीं, लिहाजा उनकी किताब और सियासी पटकथा का वह 'चरम-काल' था। कांग्रेस को 145 और भाजपा को 138 सीट मिली थीं। बहुमत से दोनों ही बहुत दूर थीं। तब सोनिया गांधी ने वामदलों, सपा, राजद, द्रमुक आदि दलों के साथ यूपीए गठबंधन बनाया और 10 साल तक देश के शासन पर वह काबिज रहा। सोनिया गांधी कभी प्रधानमंत्री बन ही नहीं सकती थीं, क्योंकि राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम ने स्पष्ट कर दिया था कि वह 'विदेशी' होने के कारण उन्हें प्रधानमंत्री पद की शपथ नहीं दिलाएंगे। राष्ट्रपति ने संविधान के कुछ प्रावधानों का भी उल्लेख किया था। एपीजे अब्दुल कलाम ने इस घटनाक्रम का जिक्र अपनी एक किताब में भी किया है। यही नहीं, सपा अध्यक्ष मुलायम सिंह यादव, एनसीपी अध्यक्ष शरद पवार आदि ने भी राष्ट्रपति से मिल कर सोनिया के 'संभावित प्रधानमंत्रित्व' का जोरदार विरोध किया था। हमने उस दौर के हरेक घटनाक्रम को कवर किया था और खबरें लिखी थीं। डॉ. मनमोहन सिंह को प्रधानमंत्री के तौर पर चुनना सोनिया गांधी की राजनीतिक मजबूरी थी, क्योंकि वह ही 'सबसे वफादार' चेहरा लगे थे। उन्होंने देश में जो आर्थिक सुधार लागू किए थे, उनसे अर्थव्यवस्था में 'जादुई बदलाव' दिखने लगे थे। बेशक राहुल और प्रियंका गांधी नाराज हुए होंगे कि सोनिया गांधी ने एक बैठक में 'ठीक है, सोचूंगी' क्यों बोल दिया था? परिवार की कहानी निजता वाली हो सकती है, लेकिन बुनियादी कारण हम बता चुके हैं। दरअसल प्रधानमंत्री पद पर कुछ खुलासे सोनिया गांधी के 'अद्वैधसत्य' हैं। किताब में तथ्यात्मक गलतियां भी हैं। उन्होंने 26/11 मुंबई आतंकी हमले, कश्मीर घाटी से पंडितों के निष्कासन और पलायन, राजीव गांधी के प्रधानमंत्री काल के दौरान ही भोपाल गैस त्रासदी से लेकर पुलवामा-पहलगाम आतंकी हमलों तक, न तो कुछ लिखा है और न ही आंसू बहाए हैं। यह किताब आत्मकथा से अधिक 'राजनीतिक इतिहास' की पटकथा है।

कांग्रेस 145 सीट के साथ सबसे बड़ी पार्टी के तौर पर उभरी। सोनिया गांधी और प्रधानमंत्री पद उस दौर की सबसे महत्वपूर्ण 'राजनीतिक घटना' थी। भारत में सोनिया 21 साल की नवयुवा उम्र में आईं, राजीव गांधी से शादी की और तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के घर की बहू बनी। यकीनन एक विदेशी लडक़ी के लिए वह समय कई तनावों, दबावों, प्रभावों और बंदिशों का होगा! सोनिया गांधी की उस निजता से देश का कोई सरोकार नहीं, लेकिन जब प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की उन्हीं के सुरक्षाकर्मियों ने, घर में ही, हत्या कर दी और बाद में मई, 1991 में सोनिया के पति एवं पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी का तमिलनाडु की एक जनसभा में कत्ल किया गया, तो ऐसी त्रासदियों के बाद एक बहू की मन :स्थिति क्या रही होगी? उस परिवार के भीतर एक अनदेखा-अघोषित खौफ बैठ गया होगा! सोनिया गांधी ने उस दौर और दिनों के बारे में मार्मिक लेखन किया है। हम 1975 के आपातकाल और 1984 के सिख-विरोधी दंगों जैसी घटनाओं को हाशिए पर रख सकते हैं, क्योंकि उस दौर में कई गुप्त बैठकें, संवेदनशील विचार-विमर्श और निर्णयों के समय के बारे में सोनिया गांधी नहीं जान सकती थीं। उन्होंने अपनी सास एवं तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के हाव-भाव, मन :स्थिति और प्रतिक्रियाओं को ही देखा होगा, लिहाजा उन्हीं के मद्देनजर उन्होंने टिप्पणी की है। दरअसल सोनिया गांधी 2004-मई, 2014 के दौरान देश की सत्ता और सियासत के सातवें आसमान पर थीं, लिहाजा उनकी किताब और सियासी पटकथा का वह 'चरम-काल' था। कांग्रेस को 145 और भाजपा को 138 सीट मिली थीं। बहुमत से दोनों ही बहुत दूर थीं। तब सोनिया गांधी ने वामदलों, सपा, राजद, द्रमुक आदि दलों के साथ यूपीए गठबंधन बनाया और 10 साल तक देश के शासन पर वह काबिज रहा। सोनिया गांधी कभी प्रधानमंत्री बन ही नहीं सकती थीं, क्योंकि राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम ने स्पष्ट कर दिया था कि वह 'विदेशी' होने के कारण उन्हें प्रधानमंत्री पद की शपथ नहीं दिलाएंगे।

विपक्ष यही आरोप संसद सत्र के दौरान लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा के सभापति पर लगाता रहा

राहुल की चुनौती क्यों स्वीकार नहीं करते मोदी

देश में सत्तापक्ष का मुखिया प्रधानमंत्री होता है, इसलिए सवालों का अंतिम पड़ाव भी प्रधानमंत्री होता हैं। इस दृष्टि से भारतीय लोकतंत्र का यह पक्ष कमजोर माना जाता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर सत्ता में आने के बाद से लगातार विपक्ष और पत्रकारों के सवालों की उपेक्षा के आरोप लगते रहे हैं। यह आरोप सिर्फ भारत में ही नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी लगे हैं। इतना ही नहीं विपक्ष की आवाज दबाने के आरोपों का सामना लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा के सभापति को करना पड़ा है। सर्वाधिक आश्चर्य की बात यह है कि पीएम मोदी ने कभी भी विपक्ष के आरोपों का सीधा जवाब नहीं दिया। ऐसे मौकों पर पीएम मोदी के बजाए भाजपा के नेता और मंत्री ही सवालों के जवाब आरोपों के अंदाज में देते रहे हैं। संसद और बाहर उठाए गए सवालों के जवाब में सत्तारुढ़ भाजपा ने उल्टे सवाल पूछ कर मुद्दों को गोलमोल करने का प्रयास किया हैं।

वास्तविक लोकतंत्र वहीं होता है, जहां सत्तापक्ष विपक्ष और पत्रकारों के सवालों के जवाब दे। देश में सत्तापक्ष का मुखिया प्रधानमंत्री होता है, इसलिए सवालों का अंतिम पड़ाव भी प्रधानमंत्री होता हैं। इस दृष्टि से भारतीय लोकतंत्र का यह पक्ष कमजोर माना जाता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर सत्ता में आने के बाद से लगातार विपक्ष और पत्रकारों के सवालों की उपेक्षा के आरोप लगते रहे हैं। यह आरोप सिर्फ भारत में ही नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी लगे हैं। इतना ही नहीं विपक्ष की आवाज दबाने के आरोपों का सामना लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा के सभापति को करना पड़ा है। सर्वाधिक आश्चर्य की बात यह है कि पीएम मोदी ने कभी भी विपक्ष के आरोपों का सीधा जवाब नहीं दिया। ऐसे मौकों पर पीएम मोदी के बजाए भाजपा के नेता और मंत्री ही सवालों के जवाब आरोपों के अंदाज में देते रहे हैं। पीएम मोदी मन की बात या दूसरे मुद्दों पर सोशल मीडिया का ही उपयोग करते रहें हैं। संसद और बाहर उठाए गए सवालों के जवाब में सत्तारुढ़ भाजपा ने उल्टे सवाल पूछ कर मुद्दों को गोलमोल करने का प्रयास किया हैं। यह आरोप संसद सत्र के दौरान लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा के सभापति पर लगाता रहा है। राहुल गांधी ने 3 दिन में 4 बार पीएम को मुद्दों पर बहस करने की चुनौती दी। राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री मोदी पर विदेशी ताकतों के दबाव में काम करने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि मोदी विपक्ष पर देश विरोधी होने और विदेशी ताकतों से संबंध रखने के आरोप लगाते हैं, इसलिए उन्हें इन मुद्दों पर खुली बहस करनी चाहिए। राहुल ने बहस के लिए भारत-अमेरिका ट्रेड डील, देश की आर्थिक व्यवस्था, उद्योगपति गौतम अडाणी और जेफ्री एपस्टीन से जुड़े मुद्दे उठाए। उन्होंने कहा कि बहस में देश के युवा और मीडिया भी मौजूद रहें। प्रधानमंत्री अपनी पसंद की जगह और जज चुन सकते हैं। राहुल गांधी ने संसद की कार्यवाही को लेकर भी सरकार पर सवाल उठाए। उनका आरोप है कि सरकार चर्चा की बात करती है, लेकिन विपक्ष को अपनी





बात रखने का मौका नहीं देती। उन्होंने कहा कि जब वे बोलने की कोशिश करते हैं तो उनका माइक बंद कर दिया जाता है। 2 नवंबर को राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट कर प्रधानमंत्री मोदी को खुली बहस की चुनौती दी। इसी तरह 3 नवंबर को राहुल ने वीडियो जारी कर कहा कि मोदी को बहस की चुनौती दिए 24 घंटे हो चुके हैं, लेकिन उनकी तरफ से जवाब नहीं आया। पंजाब के संगरूर में 4 नवंबर को कांग्रेस की इंसाफ रैली में राहुल ने फिर मोदी को चुनौती दी। राहुल ने दावा किया कि पांच मिनट की बहस में वे साबित कर देंगे कि मोदी 'देशद्रोही' हैं और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के नियंत्रण में हैं। राहुल के सवालों पर केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने जवाब देने के बजाए उल्टे सात सुझाव दिए। उन्होंने कहा कि अगर राहुल इन बातों पर अमल करें तो कांग्रेस संसद में ज्यादा सीटें जीत सकती है। रिजिजू ने कहा- राहुल को भाजपा को दुश्मन नहीं, राजनीतिक विरोधी समझना चाहिए। उन्हें भाजपा, आरएसएस और प्रधानमंत्री मोदी के प्रति नफरत छोड़कर संसद की कार्यवाही में हिस्सा लेना चाहिए। केंद्रीय मंत्री ने संसद का एक पुराना वीडियो भी शेयर किया। इसमें वे भाषण दे रहे हैं और विपक्षी सांसद सदन से उठकर जाते दिख रहे हैं। राहुल पहले भी बहस की चुनौती दे चुके हैं। राहुल ने अगस्त 2018 में कर्नाटक के बेलगाम में जनध्वनि रैली में राफेल मुद्दे पर कहा था कि मोदी जी और मेरे बीच राफेल पर बहस करा दो, मैं घंटों बोलूंगा। जनवरी 2019 में राहुल गांधी ने कहा कि राफेल पर लोकसभा में मुझे पीएम के साथ 20 मिनट वन टु वन बहस करने दो, अमरीका के प्रेसिडेंशियल डिबेट की तरह। साथ ही कहा था कि पीएम में हिम्मत नहीं है। 7 अप्रैल 2019 को भ्रष्टाचार पर मेनिफेस्टो लॉन्च पर मोदी के एक इंटरव्यू के बाद राहुल ने ट्वीट किया था कि आप भाग सकते हैं, लेकिन छिप नहीं सकते, मैं आपको भ्रष्टाचार पर बहस की चुनौती देता हूं। गौरतलब है कि 2024 चुनाव से पहले भी राहुल समेत विपक्ष ने पूर्व जजों (मदन लोकुर, एपी शाह) के जरिए पीएम को लेटर लिखकर नेशनल सिक्योरिटी, अडानी, इलेक्टोरल बॉन्ड पर डिबेट को कहा था, जिस पर पीएमओ की ओर से कोई जवाब नहीं दिया गया। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने अपने दस साल के कार्यकाल के दौरान संसद को 48 बार संबोधित किया था। तब गुजरात के सीएम रहे नरेंद्र मोदी ने उन्हें 'मौन मोहन' कहा था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी संसद में अब तक 22 बार ही बोले हैं। एचडी देवगौड़ा जो सिर्फ़ क़रीब दो साल के लिए प्रधानमंत्री थे, उन्होंने भी संसद में मोदी से ज़्यादा बार बोला था। बीजेपी के ही अटल बिहारी वाजपेयी ने भी छह सालों में 77 बार संसद को संबोधित किया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के यूरोप दौरे में प्रेस के सवाल न लेने के फ़ैसले पर विवाद रहा है। नॉर्वे के प्रधानमंत्री जोनस गार स्टोरे के साथ संयुक्त प्रेस वार्ता के दौरान नॉर्वे की एक महिला पत्रकार ने प्रधानमंत्री मोदी से मीडिया के सवालों का जवाब देने का आग्रह किया था। लेकिन पीएम मोदी ने कोई सवाल नहीं लिया था। नॉर्वे की महिला पत्रकार हेला लेंग ने विदेश मंत्रालय की ब्रीफ़िंग में भी मानवाधिकारों को लेकर सवाल उठाए। इस पर विदेश मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि भारत एक सिवलाइज़ेशनल नेशन है। इससे पहले हेला लेंग ने ओस्लो के गवर्नमेंट गेस्ट हाउस में प्रधानमंत्री मोदी और प्रधानमंत्री स्टोर की प्रेस ब्रीफ़िंग ख़त्म होने के बाद खड़े होकर सवाल पूछा था। हेला ने पूछा था कि प्रधानमंत्री मोदी, आप दुनिया की सबसे स्वतंत्र प्रेस के सवाल क्यों नहीं लेते? क्या आप हमारी सरकार के विश्वास के योग्य हैं? पीएम मोदी ने इन सवालों का कोई जवाब नहीं दिया था। हेला के सवाल पर भारत में भी काफ़ी बहस रही। तब भी लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री को आड़े हाथों लिया और पूछा कि सवालों से घबरा क्यों रहे हैं? इन विवादों को सुलझाने के लिए विदेश मंत्रालय ने भारत के लोकतंत्र का बचाव किया। पीएम मोदी के इस दौरे में दूसरी बार था, जब इन मुद्दों पर सरकार को सफ़ाई देनी पड़ी। रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर्स द्वारा जारी 2026 के वर्ल्ड विश्व प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक में भारत को 180 देशों में 157वां स्थान मिला है। इससे भारत की अंतरराष्ट्रीय छवि प्रभावित होती है। सत्ता में बहुमत के बूते विपक्ष और मीडिया की आवाज को अनसुना करना देश के लोकतंत्र के लिए बेहद घातक है। इससे कहीं न कहीं सरकारी तंत्र में तानाशाही पनपने की संभावना रहती हैं। यही कारण भी है कि देश में भ्रष्टाचार, भाई भतीजावाद, सरकारी तंत्र का गैरजिम्मेदारी वाला आचरण नजर आता है।

देश दुनिया से

रिश्ते बनाएं भी, निभाएं भी

रिश्ते हमारे जीवन की उन चीजों में से हैं जिन्हें हम पाना तो चाहते हैं, लेकिन कई बार संभालने का तरीका भूल जाते हैं। एक बच्चा बड़ा होता है तो माता-पिता उसके साथ होते हैं, विवाह के बाद दो लोग एक नया संसार बनाते हैं, मित्रता वर्षों तक चलती है, भाई-बहन जीवन के अनेक उतार-चढ़ाव साथ देखते हैं। शुरुआत में रिश्तों में अपनापन सहज होता है। हम एक-दूसरे के लिए समय निकालते हैं, छोटी-छोटी बातों का ध्यान रखते हैं, एक-दूसरे की खुशी में खुश होते हैं। लेकिन समय बीतने के साथ वही रिश्ता यदि केवल आदत बन जाए और उसमें संवाद, सम्मान और ध्यान कम होने लगे, तो दो लोग साथ रहते हुए भी दूर हो सकते हैं, इसलिए अच्छा रिश्ता केवल बन जाने का नाम नहीं है। रिश्ता बनाना शुरुआत है, निभाना उसकी असली परीक्षा है। किसी रिश्ते की पहली नींव विश्वास है। विश्वास का अर्थ केवल यह नहीं कि सामने वाला हमें धोखा नहीं देगा। इसका अर्थ यह भी है कि हम उसके सामने अपने मन की बात कह सकें, अपनी कमजोरी स्वीकार कर सकें और यह भरोसा रख सकें कि हमारी कही बात हमारे विरुद्ध इस्तेमाल नहीं होगी। जहां विश्वास होता है, वहां हर बात का प्रमाण नहीं मांगा जाता। हमें हर फोन कॉल का हिसाब नहीं चाहिए, हर चुप्पी का अर्थ नहीं निकालना पड़ता और हर छोटी बात पर संदेह नहीं करना पड़ता। लेकिन विश्वास एक बार में नहीं बनता। वह लगातार सही व्यवहार से धीरे-धीरे बनता है और टूटने में कभी-कभी एक क्षण ही पर्याप्त होता है। इसलिए हम यदि अपने रिश्तों को मजबूत रखना चाहते हैं, तो अपने शब्दों से अधिक अपने व्यवहार को विश्वसनीय बनाना होगा। विश्वास के बाद रिश्ते को जीवित रखने वाली सबसे महत्वपूर्ण चीज है संवाद।



कितने ही रिश्ते इसलिए कमजोर हो जाते हैं क्योंकि दोनों पक्षों के बीच प्रेम तो रहता है, लेकिन बातचीत कम हो जाती है। हम सामने वाले से पूछते नहीं, अनुमान लगाने लगते हैं- 'वह मेरी परवाह नहीं करता', 'उसे मेरी बात समझ में नहीं आती', 'वह जानबूझकर ऐसा करता है'। समस्या यह है कि अनुमान अक्सर सच नहीं होते। हम मन में पूरी कहानी बना लेते हैं और फिर उसी कहानी के आधार पर सामने वाले से नाराज भी हो जाते हैं। यदि हम अपनी बात स्पष्ट रूप से कहेंगे और सामने वाले को अपनी बात कहने का अवसर देंगे तो बहुत-सी गलतफहमियां जन्म लेने से पहले ही समाप्त हो जाएंगी। अनुमान संवाद का विकल्प नहीं हो सकता, लेकिन संवाद का अर्थ केवल बोलना नहीं है। रिश्ते बचाने के लिए हमें सुनना भी सीखना होगा। हममें से बहुत लोग सुनते समय वास्तव में सुन नहीं रहे होते, हम भीतर ही भीतर अपने उत्तर की तैयारी कर रहे होते हैं। सामने वाला अपनी पीड़ा बता रहा है और हम तुरंत समाधान देने लगते हैं। वह अपनी नाराजगी व्यक्त कर रहा है और हम अपने बचाव में तर्क देने लगते हैं। वह अपने अनुभव की बात कर रहा है और हम कह देते हैं- 'इसमें इतनी बड़ी बात क्या है?' शायद हमें यह समझना होगा कि हर बातचीत समाधान मांगने के लिए नहीं होती। कई बार सामने वाला केवल यह चाहता है कि कोई उसकी बात पूरी तरह सुने और यह महसूस कराए कि उसकी भावना महत्वपूर्ण है। किसी को समझने की पहली सीढ़ी उसे पूरी तन्मयता से सुनना है। इसके बाद नंबर है सम्मान का। प्रेम में भावनाएं कभी कम-ज्यादा हो सकती हैं, विचारों में मतभेद हो सकते हैं, स्वभाव अलग हो सकते हैं, लेकिन सम्मान बना रहे तो रिश्ते के पास संभलने की जमीन रहती है। पति-पत्नी असहमत हो सकते हैं, माता-पिता और बच्चे अलग राय रख सकते हैं, दो मित्र किसी विषय पर बिल्कुल विपरीत विचार रख सकते हैं, लेकिन असहमति को अपमान में नहीं बदलना चाहिए। हम सामने वाले की बात गलत मान सकते हैं, लेकिन उसे छोटा किए बिना। जब हम किसी रिश्ते में सामने वाले की गरिमा बचाए रखते हैं, तब हम केवल उस व्यक्ति का सम्मान नहीं करते, हम रिश्ता भी बचाते हैं। रिश्तों में एक और सूक्ष्म समस्या है कि हम हर बार सही साबित होना चाहते हैं। पति-पत्नी की बहस हो, दो मित्रों में मतभेद हो या परिवार में कोई विवाद हो, हम अक्सर यह साबित करने में लग जाते हैं कि हम ही सही हैं। कुछ अवसरों पर हमें यह चुनना पड़ता है कि हमें अपनी बात मनवानी है या अपना रिश्ता बचाना है। इसका अर्थ गलत बात को स्वीकार करना नहीं है। इसका अर्थ केवल इतना है कि हर विवाद को युद्ध बनाना आवश्यक नहीं। रिश्ते अक्सर किसी एक बड़ी घटना से नहीं टूटते। वे छोटी-छोटी उपेक्षाओं से कमजोर होते हैं, मसलन, बात न सुनना, धन्यवाद न कहना, गलती होने पर भी माफी न मांगना, सामने वाले के समय को महत्व न देना, हर समय मोबाइल में व्यस्त रहना या उसकी भावनाओं को तुच्छ समझ लेना। रिश्ते बचाने के लिए किसी बड़े चमत्कार की आवश्यकता नहीं होती। ध्यान से सुनना, इज्जत से बात करना और गलती होने पर माफी मांग लेना चमत्कार की तरह काम करता है। रिश्ता सही व्यक्ति मिल जाने से अच्छा नहीं बनता, सही व्यवहार करने से अच्छा बना रहता है। रिश्तों का सबसे बड़ा शत्रु कई बार कोई तीसरा व्यक्ति नहीं, हमारा अपना अहंकार होता है। 'पहले वही फोन करे', 'गलती उसकी थी, मैं क्यों माफी मांगूं', ऐसी सोच दो लोगों के बीच ऐसी दूरी बना सकती है जिसे बाद में पाटना कठिन हो जाता है। यह याद रखना महत्वपूर्ण है कि माफी रिश्तों को बचाने का सबसे शक्तिशाली साधन है। हम जितनी जल्दी टूटे संवाद को जोडने की कोशिश करेंगे, दरार उतनी ही आसानी से पटेगी। अच्छे रिश्तों का कोई जादुई सूत्र नहीं है। हम विश्वास देंगे तो विश्वास बढ़ेगा, सम्मान देंगे तो सम्मान बचेगा, सुनेंगे तो संवाद जीवित रहेगा और क्षमा करेंगे तो मन हल्का होगा।

कुछ अलग

नए युग के नए संकल्प

इस दुनिया को दो हिस्सों में बंटा रहने दो। पहला चंद करोड़पतियों का हिस्सा जो हर आफत मुसीबत का सामना करने के बल पर एक छलांग लगा कर खरबपति हो जाता है, और दूसरा एक बड़ी दुनिया अपनी किस्मत का रोना रोते हुए वंचितों प्रवंचितों की दुनिया, जो अपने हिस्से की तरक्की करके गरीब से फटीचर होती जा रही है और इस अभागी जिंदगी का मुखड़ा बदलने के लिए मेहनत नहीं बल्कि खैरात के वायदों से आस लगाती है, और इसी आस में बकाया जीवन गुजार देती है। वही बाबा आदम के जमाने का सूत्र वाक्य दुहराते हुए, कि 'अपना देश अमीर होता जा रहा है, जहां बसने वाले गरीबों की संख्या भी तेजी से बढ़ रही है'। 'बाकी जो बचा वह महंगाई मार गई' का पुराना गीत भी अब सुर से गाना सीख गई है। हमने पूछा, लेकिन जिस आजादी का अमृत महोत्सव पिछले दिनों यहां मनाया गया था, उसकी शुरुआत में तो एक वायदा किया गया था।

आप का नज़रिया

ग्राहक रोजगार नहीं चलेगा

घर रोशन हुए जब कहीं चिराग जल गया, इक कतरा एतबार का पूरा मकान खिल गया। उपलब्धियों के सांचे नहीं होते, फिर भी इनकी पैमाइश का जिक्र होता है। हिमाचल कई उपलब्धियों के बीच सूखी और बंजर जमीन पर खड़ा है। बेशक शिक्षा के पैमानों में हरियाली के सबूत भरे हैं, लेकिन बेरोजगारी के मंजर में डिग्रियां उदास हैं। यह दीगर है कि हिमाचल में उद्योगों तथा पर्यटन के रास्ते रोजगार के अवसर बढ़े हैं, लेकिन ज्यादातर रोजगार ने मानव संसाधन का आयात कर लिया। यही हाल निर्माण उद्योग का भी है और अब तो कृषि भी प्रवासी मजदूरों की ग्राहक बन गई। बी बी एन, जिसे हम हिमाचल की आर्थिक राजधानी मानते हैं, क्या यहां रोजगार के हवाले से प्रदेश ने अपना श्रृंगार किया। कहने को हमने शर्तों के जरिए 75 फीसदी नौकरियों में हिमाचली होना अनिवार्य कर दिया, लेकिन क्या वहां के रोजगार के काबिल प्रदेश के बच्चे तैयार हो पाए। कायदे से 75 फीसदी हिमाचली अगर बीबीएन को मिल जाएं, तो भी यह औद्योगिक केंद्र अपनी क्षमता को हासिल नहीं कर पाएगा। बीबीएन और राज्य के शिक्षा विभाग के बीच लंबी दूरी है। क्या किसी ने सोचा कि बीबीएन या अन्य औद्योगिक केंद्रों में रोजगार की क्षमता के अनुरूप शिक्षा का आधार पुख्ता किया जाए। हम पर्यटन की दृष्टि में बड़ी से बड़ी घोषणाएं करते हैं, लेकिन क्या कभी किसी स्कूल में बाल मन टटोला गया। आज अगर हिमाचल के स्कूली बच्चों से रोजगार में उनकी प्राथमिकता पूछी जाए, तो वे सरकारी नौकरी के इर्द-गिर्द प्रोफेशन खोजते मिलेंगे। हमने न तो ग्रामीण आर्थिकी में शिक्षा का कोई संबंध बनाया और न ही पढ़ाई का संपर्क पर्यटन, उद्योग व उद्यमशीलता से जोड़ा, लिहाजा शिक्षा की उड़ान का एक काल्पनिक परिवेश बन गया है। कल्पनाओं के संसार में राजनीति केवल उन्हीं मुहावरों को दोहरा रही है, जो आज अप्रासंगिक हैं। ऊना और प्रदेश के कई जिलों की जमीन पर प्रवासी मजदूर, ठेकेदारी के माध्यम से सब्जियां उगाकर कमाने की संज्ञाएं बदल रहे हैं। हाईवे पर्यटन की मिलकीयत में रोजगार क्षमता का दोहन अगर देखना है, तो व्यापार में आते परिवर्तन को देखें। पूरे हिमाचल में एक दशक से शुरू हुआ नारियल पानी का धंधा किसी रेहड़ी पर नहीं, बल्कि डिमांड और सप्लाई की चेन बना कर शुरू हुआ धंधा है, जिसमें सैकड़ों बाहरी लोग शरीक हैं। मोमो अब एक स्वाद नहीं, रोजगार की भट्ठी में तपता आत्मविश्वास है, लेकिन इस धंधे के प्रसार का सारा लाभ हिमाचली नहीं उठा पाए। हैरत यह कि हिमाचल के व्यंजन अब आयातित रोजगार के चूल्हे पर चढ़ रहे हैं। कुल्लू से सुंदरनगर के बीच सिड्डू के स्टॉल पर देखना कि बाहर से आकर इसी रेसिपी का धंधा कितने लोग चला रहे हैं। ऐसे में हर स्कूल-कालेज का फर्ज यह तो नहीं कि सारी उपाधियां केवल दिखावटी बनी रहें। रोजगार के बेहतरीन उदाहरण तो स्वरोजगार में मिलेंगे। क्या स्वरोजगार के लिए हमारे युवा तैयार हो रहे हैं या हमने सामाजिक, आर्थिक व शैक्षणिक माहौल से इस क्षमता को बल दिया। बेशक कई योजनाएं चल रही हैं और सेक्टर वाइज विवरण मिल सकता है, लेकिन इससे राज्य की एप्रोच साबित नहीं होती। हम स्वरोजगार के लिए नीतियों, अवसरों और अधोसंरचना का विकास करें, तो कमाने की जिज्ञासा रोजगार की गारंटी बनेगी। प्रदेश में भले ही वेंडिंग जोन बन रहे हैं, लेकिन इनका वितरण या स्वरोजगार के उद्देश्य से नहीं हो रहा। अगर प्रदेश भर में एक लाख के करीब स्टॉल, दुकानें, शापिंग परिसर में स्पेस या हाईवे पर स्थान मुहैया कराएं, तो हिमाचल के युवाओं को स्वरोजगार का आश्रय मिलेगा। अगर चरणबद्ध तरीके से हिमाचल के कुछ शहरों में बेरोजगारों के लिए इलेक्ट्रिक टैक्सी सेवाओं का अलख जगाया जाए, तो भी हर वाहन अपने में स्वरोजगार लेकर आएगा।

हिमाचल में उद्योगों तथा पर्यटन के रास्ते रोजगार के अवसर बढ़े हैं, लेकिन ज्यादातर रोजगार ने मानव संसाधन का आयात कर लिया। यही हाल निर्माण उद्योग का भी है और अब तो कृषि भी प्रवासी मजदूरों की ग्राहक बन गई। बी बी एन, जिसे हम हिमाचल की आर्थिक राजधानी मानते हैं, क्या यहां रोजगार के हवाले से प्रदेश ने अपना श्रृंगार किया। कहने को हमने शर्तों के जरिए 75 फीसदी नौकरियों में हिमाचली होना अनिवार्य कर दिया, लेकिन क्या वहां के रोजगार के काबिल प्रदेश के बच्चे तैयार हो पाए। कायदे से 75 फीसदी हिमाचली अगर बीबीएन को मिल जाएं, तो भी यह औद्योगिक केंद्र अपनी क्षमता को हासिल नहीं कर पाएगा। बीबीएन और राज्य के शिक्षा विभाग के बीच लंबी दूरी है। क्या किसी ने सोचा कि बीबीएन या अन्य औद्योगिक केंद्रों में रोजगार की क्षमता के अनुरूप शिक्षा का आधार पुख्ता किया जाए। हम पर्यटन की दृष्टि में बड़ी से बड़ी घोषणाएं करते हैं, लेकिन क्या कभी किसी स्कूल में बाल मन टटोला गया। आज अगर हिमाचल के स्कूली बच्चों से रोजगार में उनकी प्राथमिकता पूछी जाए, तो वे सरकारी नौकरी के इर्द-गिर्द प्रोफेशन खोजते मिलेंगे। हमने न तो ग्रामीण आर्थिकी में शिक्षा का कोई संबंध बनाया और न ही पढ़ाई का संपर्क पर्यटन, उद्योग व उद्यमशीलता से जोड़ा, लिहाजा शिक्षा की उड़ान का एक काल्पनिक परिवेश बन गया है। कल्पनाओं के संसार में राजनीति केवल उन्हीं मुहावरों को दोहरा रही है, जो आज अप्रासंगिक हैं। ऊना और प्रदेश के कई जिलों की जमीन पर प्रवासी मजदूर, ठेकेदारी के माध्यम से सब्जियां उगाकर कमाने की संज्ञाएं बदल रहे हैं।

दृष्टि कोण

राष्ट्रहित में अग्निवीरों की नियमित भर्ती हो

भारतीय सशस्त्र सेनाओं की वर्दी पहनना लाखों युवाओं का सपना रहा है। इसमें रोजगार और आर्थिक सुरक्षा के साथ राष्ट्रसेवा, सम्मान, अनुशासन और मातृभूमि की रक्षा का गौरव भी जुड़ा होता है। सेना में भर्ती होने वाला युवा केवल वेतन के लिए नहीं, बल्कि देश की सीमाओं की सुरक्षा का संकल्प लेकर वर्दी धारण करता है। लेकिन 2022 से भारतीय सशस्त्र सेनाओं के लिए लागू अग्निवीर भर्ती प्रणाली शुरू से ही व्यापक विरोध का सामना कर रही है, क्योंकि सैन्य भर्ती नीति का मूल्यांकन केवल आर्थिक बचत से नहीं, बल्कि सैनिकों के मनोबल, युद्धक क्षमता, अनुभव और भविष्य की सुरक्षा को ध्यान में रखकर किया जाना चाहिए। इसलिए जून 2022 में शुरू हुई अग्निपथ योजना और 4 नवंबर 2026 को इसमें घोषित संशोधन अब महत्वपूर्ण राष्ट्रीय विमर्श का विषय बन गए हैं। हिमाचल प्रदेश पूर्व सैनिक कल्याण बोर्ड की बैठक में भी अग्निवीर भर्ती योजना को बंद करने का मुद्दा जोर-शोर से उठा। पूर्व सैनिकों ने मुख्यमंत्री सुखविन्द्र सिंह सुक्खू से इस मामले को केंद्र सरकार के समक्ष उठाने की मांग की है। अग्निपथ योजना लागू करने के पीछे सरकार का उद्देश्य सेना की औसत आयु कम करना, युवा एवं तकनीकी रूप से दक्ष सैनिक तैयार करना तथा वेतन और पेंशन के बढ़ते वित्तीय दायित्व को नियंत्रित करना था। मूल व्यवस्था में अधिकतम 25 प्रतिशत अग्निवीरों को योग्यता और प्रदर्शन के आधार पर नियमित सेवा में शामिल किया जाना था, जबकि शेष 75 प्रतिशत को नागरिक जी



केविन मैलाय बने न्यूजीलैंड क्रिकेट के नए अध्यक्ष, डायना पुकेतापु-लिंडन का नौ साल का कार्यकाल पूरा

वेलिंगटन

केविन मैलाय को न्यूजीलैंड क्रिकेट (एनजेडसी) का नया अध्यक्ष चुना गया है। डायना पुकेतापु-लिंडन के बोर्ड से हटने के बाद 132वीं वार्षिक आम बैठक के तुरंत बाद हुई बोर्ड की बैठक में मैलाय को यह जिम्मेदारी सौंपी गई। पुकेतापु-लिंडन ने निदेशक के रूप में अधिकतम नौ वर्ष का कार्यकाल पूरा करने के बाद पद छोड़ा है।

पुकेतापु-लिंडन 2017 में न्यूजीलैंड क्रिकेट के बोर्ड से जुड़ी थीं। वर्ष 2023 में वह एनजेडसी की अध्यक्ष बनने वाली पहली महिला और माओरी मूल की पहली व्यक्ति बनी थीं। मैलाय 2019 से बोर्ड के निदेशक हैं और इससे पहले उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी भी संभाल चुके हैं।

मैलाय ने न्यूजीलैंड, न्यूयार्क, हांगकांग और लंदन में विज्ञापन एवं विपणन के क्षेत्र में काम किया है। उन्होंने वैश्विक मीडिया एजेंसी स्टारकाम के साथ 29 वर्ष बिताए। इस दौरान वह अंतरराष्ट्रीय परिचालन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और कोका-कोला तथा प्राक्टर एंड गैंबल के वैश्विक खातों के निदेशक रहे। उन्होंने विवाकी के आस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड परिचालन के अध्यक्ष के रूप में भी काम किया। वह सुपर रग्बी पैसिफिक के अध्यक्ष के रूप में अपना तीन वर्ष का कार्यकाल दिसंबर में पूरा करेंगे। इसके अलावा वह कीवीबैंक और टूरिज्म न्यूजीलैंड के बोर्ड में भी शामिल हैं।

न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने उनकी नियुक्ति पर जारी बयान में कहा, वह खेल प्रशासन में मजबूत पृष्ठभूमि के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय वाणिज्यिक नेतृत्व का तीन दशकों का अनुभव इस पद पर लेकर आए हैं।

रेविन लवेट और जोनो ब्रेंट बोर्ड में शामिल - बोर्ड नियुक्ति पैनल की सिफारिश पर रेविन लवेट ओएनजेडएम और जोनो ब्रेंट को बोर्ड का नया सदस्य चुना गया। वहीं, तीन वर्ष के कार्यकाल के नवीनीकरण के लिए सामने आईं अन्ना कैंपबेल और अली शैंक्स को दोबारा चुना गया। माइक डेवोनशायर का कार्यकाल भी नवीनीकरण के लिए आया था, लेकिन पैनल ने उन्हें दोबारा नियुक्त करने की सिफारिश नहीं की। वह तीन वर्ष की सेवा के बाद बोर्ड से बाहर हो गए।

बोर्ड ने रेविन लवेट के बारे में कहा, लवेट के पास न्यूजीलैंड और अंतरराष्ट्रीय खेलों में दो दशक से अधिक का प्रशासनिक अनुभव है। वह स्पोर्ट न्यूजीलैंड, हाई परफार्मेंस स्पोर्ट न्यूजीलैंड और नेटबाल न्यूजीलैंड की अध्यक्ष रह चुकी हैं। इसके अलावा उन्होंने महिलाओं और खेल पर अंतरराष्ट्रीय कार्य समूह की सह-अध्यक्षता भी की है।

जोनो ब्रेंट के बारे में बोर्ड ने कहा, ब्रेंट चार्टर्ड अकाउंटेंट हैं और बुनियादी ढांचा क्षेत्र में मुख्य कार्यकारी के रूप में काम कर चुके हैं। उन्होंने तीन वर्ष तक कैंटरबरी क्रिकेट की अध्यक्षता की और पिछले 12 महीनों से कम्युनिटी क्रिकेट न्यूजीलैंड की रणनीति तैयार करने का नेतृत्व कर रहे हैं।

डायना के योगदान के लिए मैलाय ने जताया आभार - नए अध्यक्ष के रूप में नियुक्ति के बाद मैलाय ने कहा, मैं सबसे पहले डायना को धन्यवाद देना चाहता हूं, जिन्होंने इस बोर्ड को नौ वर्ष की सेवाएं दीं और खेल के हालिया इतिहास के सबसे चुनौतीपूर्ण दौर में वास्तविक साहस के साथ नेतृत्व किया। न्यूजीलैंड क्रिकेट के अध्यक्ष के रूप में नेतृत्व करने का अवसर मिलना मेरे लिए सम्मान की बात है। मैं इस जिम्मेदारी को इस गहरी समझ के साथ स्वीकार करता हूं कि यह खेल न्यूजीलैंड के बहुत से लोगों के लिए कितना मायने रखता है। उन्होंने आगे कहा, पिछले तीन वर्षों में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए मैं माइक डेवोनशायर को धन्यवाद देता हूं। मैं रेविन और जोनो का भी स्वागत करना चाहता हूं, जो प्रशासन, वित्तीय प्रबंधन और सामुदायिक क्रिकेट का शानदार अनुभव लेकर आए हैं। मैलाय ने कहा कि वैश्विक क्रिकेट के मौजूदा परिदृश्य में न्यूजीलैंड क्रिकेट के लिए बदलावों के अनुरूप खुद को ढालना जरूरी है। उन्होंने कहा, क्रिकेट का परिदृश्य यहां और दुनिया भर में तेजी से बदल रहा है।

न्यूज ब्रीफ

मुंबई इंडियंस, नये कप्तान का चयन सोच समझकर समय आने पर करेगी



मुम्बई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2027 से ठीक पहले कप्तान हार्दिक पांड्या के पंजाब किंग्स में जाने से अब मुंबई इंडियंस को नये कप्तान की घोषणा करनी है। इसी को लेकर फ्रैंचाइजी प्रबंधन का कहना है कि सोच विचार के बाद ही सही समय पर नये कप्तान की घोषणा कर दी जाएगी। इस घोषणा के बाद से ही पांच बार टीम को खिताब जिताने वाले रोहित शर्मा की कप्तानी में वापसी की चर्चाएं शुरु हो गयी हैं। रोहित के अलावा सूर्यकुमार यादव, जसप्रीत बुमराह और युवा तिलक वर्मा भी कप्तान के दावेदार माने जा रहे हैं। मुंबई इंडियंस ने कहा है कि आगामी सत्र को देखते हुए फ्रेंचाइजी अपने कप्तानी विकल्पों का आंकलन सोच-समझकर करेगी। टीम की कप्तानी को लेकर घोषणा समय आने पर ही की जाएगी। यह बयान दर्शाता है कि टीम मैनेजमेंट किसी भी जल्दबाजी में नहीं है और वे टीम के भविष्य के नेतृत्व के लिए सबसे उपयुक्त विकल्प तलाश रहे हैं। फ्रेंचाइजी के लिए यह फैसला आगामी रिटेंशन डेडलाइन और मिनी आक्शन की रणनीति के लिहाज से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। आईपीएल 2027 के लिए खिलाड़ियों को रिटेन करने की अंतिम तारीख 17 नवंबर है, जबकि 16 दिसंबर को गोवा में मिनी आक्शन का आयोजन किया जाएगा। ऐसे में, मुंबई इंडियंस को अपनी टीम का संयोजन और उसके नेतृत्व दोनों को इन महत्वपूर्ण तिथियों से पहले तय करना होगा।

अगले माह होंगे भारतीय ओलंपिक संघ चुनाव, 30 महासंघ करेंगे मतदान

नई दिल्ली। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की कार्यकारी परिषद के बहुप्रतीक्षित चुनाव 5 दिसंबर को होने जा रहे हैं, जिसमें देश के 30 राष्ट्रीय खेल महासंघों (एनएसएफ) के प्रतिनिधि नए नेतृत्व का चुनाव करेंगे। हालांकि, इस चुनावी प्रक्रिया में राष्ट्रीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई), भारतीय टेबल टेनिस महासंघ (टीटीएफआई) और इंडियन गोल्फ यूनियन (आईजीयू) जैसे कुछ महत्वपूर्ण खेल महासंघों को अपनी आंतरिक समस्याओं के कारण मतदान से बाहर कर दिया गया है।, जिससे आगामी चुनावों में कुछ बड़े खेलों की अनुपस्थिति स्पष्ट हो गई है। कुल 71 मतदाता आईओए के अगले शीर्ष अधिकारियों का चुनाव करेंगे। इसमें मुक्केबाजी महासंघ को उसकी गहरी आंतरिक गुटबाजी के चलते बाहर रखा गया है, जो भारतीय मुक्केबाजी के लिए एक चिंताजनक स्थिति पैदा करता है। इसी प्रकार, तदर्थ समिति द्वारा संचालित टीटीएफआई को भी मतदान का अधिकार नहीं मिला है। इंडियन गोल्फ यूनियन (आईजीयू) के मामले में बाधा यह है कि इसके एक गुट को आईओए और दूसरे को खेल मंत्रालय ने मान्यता दे रखी है, जिसके परिणामस्वरूप उसे भी निर्वाचक मंडल से बाहर रखा गया है। यह उन महासंघों के लिए एक स्पष्ट संदेश है जिन्हें अपनी आंतरिक संरचनाओं को ठीक करने की आवश्यकता है ताकि वे भारतीय ओलंपिक परिवार का सक्रिय हिस्सा बने रह सकें।

सूर्यकुमार ने फिर वापसी का प्रयास शुरु किया, खेल के प्रति पुराना जुनून जगाया

मुम्बई। टी20 विश्व कप के बाद कप्तानी के साथ ही टीम से बाहर किये गये सूर्यकुमार यादव एक बार फिर मैदान पर वापसी के लिए तैयार हैं।



सूर्या घरेलू मुश्ताक अली ट्राफी में मुम्बई की कप्तानी करते दिखेंगे। सूर्यकुमार का कहना है कि उन्होंने अब क्रिकेट के प्रति अपना पुराना लगाव और जुनून फिर से हासिल कर लिया है। सूर्यकुमार ने 8 मार्च 2026 को न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 विश्व कप फाइनल में अपना आखिरी मुकाबला खेला था, जहाँ भारत ने 96 रन से शानदार जीत दर्ज कर खिताब अपने नाम किया था। हालांकि खितबी मुकाबले में सूर्यकुमार पहली ही गेंद पर बिना खाता खोले आउट हो गए थे। इससे पहले भी उनका बल्ला लगातार खामोश रहा था, और खराब प्रदर्शन के चलते आखिरकार उन्हें टीम से बाहर होना पड़ा था। वहीं इसके बाद सूर्यकुमार ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा, टी20 विश्व कप जीतने के बाद का समय थोड़ा मुश्किल रहा है। मैं इस सच्चाई से मुंह नहीं मोड़ना चाहता। साथ ही कहा कि अगर आप खुद के प्रति ईमानदार नहीं हैं, तो खुशहाल जिंदगी जीना भी मुश्किल हो जाता है। उन्होंने बताया कि इसी साल मई में बेटी के जन्म ने उन्हें इस मानसिक उथल-पुथल से बाहर निकलने में काफी मदद की। इस बल्लेबाज ने भावुक होते हुए कहा, सच कहूं तो टीम से बाहर होना मेरे लिए बहुत कठिन रहा लेकिन इसी दौरान आईपीएल के समय मई में मेरे घर बेटी का जन्म हुआ। इसके बाद मेरा पूरा ध्यान उसकी तरफ चला गया। उसके जन्म के बाद बीते कुछ महीने मेरे लिए बेहद खूबसूरत रहे हैं। धीरे-धीरे उनका ध्यान फिर क्रिकेट की ओर लौटने लगा। उन्होंने अपने पुराने दिनों को याद करते हुए सोचा कि क्यों न फिर से उसी तरह सोचना शुरू करूं, जैसे अपने करियर की शुरुआत में सोचता था।

दिल्ली कैपिटल्स की कप्तानी के लिए केएल राहुल हो सकते हैं पहली पसंद : आकाश चोपड़ा

नई दिल्ली

दिल्ली कैपिटल्स ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2027 के रिटेंशन की समयसीमा से पहले ऋषभ पंत को ट्रेड के जरिए टीम में वापस शामिल कर लिया है। सौरव गांगुली, युवराज सिंह, अमित मिश्रा और चामिंडा वास जैसे दिग्गजों से सजे नए कोचिंग स्टाफ के बीच अब टीम की कप्तानी और बल्लेबाजी क्रम को लेकर चर्चा तेज हो गई है। पूर्व भारतीय क्रिकेटर और जियोस्टार विशेषज्ञ आकाश चोपड़ा का मानना है कि मौजूदा परिस्थितियों में केएल राहुल दिल्ली कैपिटल्स की कप्तानी के प्रबल दावेदार हो सकते हैं।

जियोस्टार के कार्यक्रम गेम प्लान में आकाश चोपड़ा और अभिनव मुकुंद ने पंत की वापसी के बाद दिल्ली कैपिटल्स के संभावित बल्लेबाजी संयोजन, अब तक हुए दो ट्रेड और टीम के कप्तानी विकल्पों पर चर्चा की।

आकाश चोपड़ा ने दिल्ली की कप्तानी को लेकर कहा, वास्तव में यहां कई सवाल हैं। यह बहुविकल्पीय प्रश्न जैसा है कि कप्तान कौन होगा ऋषभ पंत कप्तानी के दावेदार रहे हैं, केएल राहुल भी एक विकल्प हैं और मैं सुन रहा हूं कि अक्षर कप्तान नहीं बनना चाहते। इन सभी परिस्थितियों को देखते हुए यह भी स्पष्ट नहीं है कि टीम की कप्तानी कौन करेगा। फिलहाल केएल राहुल कप्तान हो सकते हैं।

उन्होंने आगे कहा, अब जब आपने ऋषभ पंत को ट्रेड के जरिए टीम में शामिल किया है, तो उन्हें शीर्ष चार में बल्लेबाजी करनी चाहिए। यदि आप उन्हें इससे नीचे बल्लेबाजी कराते हैं, तो उनकी क्षमता का पूरा इस्तेमाल नहीं कर पाएंगे। मुझे लगा कि उस ट्रेड में लखनऊ सुपर जायंट्स को ज्यादा फायदा हुआ, क्योंकि उस पिच के लिए कुलदीप जैसे स्तर के गेंदबाज के बदले आप इससे



ज्यादा की उम्मीद नहीं कर सकते थे।

चोपड़ा ने दिल्ली कैपिटल्स की गेंदबाजी पर चिंता जताते हुए कहा कि टीम के सामने तेज गेंदबाजी का सही संयोजन तैयार करने की चुनौती होगी। उन्होंने खास तौर पर मिचेल स्टार्क की उपलब्धता पर सवाल उठाए।

उन्होंने कहा, आशुतोष, समीर रिजवी, ट्रिस्टन स्टब्स और अक्षर पटेल के अलावा आपके पास डेविड मिलर भी हैं। इसलिए बल्लेबाजी का संयोजन काफी अच्छा है। उनके लिए समस्या का क्षेत्र गेंदबाजी विभाग होगा। मिचेल स्टार्क खेलेंगे या नहीं, यह एक बड़ा सवाल होगा। उनकी उपलब्धता को लेकर चर्चा करनी पड़ेगी। इस सत्र में उन्हें अपनी तेज गेंदबाजी और उसे मजबूत करने की योजना को लेकर परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। वे इसे कैसे संभालेंगे, मुझे इसकी कोई जानकारी नहीं है।

चोपड़ा ने खिलाड़ियों पर खर्च की गई रकम का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा, मुकेश कुमार आठ करोड़ रुपये में हैं, आकिब नबी 8.4 करोड़ रुपये में हैं और मिचेल स्टार्क की कीमत करीब 12 करोड़ रुपये है। यह काफी बड़ी रकम है। लुंगी एनगिडी को दो करोड़ रुपये में सस्ते में लिया गया था और वह शानदार सौदा साबित हुए। दुश्मंथा चमीरा और काइल जैमीसन भी ज्यादा महंगे नहीं थे। लेकिन महंगे खिलाड़ी शायद उपलब्ध न हों। उनकी क्षमता और मौजूदा फार्म को लेकर भी अनिश्चितता है। मुकेश कुमार के टी20 आंकड़ों में भी थोड़ी गिरावट आई है।

पंत और राहुल से पारी की शुरुआत कराने के पक्ष में मुकुंद - अभिनव मुकुंद ने पंत की वापसी के बाद दिल्ली कैपिटल्स को शीर्ष क्रम के बल्लेबाजी संयोजन पर दोबारा विचार करने की सलाह दी। उन्होंने पंत को शीर्ष तीन में खिलाने और केएल राहुल के साथ पारी की शुरुआत कराने का सुझाव दिया।

मुकुंद ने कहा, मैं चाहूंगा कि ऋषभ शीर्ष तीन में बल्लेबाजी करें। यदि दिल्ली कैपिटल्स इस क्षेत्र में बदलाव करना चाहती है, तो पंत और राहुल से पारी की शुरुआत क्यों नहीं कराई जाए इस टीम के साथ मैं सबसे पहले यही करना चाहूंगा, क्योंकि मुझे मध्यक्रम के बल्लेबाजों को लेकर थोड़ी परेशानी महसूस हुई। टीम में शीर्ष क्रम के इतने सारे विकल्प हैं।

उन्होंने कहा, पृथ्वी शा, नितीश राणा, अभिषेक पोरेल, पथुम निसांका, करुण नायर और साहिल परख जैसे खिलाड़ी हैं, जो शीर्ष तीन में बल्लेबाजी करते हैं। ऐसे में आप ऋषभ पंत जैसे बल्लेबाज को भी शीर्ष क्रम में खिलाना चाहेंगे, क्योंकि अब आपने उन्हें टीम में शामिल किया है। पिछले दो वर्षों में चौथे और पांचवें नंबर पर उन्हें बहुत ज्यादा सफलता नहीं मिली है। हालांकि, दिल्ली में यह स्थिति बदल सकती है, क्योंकि अपने शुरुआती वर्षों में वह दिल्ली के लिए मध्यक्रम में काफी सफल रहे थे।

मुकुंद ने आगे कहा, यदि आप उन्हें चौथे नंबर पर खिलाना चाहते हैं, तो उन्हें वहीं रखें। इससे आपके पास बाकी कई विकल्पों का इस्तेमाल करने का मौका होगा। इसके अलावा टीम में नया सहयोगी स्टाफ भी है, जिसमें दादा, युवी पा और अन्य लोग शामिल हैं। इसलिए उनकी रणनीति क्या होगी, यह कहना मुश्किल है। हमें इंतजार करना होगा कि वे किस तरह की टीम तैयार करते हैं।

अभिनव मुकुंद ने टी. नटराजन को सनराइजर्स हैदराबाद के साथ ट्रेड कर जीशान अंसारी को टीम में शामिल करने के दिल्ली कैपिटल्स के फैसले पर भी हैरानी जताई। उन्होंने कहा, मैं काफी हैरान था कि उन्होंने नटराजन को रिलीज किया या यूं कहें कि जीशान अंसारी के बदले ट्रेड कर दिया। उनके पास पहले से ही विप्रज निगम हैं, जो काफी हद तक वैसे ही खिलाड़ी हैं। वह लेग स्पिनर हैं और बल्लेबाजी भी कर सकते हैं। अक्षर पटेल, विप्रज और अब कितने स्पिनरों को आप टीम में खिलाएंगे मुझे लगा कि इस ट्रेड से सनराइजर्स हैदराबाद को दिल्ली कैपिटल्स की तुलना में ज्यादा फायदा हुआ है।

न्यूजीलैंड ने भारत के खिलाफ चौथे और पांचवें वनडे के लिए ब्रेट रैंडेल को किया टीम में शामिल

वेलिंगटन



भारत के खिलाफ चौथे और पांचवें वनडे मुकाबले के लिए न्यूजीलैंड ने अपनी टीम में बदलाव किया है। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने 31 वर्षीय तेज गेंदबाज ब्रेट रैंडेल को पहली बार राष्ट्रीय टीम में शामिल करने की घोषणा की। इसके अलावा जोश क्लार्कसन को भी सीरीज के पांचवें और अंतिम वनडे के लिए टीम में वापस बुलाया गया है।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अब तक पदार्पण नहीं करने वाले रैंडेल हाल ही में डर्बीशायर की ओर से काउंटी चैंपियनशिप में खेलकर लौटे हैं। उनसे इस सीरीज में न्यूजीलैंड के लिए अंतरराष्ट्रीय पदार्पण करने की उम्मीद है।

वहीं, क्लार्कसन न्यूजीलैंड के लिए अब तक छह वनडे मुकाबले खेल चुके हैं। उन्होंने आखिरी बार इस साल अप्रैल में बांग्लादेश के खिलाफ राष्ट्रीय टीम का प्रतिनिधित्व किया था।

इन दोनों खिलाड़ियों को टीम में शामिल करने का फैसला चोटों की समस्या, खासकर तेज गेंदबाजी विभाग में खिलाड़ियों के चोटिल होने के कारण लिया गया है।

न्यूजीलैंड के मुख्य कोच राब वाल्टर ने कहा, जब किसी खिलाड़ी को पहली बार अंतरराष्ट्रीय टीम में जगह मिलती है, तो यह हमेशा खास मौका होता है। हम ब्रेट के लिए बहुत खुश हैं। वह पिछले कुछ समय से घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं और उन्होंने इस अवसर को हासिल किया है।

उन्होंने कहा, पूरी सीरीज के दौरान टीम में कुछ बदलाव हुए हैं। ऐसे में हम भाग्यशाली हैं कि ब्रेट और जोश को टीम में शामिल कर सके। इस सप्ताहांत मौसम अच्छा रहने की उम्मीद है। हमें उम्मीद है कि सीरीज का समापन शानदार अंदाज में होगा।

चौथे और पांचवें वनडे के लिए नार्दर्न डिस्ट्रिक्ट्स के पाथवे कोच मिच रेनविक और स्ट्रेंथ एंड कंडीशनिंग कोच कोरी माइल्स भी राब वाल्टर और मार्टिन गुप्टिल के साथ टीम से जुड़ गए हैं। वहीं, गेंदबाजी कोच जैकब ओरम, बल्लेबाजी कोच ल्यूक रोंची और स्ट्रेंथ एंड कंडीशनिंग कोच क्रिस डोनाल्डसन टेस्ट मैचों की तैयारी के लिए वेलिंगटन रवाना हो गए हैं।

चौथे वनडे के लिए न्यूजीलैंड की टीम: मिचेल सैंटनर (कप्तान), फिन एलन, माइकल ब्रेसवेल, क्रिस्टियन क्लार्क, जैकब डफी, मैट फिशर, डीन फाक्सक्राफ्ट, मिच हे (विकेटकीपर), मैट हेनरी, काइल जैमीसन, निक केली, ब्रेट रैंडेल, टिम सीफर्ट (विकेटकीपर) और विल यंग।

पांचवें वनडे के लिए न्यूजीलैंड की टीम: मिचेल सैंटनर (कप्तान), फिन एलन, माइकल ब्रेसवेल, क्रिस्टियन क्लार्क, जोश क्लार्कसन, जैकब डफी, मैट फिशर, डीन फाक्सक्राफ्ट, मिच हे (विकेटकीपर), निक केली, ब्रेट रैंडेल, टिम सीफर्ट (विकेटकीपर), ब्लेयर टिकनर और विल यंग।

आर्यवीर सहवाग और अन्वय द्रविड़ के सामने अलग पहचान बनाने की दोहरी चुनौती



नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट के दो महान दिग्गजों, वीरेंद्र सहवाग और राहुल द्रविड़, जिन्होंने अपने खेल से अनगिनत प्रशंसकों के दिलों में जगह बनाई, अब उनके बेटों - आर्यवीर सहवाग और अन्वय द्रविड़ ने भी क्रिकेट के मैदान पर कदम रखा है। इन युवा खिलाड़ियों के सामने अपने पिता की अविश्वसनीय विरासत को आगे बढ़ाने के साथ-साथ अपनी एक अलग पहचान स्थापित करने की दोहरी चुनौती है, जिसने क्रिकेट जगत में उत्सुकता पैदा कर दी है। हाल ही में अंडर-19 एशिया कप में आर्यवीर सहवाग ने यूएई के खिलाफ एक शानदार शतकीय पारी खेलकर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। उन्होंने 168 गेंदों पर 160 रन बनाए, जिसमें 17 चौके और 7 छक्के शामिल थे, जो उनकी आक्रामक शैली और बड़े स्कोर बनाने की क्षमता को दर्शाता है। वे नियमित रूप से क्रिकेट अकादमी में अभ्यास करते हैं और उनके पिता वीरेंद्र सहवाग स्वयं भी उन्हें प्रशिक्षण देते हैं। दिलचस्प बात यह है कि वीरेंद्र सहवाग चाहते थे कि आर्यवीर क्रिकेट के बजाय फुटबाल खेलें, लेकिन बेटे का रुझान आखिरकार क्रिकेट की ओर रहा।

वर्ल्ड टेनिस लीग का पांचवां सत्र 17 से 20 दिसंबर तक, बेंगलुरु करेगा मेजबानी

बेंगलुरु

वर्ल्ड टेनिस लीग (डब्ल्यूटीएल) का पांचवां सत्र 17 से 20 दिसंबर तक बेंगलुरु में आयोजित होगा। चार दिवसीय इस प्रतियोगिता में अंतरराष्ट्रीय टेनिस सितारों के साथ भारत के शीर्ष और उभरते खिलाड़ी भी हिस्सा लेंगे। प्रतियोगिता का आयोजन केएसएलटीए के एस.एम. कृष्णा टेनिस स्टेडियम में किया जाएगा।

आइकोनिक स्पोर्ट्स एंड इवेंट्स द्वारा लाइसेंस प्राप्त और संचालित यह लीग अपने पांचवें सत्र में प्रवेश कर रही है। आयोजकों के अनुसार, पिछले पांच सत्रों में इस लीग ने अंतरराष्ट्रीय टेनिस के कई बड़े नामों को एक मंच पर लाकर भारतीय टेनिस प्रतियोगिताओं में अपनी अलग पहचान बनाई है।

पिछले सत्र में हिस्सा लेने वाले कई खिलाड़ी एक बार फिर डब्ल्यूटीएल में वापसी करेंगे। इनमें पाउला बडोसा, युकी भांबरी, सुमित नागल, दक्षिणेश्वर सुरेश, माया राजेश्वरन रेवती और श्रिवल्ली भामिदिपति शामिल हैं। इनके अलावा इस सत्र में स्थापित अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों और उभरती प्रतिभाओं का मिश्रण देखने को मिलेगा।

हर सत्र के साथ लीग का स्तर बढ़ाने की कोशिश : महेश भूपति - वर्ल्ड टेनिस लीग के सह-संस्थापक महेश भूपति ने कहा, पिछला सत्र वर्ल्ड टेनिस लीग के लिए एक रोमांचक अध्याय



रहा। इसमें अंतरराष्ट्रीय प्रतिभाओं और भारतीय खिलाड़ियों का शानदार मिश्रण देखने को मिला, जिन्होंने कुछ यादगार टेनिस मुकाबले पेश किए। प्रशंसकों की प्रतिक्रिया और प्रतियोगिता के आसपास का उत्साह एक विशिष्ट वैश्विक टेनिस आयोजन तैयार करने के हमारे दृष्टिकोण को मजबूती देता है।

उन्होंने कहा, पांचवें सत्र में प्रवेश करते हुए हमारा लक्ष्य इस गति को आगे बढ़ाना, लीग को नए दर्शकों तक पहुंचाना और प्रत्येक संस्करण के साथ इसका स्तर और ऊंचा करना है।

बेंगलुरु में वापसी को लेकर उत्साहित : हेमाली शर्मा - लीग की सह-संस्थापक हेमाली शर्मा ने कहा, हमें वर्ल्ड टेनिस लीग को फिर से बेंगलुरु लाकर बेहद खुशी हो रही है। इस शहर की खेल संस्कृति मजबूत है और यहां टेनिस के प्रशंसकों की अच्छी संख्या है। ऐसे में यह पांचवें सत्र के लिए एक शानदार आयोजन स्थल है।

उन्होंने कहा, इस बार भी प्रतियोगिता में कुछ बेहतरीन अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों के साथ भारत की स्थापित और उभरती टेनिस प्रतिभाएं एक मंच पर आएंगी। हम प्रशंसकों को एक यादगार अनुभव देने के साथ-साथ भारत में टेनिस प्रतिभा की गहराई का जश्न मनाने और एक और रोमांचक सत्र के लिए शानदार खिलाड़ियों को एक साथ लाने के लिए उत्सुक हैं। आयोजकों के अनुसार, वैश्विक स्तर पर बढ़ती लोकप्रियता और भारत में मजबूत होते टेनिस ढांचे के बीच डब्ल्यूटीएल अंतरराष्ट्रीय टेनिस को भारतीय प्रशंसकों के करीब लाने का मंच बन रही है। साथ ही यह भारतीय उभरते खिलाड़ियों को वैश्विक स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर भी देती है। पांचवें सत्र के खिलाड़ियों और टीमों की पूरी सूची आने वाले दिनों में घोषित की जाएगी।

फीफा ने 2031 और 2035 महिला विश्व कप की मेजबानी के लिए बोली मूल्यांकन रिपोर्ट जारी की

नई दिल्ली

फीफा ने 2031 और 2035 महिला फुटबाल विश्व कप की मेजबानी के लिए पेश की गई संयुक्त बोलियों की मूल्यांकन रिपोर्ट जारी कर दी है। दोनों बोलियों ने मेजबानी के लिए निर्धारित न्यूनतम आवश्यकताओं को पूरा किया है। अब इस महीने के अंत में फीफा के सदस्य इन पर मतदान करेंगे।

2031 विश्व कप की मेजबानी के लिए अमेरिका, मैक्सिको, कोस्टा रिका और जमैका ने संयुक्त बोली पेश की है। वहीं, 2035 संस्करण के लिए इंग्लैंड, स्काटलैंड, वेल्स और उत्तरी आयरलैंड ने मिलकर दावेदारी की है। फीफा की ओर से जारी रिपोर्ट के अनुसार, दोनों बोलियां 23 नवंबर को होने वाली फीफा की विशेष कांग्रेस में मतदान के लिए योग्य हैं।

2031 विश्व कप में 45 लाख दर्शकों के पहुंचने की उम्मीद - फीफा की रिपोर्ट में कहा गया है कि 2031 विश्व कप की बोली मजबूत आधार पर तैयार की गई है। अमेरिका हाल ही में मैक्सिको और कनाडा के साथ पुरुष विश्व कप की संयुक्त मेजबानी कर चुका है। इसके अलावा उसने 2025 में क्लब विश्व कप का भी आयोजन किया था। 2031 महिला विश्व कप में करीब 45 लाख दर्शकों के पहुंचने की उम्मीद है।

चारों देशों की संयुक्त बोली में कुल 20 स्टेडियमों को प्रस्तावित मेजबान स्थल के रूप में शामिल किया गया है। इनमें 14 स्टेडियम अमेरिका, चार मैक्सिको और एक-एक जमैका तथा कोस्टा रिका में हैं। प्रस्ताव में शामिल वाशिंगटन डीसी का नया आरएफके स्टेडियम अभी निर्माणाधीन है, जबकि अन्य प्रस्तावित स्थल पहले से मौजूद हैं।

फाइनल मुकाबले की मेजबानी के लिए चार स्टेडियमों के नाम प्रस्तावित किए गए हैं। इनमें अटलांटा का मर्सिडीज-बेंज स्टेडियम, डलास के पास स्थित एटी एंड टी स्टेडियम, लास एंजिलिस का सोफाई स्टेडियम और न्यू जर्सी के ईस्ट



रदरफोर्ड स्थित मेटलाइफ स्टेडियम शामिल हैं।

अमेरिका के प्रस्तावित सात स्टेडियमों और मैक्सिको के एक स्टेडियम में कृत्रिम सतह है। विश्व कप मुकाबलों के आयोजन के लिए इन सभी मैदानों पर प्राकृतिक घास लगानी होगी। इस साल पुरुष विश्व कप के दौरान भी सिएटल के ल्यूमेन फील्ड सहित कई स्टेडियमों में अस्थायी रूप से प्राकृतिक घास की पिचें तैयार की गई थीं।

फीफा ने बताया कि अमेरिकी सरकारी एजेंसियों ने समर्थन पत्र भेजकर आव्रजन, वीजा, कार्य परमिट और सुरक्षा जैसी आवश्यकताओं को पूरा करने की प्रतिबद्धता जताई है।

फीफा ने रिपोर्ट में कहा, इसलिए, हालांकि कुछ प्रतिबद्धताओं के लिए आगे और बातचीत की आवश्यकता है, लेकिन यह भरोसा करने का मजबूत आधार है कि संबंधित सरकारी एजेंसियों के साथ निरंतर संवाद और सहयोग से टूर्नामेंट का सफल आयोजन और संचालन सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी, यदि बोली सफल रहती है।

2035 विश्व कप के लिए 15 शहर और 19 स्टेडियम प्रस्तावित - 2035 विश्व कप के लिए चारों मेजबान देशों ने अपनी संयुक्त बोली की थीम आल टुगेदर रखी है। फीफा की रिपोर्ट के अनुसार, यह बोली चारों सदस्य संघों की साझा प्रतिबद्धता और बड़े अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों की मेजबानी के उनके अनुभव पर आधारित है। इसमें यूईएफए महिला यूरो 2022 और यूईएफए यूरो 2028 का उल्लेख किया गया है।

इस टूर्नामेंट के लिए चारों देशों में 15 मेजबान शहर और 19 स्टेडियम प्रस्तावित किए गए हैं। इनमें इंग्लैंड के 14, आयरलैंड के दो, स्काटलैंड का एक और वेल्स के दो स्टेडियम शामिल हैं। फाइनल मुकाबला लंदन के वेम्बले स्टेडियम में कराने का प्रस्ताव है।

ब्राजील में होने वाले अगले महिला विश्व कप का ड्रा 11 दिसंबर को - फीफा ने अगले वर्ष ब्राजील में होने वाले महिला विश्व कप के ड्रा की प्रक्रिया की भी घोषणा की। टूर्नामेंट का ड्रा 11 दिसंबर को रियो डी जेनेरियो में आयोजित किया जाएगा। ड्रा के लिए टीमों को आठ-आठ के चार पाट में रखा जाएगा। रैंकिंग में शीर्ष चार स्थानों पर रहने वाली टीमों को इस तरह अलग-अलग ग्रुप में रखा जाएगा कि यदि वे अपने-अपने ग्रुप में शीर्ष पर रहती हैं, तो टूर्नामेंट के अंतिम चरण से पहले उनका आमना-सामना नहीं होगा।

राउडीशीटरों और असामाजिक तत्वों पर रखें कड़ी नजर, प्रवर्तन कार्रवाई तेज करें : अंबर किशोर झा

पेद्दापल्ली, 12 नवंबर (शुभ लाभ)।

रामागुंडम पुलिस आयुक्त अंबर किशोर झा ने पुलिस अधिकारियों को अपराध नियंत्रण के लिए सूचना तंत्र मजबूत करने, अपने अधिकार क्षेत्र में होने वाली प्रत्येक महत्वपूर्ण घटना पर तत्काल प्रतिक्रिया देने तथा अपराधों की रोकथाम के लिए प्रभावी एहतियाती कदम उठाने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि अपराध नियंत्रण में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

गुरुवार को कमिश्नरेट कार्यालय में मंचेरियल और पेद्दापल्ली जिलों के पुलिस अधिकारियों के साथ अपराध नियंत्रण, कानून-व्यवस्था, लंबित मामलों, प्रवर्तन कार्रवाई, आपराधिक जांच और अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस दौरान पुलिस आयुक्त ने जिलेवार और थानावार स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने थाना प्रभारियों से प्रत्येक थाने में दर्ज मामलों की वर्तमान स्थिति, जांच की प्रगति, लंबित मामले, आरोपियों की गिरफ्तारी, आरोपपत्र दाखिल करने, साक्ष्य जुटाने, न्यायालयीन मामलों की प्रगति, अपराध नियंत्रण के लिए उठाए जा रहे कदमों तथा प्रवर्तन संबंधी मामलों के पंजीकरण की जानकारी ली।

पुलिस आयुक्त ने सभी थाना प्रभारियों को निर्देश दिया कि वे आम जनता के लिए सहज रूप से उपलब्ध रहें और ईमानदारी एवं प्रतिबद्धता के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करें। उन्होंने कहा कि प्रत्येक अधिकारी को अपने अधिकार क्षेत्र में होने वाली महत्वपूर्ण घटनाओं की पहले से जानकारी और पूरी समझ होनी चाहिए। उच्चाधिकारियों से प्राप्त सूचनाओं पर तत्काल प्रतिक्रिया देते हुए शीघ्र आकलन, समन्वय और प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि समस्या गंभीर होने के बाद स्पष्टीकरण देने की स्थिति उत्पन्न न हो।

उन्होंने चेतावनी दी कि पूर्व सूचना मिलने के बावजूद प्रभावी कार्रवाई नहीं करना अधिकारियों के प्रदर्शन और पर्यवेक्षण पर प्रतिकूल प्रभाव डालेगा। संबंधित अधिकारियों को किसी भी समस्या की जानकारी मिलते ही उसकी निगरानी कर आवश्यक कदम उठाने चाहिए।

अंबर किशोर झा ने कहा कि प्रत्येक थाना प्रभारी और सर्किल इंस्पेक्टर को अपने क्षेत्र की कानून-व्यवस्था, अपराध की स्थिति, संवेदनशील इलाकों, राउडीशीटरों, असामाजिक तत्वों और समस्या उत्पन्न करने वाले व्यक्तियों की पूरी जानकारी होनी चाहिए।



प्रत्येक थाने में महत्वपूर्ण मामलों की विशेष निगरानी सूची तैयार की जाए। इसमें यह निर्धारित किया जाए कि किन मामलों में वरिष्ठ अधिकारियों के व्यक्तिगत ध्यान की आवश्यकता है और किन मामलों को निचले स्तर के अधिकारी निपटा सकते हैं।

उन्होंने आदेश दिया कि राउडीशीटरों और असामाजिक तत्वों की गतिविधियों पर बिना किसी भेदभाव के कड़ी नजर रखी जाए, चाहे उनका राजनीतिक या किसी अन्य प्रकार का जुड़ाव हो। संपत्ति संबंधी अपराधों, शारीरिक हमलों, धमकियों और गैरकानूनी गतिविधियों पर विशेष ध्यान दिया जाए। आवश्यकता पड़ने पर अचानक जांच और परामर्श के माध्यम से उनकी गतिविधियों एवं आवाजाही पर लगातार निगरानी रखी जाए।

पुलिस आयुक्त ने कहा कि पर्यवेक्षण अधिकारी केवल कार्यालयों तक सीमित न रहें, बल्कि अपने क्षेत्रों की वास्तविक स्थिति जानने के लिए दिन और रात में फील्ड स्तर पर दौरे करें। वे थाना प्रभारियों को लगातार मार्गदर्शन दें तथा थानों के दैनिक कामकाज, मामलों की जांच, लंबित प्रकरणों, अपराध की स्थिति और प्रवर्तन कार्रवाई की नियमित समीक्षा करें।

उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी समस्या के उत्पन्न होने के बाद जिम्मेदारी से बचने के बजाय प्रत्येक अधिकारी का दायित्व है कि वह संभावित समस्या की पहले ही पहचान करे और उसके समाधान के लिए आवश्यक कदम उठाए।

अंबर किशोर झा ने लंबित मामलों की लगातार समीक्षा करने, जांच की गुणवत्ता में सुधार लाने और प्रकरणों का शीघ्र निपटारा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आरोपियों की गिरफ्तारी, साक्ष्य जुटाने, तकनीकी साक्ष्यों के उपयोग और आरोपपत्र दाखिल करने सहित अन्य प्रक्रियाओं में किसी प्रकार की देरी नहीं होनी चाहिए।

उन्होंने जांच अधिकारियों को प्रत्येक मामले में जिम्मेदारी से काम करने और न्यायालय में अपराध साबित करने के लिए आवश्यक ठोस साक्ष्य एकत्रित करने की सलाह दी।

पुलिस आयुक्त ने ई-पेटी मामलों और प्रवर्तन संबंधी प्रकरणों के पंजीकरण एवं निपटारे पर विशेष ध्यान देने का आदेश दिया। उन्होंने कहा कि छोटे-मोटे उल्लंघनों को भी नजरअंदाज किए बिना कानून के अनुसार कार्रवाई की जाए। कानून तोड़ने वालों के विरुद्ध समय पर कार्रवाई करने से जनता में कानून के प्रति सम्मान बढ़ेगा और अपराधियों में भय पैदा होगा।

उन्होंने शराब पीकर वाहन चलाने के मामलों में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतने तथा लगातार जांच अभियान चलाकर सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए।

एनडीपीएस मामलों को लेकर पुलिस आयुक्त ने निर्देश दिया कि गांजा या अन्य मादक पदार्थों की थोड़ी मात्रा भी जब्त होने पर मामला दर्ज किया जाए। साथ ही, इसके पीछे सक्रिय आपूर्ति तंत्र, मुख्य आपूर्तिकर्ताओं, बिचौलियों और उपभोक्ताओं के नेटवर्क की पूरी जांच की जाए।

उन्होंने आरोपियों के संपर्कों और नेटवर्क की पहचान के लिए विशेष टीमों का प्रभावी उपयोग करने की सलाह दी। यदि आरोपियों के तार दूसरे राज्यों से जुड़े हों तो संबंधित राज्यों की पुलिस के साथ समन्वय स्थापित कर कानूनी कार्रवाई की जाए।

पुलिस आयुक्त ने कमिश्नरेट क्षेत्र में गैरकानूनी गतिविधियों के विरुद्ध विशेष निगरानी और लगातार कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इनमें अवैध तस्करी, गांजा एवं अन्य मादक पदार्थों की तस्करी, जुआ, राशन चावल की अवैध तस्करी, मवेशियों की तस्करी, रेत की अवैध तस्करी तथा अन्य गैरकानूनी गतिविधियां शामिल हैं।

उन्होंने कहा कि प्रत्येक पुलिस अधिकारी को अपने अधिकार क्षेत्र की पूरी जानकारी होनी चाहिए। अपराध की आशंका वाले क्षेत्रों, संवेदनशील स्थानों, अपराधियों की गतिविधियों और गैरकानूनी कार्यों के बारे में पहले से जानकारी जुटाकर सतर्कता बरती जाए तथा आवश्यकतानुसार तत्काल प्रभावी कार्रवाई की जाए।

केबीआर पार्क पर राधे-राधे ग्रुप ने किया नियमित अन्नसेवा कार्यक्रम



हैदराबाद। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के पास स्थित केबीआर पार्क में गुरुवार को नियमित अन्नसेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर ग्रुप के सदस्यों ने सेवा, समर्पण और सहयोग की भावना के साथ जरूरतमंदों को अन्नसेवा प्रदान की।

कार्यक्रम में सतीश कुमार गुप्ता, मनीष अग्रवाल, भंवरलाल गुप्ता एवं कमल मूंदड़ा सहित राधे-राधे ग्रुप के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। सभी सदस्यों ने मिलकर सेवा कार्य में सहभागिता निभाई।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद का उद्देश्य समाज में सेवा, सहयोग और मानवता की भावना को मजबूत करना है। ग्रुप द्वारा नियमित रूप से संचालित अन्न-सेवा कार्यक्रम के माध्यम से यह संदेश दिया जा रहा है कि जरूरतमंदों की सेवा ही सच्चा धर्म है और मानव सेवा से बढ़कर कोई सेवा नहीं है।

छठ पूजा की तैयारियों की समीक्षा



हैदराबाद, 13 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। जन सेवा संघ की ओर से सिकंदराबाद के नेकलेस रोड पर छठ पूजा घाट प्रभारियों एवं प्रमुख सदस्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। महासचिव सुरेश पंडित ने बताया कि बैठक में छठ पूजा की तैयारियों एवं व्यवस्थाओं की समीक्षा कर सरकारी अधिकारियों से स्वीकृत सभी घाटों पर भव्य एवं सुव्यवस्थित आयोजन का निर्णय लिया गया।बैठक में अध्यक्ष विश्वजीत सिंह, उपाध्यक्ष ए.ए. खान, कोषाध्यक्ष सुशील श्रीवास्तव, छठ पूजा समिति संयोजक आर.पी. सिंह, प्रोटोकॉल समिति संयोजक श्रीकांत पांडेय, एल.एम. चौधरी, जितेंद्र सिंह, नारायण ओझा, संजय यादव, के.डी. चौबे, बिनित सिंह एवं बबलू ओझा सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। संघ ने श्रद्धालुओं एवं छठ व्रतियों से पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ पर्व में शामिल होने की अपील की।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

अन्नदाता...

जबकि भारत के किसानों को यह केवल 1,300 रुपये में दी जा रही है। इसी तरह यूरिया की एक बोरी की अंतरराष्ट्रीय कीमत करीब 3 हजार रुपये है, लेकिन भारत में किसानों को यह 300 रुपये से भी कम में मिल रही है।

छोटे किसानों को बाजार से जोड़ने पर जोर

प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार छोटे किसानों को निर्यात बाजार यानी विदेशों के बाजारों से जोड़ने का प्रयास कर रही है। इससे किसानों को अपनी उपज बेचने के नए अवसर मिलेंगे। उन्होंने कहा कि सरकार की नीति और नीयत स्पष्ट है तथा किसानों पर खेती का बोझ कम करना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि जब किसानों का हित सर्वोपरि होता है, तो सरकार को ऐसे फैसले लेने पड़ते हैं। सरकार नागरिकों और किसानों के हितों को ध्यान में रखकर काम कर रही है। इस दौरान उन्होंने खेती से जुड़े कई मुद्दों पर चर्चा की और किसानों की आय बढ़ाने के प्रयासों का भी उल्लेख किया।

विपक्ष पर...

इस घटना का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने स्वतंत्र शोध और लोकतांत्रिक व्यवस्था के संदर्भ में सवाल उठाया कि जिन लोगों ने अपने कार्यकाल में ऐसा रवैया अपनाया, वे आज लोकतंत्र की बात किस आधार पर करते हैं।

संविधान की प्रति लेकर घूम रहे लोग

विपक्ष पर तंज कसते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि आजकल कुछ लोग संविधान की प्रति अपनी जेब से निकालकर घूमते हैं। वे समझते हैं कि देश का संविधान और लोकतंत्र उनकी जेब में है। सरकार में नहीं रहते हुए भी उन्हें सत्ता का अलग ही नशा है, लेकिन जब ये लोग स्वयं सत्ता में थे, तब उनका रवैया कैसा था? प्रधानमंत्री ने कहा कि इसके लिए वह एक छोटा-सा किस्सा सुनाना चाहते हैं।

उन्होंने कहा कि एक समय मीडिया बेहतर प्रदर्शन करने वाले राज्यों की रैंकिंग करता था। इसी तरह अर्थव्यवस्था से जुड़ी रैंकिंग में गुजरात पहले स्थान पर आया था। उस समय वह गुजरात के मुख्यमंत्री थे। जिस संस्था ने गुजरात को पहले स्थान की रैंकिंग दी थी, उसका नाम देश के पूर्व प्रधानमंत्री के नाम पर था। प्रधानमंत्री ने कहा कि इतना संकेत काफी है, बाकी नाम लोग स्वयं खोज सकते हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि यह रैंकिंग देश के प्रतिष्ठित अर्थशास्त्रियों के शोध के आधार पर दी गई थी, लेकिन दिल्ली की सत्ता पर काबिज लोगों को गुजरात का सम्मान रास नहीं आया। उन्होंने आरोप लगाया कि शोधकर्ताओं को बाकायदा आदेश दिया गया कि अब कोई भी रिपोर्ट प्रकाशित करने से पहले सरकार से मंजूरी लेनी होगी।

प्रधानमंत्री का यह बयान विपक्ष के उन नेताओं पर सीधा पलटवार माना जा रहा है, जो लगातार केंद्र सरकार पर लोकतांत्रिक संस्थाओं और संवैधानिक मूल्यों को लेकर सवाल उठाते रहे हैं।

भागवत...

उन्हें अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (खुफिया) के माध्यम से पुलिस महानिदेशक को रिपोर्ट करना होगा।

यातायात और सड़क सुरक्षा विभाग में भी बदलाव

तेलंगाना रेलवे एवं सड़क सुरक्षा के पुलिस महानिरीक्षक के. रमेश नायडू का तबादला कर उन्हें पुलिस महानिरीक्षक, रेलवे नियुक्त किया गया है। उन्हें टीजी-टीएमएआरएस के निदेशक को रिपोर्ट करना होगा।

हैदराबाद सिटी के संयुक्त पुलिस आयुक्त (यातायात) डी. जोएल डेविस का तबादला कर उन्हें संयुक्त निदेशक, सड़क सुरक्षा तथा संयुक्त निदेशक, यातायात, टीजी-टीएमएआरएस नियुक्त किया गया है। इसके साथ ही उन्हें अगले आदेश तक संयुक्त पुलिस आयुक्त, यातायात, हैदराबाद सिटी का पूर्ण अतिरिक्त प्रभार भी सौंपा गया है।

फ्यूचर सिटी पुलिस कमिश्नरेट की संयुक्त पुलिस आयुक्त (प्रशासन एवं यातायात) जी. चंदना दीप्ति को अगले आदेश तक पुलिस उपमहानिरीक्षक, जोन-7, जोगुलाम्बा का पूर्ण अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। उन्होंने स्थानांतरित किए गए एल.एस. चौहान का स्थान लिया है। इसी प्रकार हैदराबाद स्थित खुफिया विभाग के सीआई सेल में पुलिस उपमहानिरीक्षक आर. भास्करन को अगले आदेश तक पुलिस उपमहानिरीक्षक (खुफिया), तेलंगाना का पूर्ण अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है।

अन्य अधिकारियों को भी मिली नई जिम्मेदारी

राज्य अपराध अभिलेख ब्यूरो (एससीआरबी), अपराध जांच विभाग (सीआईडी) के पुलिस उपमहानिरीक्षक के. नारायण नाइक को अगले आदेश तक पुलिस उपमहानिरीक्षक, जोन-2, बासरा का पूर्ण अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। एल.एस. चौहान को पुलिस उपमहानिरीक्षक, समन्वय के पद पर नियुक्त किया गया है। इसके साथ ही उन्हें अगले आदेश तक पुलिस उपमहानिरीक्षक, जोन-6, चारमीनार का पूर्ण अतिरिक्त प्रभार भी सौंपा गया है।

पदस्थापना की प्रतीक्षा कर रहीं एसपीएस अधिकारी श्री बाला देवी को उपनिदेशक (प्रशासन), तेलंगाना यातायात प्रबंधन, सड़क एवं रेल सुरक्षा ब्यूरो (टीजी-टीएमएआरएस) नियुक्त किया गया है। वहीं, पदस्थापना की प्रतीक्षा कर रहे एसपीएस अधिकारी वी. अरविंद बाबू को हैदराबाद सिटी में पुलिस उपायुक्त (डीसीपी), एसएम एवं आईटी के पद पर नियुक्त किया गया है।इन सभी तबादलों एवं नियुक्तियों के संबंध में तेलंगाना सरकार की ओर से मुख्य सचिव संजय जाजू ने आधिकारिक आदेश जारी किए हैं।

इश्क...

उभरने के दौरान वह इसके वित्त विभाग का नेतृत्व करती रही हैं।

एनवीडिया से जुड़ने से पहले भी क्रेस को प्रौद्योगिकी उद्योग में काम करने का लंबा अनुभव रहा है। उन्होंने करीब 25 वर्षों तक अलग-अलग बड़ी प्रौद्योगिकी कंपनियों में वित्त से जुड़े पदों पर काम किया। इनमें सिस्को और माइक्रोसॉफ्ट जैसी कंपनियां शामिल हैं।

अब उनके सामने कंपनी के रोजमर्रा के कामकाज को संभालने के साथ-साथ जेनसन हुआंग के बाद नेतृत्व में बदलाव को सुचारू रूप से आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी होगी। हालांकि, कंपनी ने अभी यह नहीं बताया है कि स्थायी सीईओ की नियुक्ति कब तक की जाएगी।

कोलेट क्रेस ने एनवीडिया परिवार को संबोधित करते हुए कहा, ''मुझे इस कंपनी और इसके भविष्य पर पूरा भरोसा है। सबसे बढ़कर, मुझे आप सभी पर, हमारे ग्राहकों और भागीदारों पर तथा वैश्विक अर्थव्यवस्था में हर दिन हमारी महत्वपूर्ण भूमिका पर गहरा विश्वास है। निदेशक मंडल, कार्यकारी टीम और मैं समझते हैं कि यह समय बेहद मुश्किल रहा है। मैं चाहती हूं कि आप सभी जानें कि आपके धैर्य, पेशेवर रवैये और लगातार मेहनत के लिए हम कितने आभारी हैं। आप सभी का धन्यवाद। इस कंपनी ने आज तक जो कुछ हासिल किया है, वह आप सभी की हर दिन की मेहनत की वजह से संभव हुआ है। आप ही हमारी सबसे बड़ी ताकत हैं। आने वाले दिनों में कंपनी का नेतृत्व आपको हमारे साझा भविष्य के बारे में और जानकारी देगा। इसके अलावा, 18 नवंबर को सुबह 9 बजे प्रशांत मानक समय के अनुसार कंपनी की एक बैठक भी आयोजित की जाएगी।

1.58 ट्रिलियन...

इस तरह निवेशकों के करीब 1.58 ट्रिलियन डॉलर डूब चुके हैं। एनवीडिया को पिछले एक महीने में जितना नुकसान हुआ है, वह इंडोनेशिया की कुल सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के बराबर बताया जा रहा है। इससे कम सऊदी अरब की अर्थव्यवस्था है।

कंपनी को बड़ा वित्तीय नुकसान

पिछले एक महीने में एनवीडिया के शेयर करीब 24 प्रतिशत टूट चुके हैं। वहीं, कथित प्रेम संबंधों का मामला सामने आने के बाद पिछले पांच दिनों में कंपनी के शेयरों में 10 प्रतिशत से अधिक की गिरावट देखी गई है। एक के बाद एक दो कथित प्रेम संबंधों के मामले सामने आए हैं। पिछले सप्ताह एनवीडिया के सीईओ जेनसन हुआंग पर सिंगापुर की क्लाउड कंप्यूटिंग कंपनी 'मेगास्पीड' की पूर्व कार्यकारी एलिस हुआंग के साथ संबंध होने की खबरें सामने आई थीं। इस मामले के बाद राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े जोखिमों को लेकर सवाल उठने लगे। विभिन्न रिपोर्टों में एलिस हुआंग को चीनी जासूस बताया जा रहा है। इसके बाद एक और कथित प्रेम संबंध का मामला सामने आया है। जेनसन हुआंग का दूसरा कथित संबंध कंपनी की ही स्वास्थ्य सेवा उपाध्यक्ष किम्बर्ली पॉवेल के साथ होने का दावा किया गया है। हालांकि, मामला उजागर होने के बाद जेनसन हुआंग ने अपनी पत्नी को धोखा देने की बात स्वीकार करते हुए सार्वजनिक रूप से माफी मांगी है। उन्होंने यह भी कहा कि वह कंपनी और अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं।

हमारी पाँच....

उन्होंने कहा, पंजाब की जमीन के नीचे मौजूद संपत्ति कभी कोई समस्या नहीं रही। यही स्थिति पूरे पाकिस्तान, इसके चारों प्रांतों और अन्य इकाइयों के मामले में भी है। असली समस्या तो जमीन के ऊपर मची अफरा-तफरी थी।

मरियम ने बताया कि ढाई साल पहले प्रांतीय खान एवं खनिज विभाग का राजस्व करीब 10 अरब रुपये था, जो अब बढ़कर 40 अरब रुपये हो गया है। उन्होंने आगे कहा, और यह तो बस शुरुआत है। उन्होंने पंजाब में मौजूद लौह अयस्क के भंडार का भी उल्लेख किया और बताया कि चिनियोट में 261.5 मिलियन टन लौह अयस्क मौजूद है। उन्होंने कहा कि प्रांतीय सरकार खनन क्षेत्र में निवेश को बढ़ावा देने और निवेशकों के लिए अनुकूल माहौल तैयार करने की दिशा में कदम उठा रही है।

पंजाब की मुख्यमंत्री ने कहा कि देश के सबसे अधिक आबादी वाले प्रांत की प्रमुख के तौर पर उनकी भूमिका निवेशकों की मदद करना तथा लालफीताशाही, प्रशासनिक देरी और अनावश्यक रुकावटों को दूर करके उनके लिए अनुकूल माहौल बनाना है।

औवैसी ...

इससे भाजपा को 2 से 3 प्रतिशत वोटों का और नुकसान होगा। इससे भाजपा की स्थिति बेहद कमजोर हो जाएगी।

कठपुतली और वोटों पर तंज

अखिलेश यादव ने ओवैसी-चंद्रशेखर गठबंधन की मंशा पर सवाल उठाते हुए सख्त संदेश भी दिया। उन्होंने कहा कि जिनका मकसद केवल बातों और बयानों से राजनीतिक सरगर्मी पैदा करना होता है, जनता उनका सच समझती है।

उन्होंने कहा कि ऐसे नए मोर्चों से लोकतंत्र और भी मजबूत होता है, बशर्ते इसके पीछे अपने समाज की भलाई की मंशा हो, किसी तीसरे का काला मंसूबा नहीं। यदि कोई राजनीति की कठपुतली बनकर रह जाता है, तो जनता उसकी जमानत भी जब्त करवा देती है।

सपा प्रमुख ने उम्मीद जताई कि इस कदम से राजनीति में वोटों की ठेकेदारी की प्रथा खत्म होगी और हर कोई अपने समाज के वास्तविक हितों के लिए काम करेगा।

यूपी में पीडीए सबसे बड़ा विकल्प

अखिलेश यादव ने आगामी विधानसभा चुनाव की तस्वीर स्पष्ट करते हुए कहा कि लंबे समय से अपेक्षित इस घटनाक्रम के बाद यह स्पष्ट हो गया है कि चुनाव में जिसका आधारभूत वोट अधिक होगा, वास्तव में परिवर्तन चाहने वाली जनता उसी की ओर जाएगी। उन्होंने दावा किया कि इस संदर्भ में पीडीए से बड़ा कोई अन्य विकल्प मौजूद नहीं है।

अवधेश प्रसाद और नदवी का हमला

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने जहां बेहद सधी हुई प्रतिक्रिया दी, वहीं सपा सांसद अवधेश प्रसाद ने सीधे हमला बोला। उन्होंने इस मोर्चे को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि लोकतंत्र में किसी को भी चुनाव लड़ने या गठबंधन करने का अधिकार है, लेकिन उत्तर प्रदेश की राजनीति में इस गठबंधन का कोई खास महत्व नहीं है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता भाजपा सरकार से त्रस्त है और उन्हें भरोसा है कि केवल अखिलेश यादव और समाजवादी पार्टी ही भाजपा को सत्ता से बाहर कर सकते हैं।

वहीं, सपा के अन्य वरिष्ठ नेताओं ने इस गठबंधन को सीधे तौर पर भाजपा की बी-टीम करार दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि ओवैसी और चंद्रशेखर पर्दे के पीछे से भाजपा के इशारे पर सपा के वोट बैंक में सेंध लगाने के लिए साथ आए हैं।

सपा सांसद मोहिबुल्लाह नदवी ने कहा कि विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' में तो पहले से ही मुस्लिम शामिल हैं। ओवैसी अपनी स्थिति मजबूत करने के बजाय चंद्रशेखर के लिए राजनीतिक जमीन तैयार करने हैदराबाद से क्यों आ रहे हैं?

उन्होंने कहा कि मैं मुसलमानों को 'अब्दुल' कहे जाने पर कड़ी आपत्ति जताता हूं। सही शब्द 'मुस्लिम' या 'मुसलमान' हैं। मुसलमानों को अपने अधिकारों की रक्षा स्वयं करनी चाहिए और दूसरे राज्यों के नेताओं पर निर्भर रहने के बजाय अपनी समझ से अपने प्रतिनिधि चुनने चाहिए।

नदवी ने कहा कि ओवैसी को अपने गृह राज्य के मुद्दों पर ध्यान देना चाहिए। ऐतिहासिक चारमीनार को मंदिर में बदलने की कोशिशें हो रही हैं। वे इस मुद्दे पर कुछ क्यों नहीं बोलते?

अखिलेश पर ओवैसी का पलटवार

असदुद्दीन ओवैसी ने चंद्रशेखर आजाद के साथ गठबंधन का ऐलान करने के साथ ही सपा प्रमुख अखिलेश यादव को भी निशाने पर लिया। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव मुसलमानों को केवल मतदाता के तौर पर देखते हैं, नेता के तौर पर नहीं।

16 को बंद ...

इस साल अकेले बदरीनाथ धाम में 22 लाख 70 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने दर्शन किए। श्रद्धालुओं की इस संख्या के साथ धाम ने नया रिकॉर्ड बनाया है।ठंड और बर्फबारी के बावजूद बदरीनाथ धाम में श्रद्धालुओं की आवाजाही लगातार बनी रही। कपाट बंद होने के बाद छह महीने तक धाम में देवताओं की पूजा-अर्चना की परंपरा निभाई जाएगी। इस दौरान श्रद्धालु भगवान बदरी विशाल के दर्शन नहीं कर सकेंगे।हालांकि, भगवान के प्रतिनिधि उद्धव जी और देवताओं के खजांची कुबेर जी के दर्शन शीतकालीन प्रवास स्थल पांडुकेश्वर में होंगे, जबकि आदि गुरु शंकराचार्य जी की गद्दी के दर्शन ज्योतिर्मठ स्थित नृसिंह मंदिर में किए जा सकेंगे।

वैदिक परंपराओं और पौराणिक मान्यताओं के अनुसार बदरीनाथ धाम में पांच दिनों तक पंच पूजाओं का विधान संपन्न कराया जा रहा है। रावल अंबरनाथ नंबूदरी, धर्माधिकारी स्वयंबर सेमवाल और वेदपाठियों की मौजूदगी में धार्मिक अनुष्ठान किए जा रहे हैं।

पंच पूजा के पहले दिन सुबह भगवान गणेश की मूर्ति को उनके परिसर स्थित मंदिर से लाकर मुख्य गर्भगृह में विराजमान किया गया। इसके बाद पूजा-अर्चना संपन्न होने पर देर शाम गणेश मंदिर के कपाट शीतकाल के लिए बंद कर दिए गए।पंच पूजा के दूसरे दिन शुक्रवार को आदि केदारेश्वर और आदि गुरु शंकराचार्य मंदिर के कपाट बंद किए जाएंगे। तीसरे दिन शनिवार, 14 नवंबर को वेद-पुराणों, वेद ऋचाओं और खड्ग-पुस्तक के वाचन की प्रक्रिया संपन्न कर दी जाएगी।चौथे दिन रविवार, 15 नवंबर को माता लक्ष्मी को विशेष कढ़ाई भोग अर्पित किया जाएगा। इसके बाद मुख्य पुजारी (रावल) माता लक्ष्मी को भगवान नारायण के साथ गर्भगृह में विराजमान होने का निमंत्रण देंगे।अंतिम दिन सोमवार, 16 नवंबर को माता लक्ष्मी को गर्भगृह में विराजमान कराया जाएगा और रात्रि 9 बजकर 37 मिनट पर शुभ मुहूर्त में भगवान बदरी विशाल के कपाट शीतकाल के लिए बंद कर दिए जाएंगे।

17 नवंबर को रवाना होगी पवित्र गद्दी

बदरीनाथ धाम के वेदपाठी डॉ. अमित बंदोलिया ने बताया कि वर्ष 2026 की चारधाम यात्रा अब समापन की ओर है। तीन धामों के कपाट बंद हो चुके हैं और बदरीनाथ धाम में पंच पूजाओं का शुभारंभ हो गया है। उन्होंने बताया कि पांच दिनों तक चलने वाली इन धार्मिक परंपराओं के तहत निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार पूजा-अर्चना संपन्न कराई जाएगी और 16 नवंबर की रात भगवान बदरी विशाल के कपाट शीतकाल के लिए बंद कर दिए जाएंगे।इसके अगले दिन मंगलवार, 17 नवंबर को भगवान बदरी विशाल के प्रतिनिधि उद्धव जी, देवताओं के खजांची कुबेर जी, गरुड़ जी और आदि गुरु शंकराचार्य जी की पवित्र गद्दी शीतकालीन प्रवास के लिए पांडुकेश्वर एवं ज्योतिर्मठ स्थित नृसिंह मंदिर के लिए रवाना होगी। इसके साथ ही बदरीनाथ धाम की वर्ष 2026 की चारधाम यात्रा का विधिवत समापन हो जाएगा।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar,
Hyderabad - 500 037
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, शुक्रवार, 13 नवंबर , 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

अग्रवाल समाज का सामूहिक अन्नकूट महोत्सव 16 को



हैदराबाद, 12 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना द्वारा आगामी 16 नवंबर 2026, सोमवार को क्लासिक गार्डन, सिकंदराबाद में भव्य सामूहिक अन्नकूट महोत्सव का आयोजन हर्षोल्लास एवं भक्तिमय वातावरण में किया जाएगा। यह धार्मिक एवं सामाजिक समारोह शाम 6 बजे से प्रभु की इच्छा तक आयोजित होगा।

इस विशेष आयोजन में भगवान श्रीकृष्ण को समर्पित भव्य गोवर्धन पूजा की जाएगी। इसके अंतर्गत आकर्षक गोवर्धन पर्वत का निर्माण किया जाएगा, जिसकी श्रद्धालु विधिवत परिक्रमा करेंगे। भगवान को विभिन्न प्रकार के छप्पन भोग अर्पित किए जाएंगे। अन्नकूट प्रसाद में जीया गुड़ा के विशेष प्रसाद को भी शामिल किया गया है, जो इस आयोजन का विशेष आकर्षण रहेगा। धार्मिक अनुष्ठानों के साथ भव्य भजन संध्या का भी आयोजन होगा, जिसमें भक्तजन भजनों के माध्यम से प्रभु की आराधना करेंगे। सभी समाज बंधुओं एवं परिवारजनों से सपरिवार उपस्थित होकर गोवर्धन पूजा, परिक्रमा, भजन संध्या एवं महाप्रसाद का आनंद लेने का आग्रह किया गया है।

सभी शाखाओं की सामूहिक सहभागिता

इस वर्ष के अन्नकूट महोत्सव की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि अग्रवाल समाज तेलंगाना द्वारा पहली बार सभी शाखाओं को एक साथ जोड़कर सामूहिक अन्नकूट महोत्सव आयोजित किया जा रहा है। समाज की सभी शाखाओं के अध्यक्षों, पदाधिकारियों एवं सदस्यों से विशेष अनुरोध किया गया है कि वे अपनी-अपनी शाखाओं के माध्यम से इस सामूहिक आयोजन में सहभागिता सुनिश्चित करें।

आयोजकों का उद्देश्य समाज के सभी परिवारों एवं शाखाओं को एक मंच पर लाकर आपसी एकता, धार्मिक आस्था और सामाजिक समरसता को और अधिक सुदृढ़ करना है। इस अवसर पर सभी समाज बंधु भगवान श्रीकृष्ण का आशीर्वाद प्राप्त कर अग्रवाल समाज की सुख-समृद्धि, एकता एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए सामूहिक प्रार्थना करेंगे।

आयोजन समिति एवं पदाधिकारी

इस भव्य अन्नकूट महोत्सव के चेयरमैन श्री राजेंद्र कुमार अग्रवाल रहेंगे। कार्यक्रम के एडवाइजर्स के रूप में श्री मोहन अग्रवाल, श्री राधेश्याम गुप्ता, श्री सुरेश अग्रवाल (दिल्ली वाले), श्री सिरी सुरेश कुमार अग्रवाल एवं श्री राजेश गोयल मार्गदर्शन एवं सहयोग प्रदान करेंगे।

कार्यक्रम के कन्वेनर्स के रूप में श्री रामप्रकाश गोयल, श्री गोपाल अग्रवाल, श्री ओमप्रकाश बंसल, श्री दीपक गुप्ता एवं श्री मानसा राम जी आयोजन की जिम्मेदारी संभालेंगे।

आयोजन समिति द्वारा कार्यक्रम की समस्त व्यवस्थाएं सुचारू एवं सुव्यवस्थित रूप से करने की तैयारियां की जा रही हैं, ताकि श्रद्धालुओं को पूजा-अर्चना, परिक्रमा, भजन संध्या एवं प्रसाद ग्रहण करने में किसी प्रकार की असुविधा न हो।

एकता का बनेगा प्रतीक

अग्रवाल समाज तेलंगाना की सेक्रेटरी डॉ. सीमा जैन ने सभी शाखाओं एवं समाज बंधुओं को सूचना देते हुए विशेष आग्रह किया है कि वे अधिक से अधिक संख्या में परिवार सहित इस भव्य अन्नकूट महोत्सव में सम्मिलित होकर आयोजन की शोभा बढ़ाएं और इसे सफल बनाएं।

डॉ. सीमा जैन ने कहा कि यह केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि पूरे अग्रवाल समाज को एक सूत्र में बांधने का महत्वपूर्ण प्रयास है। सभी शाखाओं की सामूहिक सहभागिता से यह महोत्सव समाज की एकता, सहयोग एवं सामूहिक शक्ति का प्रतीक बनेगा।

उन्होंने सभी समाज बंधुओं से अपील की कि वे अपनी उपस्थिति एवं सहयोग से इस ऐतिहासिक सामूहिक अन्नकूट महोत्सव को भव्य एवं यादगार बनाएं तथा भगवान श्रीकृष्ण का आशीर्वाद प्राप्त करें।

30 सितंबर 2026 को समाप्त तिमाही और छमाही के लिए

मिधानि के वित्तीय परिणाम

हैदराबाद, 12 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

मिनी-रत्न रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम (झडण) मिश्र धातु निगम लिमिटेड (मिधानि) ने वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी तिमाही के दौरान 295.91 करोड़ का टर्नओवर हासिल किया है। यह पिछले वर्ष की इसी तिमाही में दर्ज 209.73 करोड़ के टर्नओवर की तुलना में 41.09% की वृद्धि है।

वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी तिमाही के दौरान उत्पादन मूल्य (वीओपी) 310.80 करोड़ रहा, जिसमें पिछले वर्ष की इसी तिमाही में दर्ज 256.38 करोड़ के वीओबी की तुलना में 21.23% की वृद्धि हुई है।

वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी तिमाही के दौरान कर से पहले का लाभ (पीबीटी) 38.75 करोड़ रहा, जो पिछले वर्ष की इसी तिमाही में दर्ज 19.13 करोड़ के पीबीटी की तुलना में 102.56% की वृद्धि है।

वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी तिमाही के दौरान कर के बाद का लाभ (पीएटी) 27.69 करोड़ रहा, जो पिछले वर्ष की इसी तिमाही में दर्ज 12.77 करोड़ के पीएटी की तुलना में 116.84% की वृद्धि है।

वित्त वर्ष 2026-27 की पहली छमाही के दौरान कंपनी ने 535.40 करोड़ का टर्नओवर हासिल किया है। यह पिछले वर्ष की इसी अवधि में दर्ज 380.22 करोड़ के टर्नओवर की तुलना में 40.81% की वृद्धि है।

वित्त वर्ष 2026-27 की पहली छमाही के दौरान उत्पादन मूल्य (वीओपी) 571.15 करोड़ रहा, जिसमें पिछले वर्ष की इसी अवधि में दर्ज 497.67 करोड़ के वीओपी की तुलना में 14.76% की वृद्धि दर्ज की गई है।

वित्त वर्ष 2026-27 की पहली छमाही के दौरान कर से पहले का लाभ (पीबीटी) 62.67 करोड़ रहा, जिसमें पिछले वर्ष की इसी अवधि में दर्ज 38.12 करोड़ के पीबीटी की तुलना में 64.40% की वृद्धि दर्ज की गई है।

वित्त वर्ष 2026-27 की पहली छमाही के दौरान कर के बाद का लाभ (पीएटी) 44.01 करोड़ रहा, जिसमें पिछले वर्ष की इसी अवधि में दर्ज 25.58 करोड़ के पीएटी की तुलना में 72.05% की वृद्धि दर्ज की गई है।

1 अक्टूबर 2026 तक कंपनी की ऑर्डर बुक की स्थिति 2,164 करोड़ थी।

'भारत को जानो' क्विज़ प्रतियोगिता में ब्रह्म प्रकाश डीएवी स्कूल का शानदार प्रदर्शन

सीनियर एवं जूनियर वर्ग में विद्यालय के चारों विद्यार्थियों ने हासिल किया प्रथम स्थान



हैदराबाद, 12 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। ब्रह्म प्रकाश डी ए वी स्कूल के विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा, ज्ञान और उत्कृष्ट प्रदर्शन से विद्यालय का गौरव बढ़ाया है। भारत विकास परिषद, विद्यारण्य विभाग, संतोषनगर के तत्वावधान में 12 नवंबर को आयोजित प्रतिष्ठित 'भारत को जानो' क्विज़ प्रतियोगिता में विद्यालय के चारों प्रतिभागियों ने अपने-अपने वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त कर शानदार सफलता हासिल की।

सीनियर वर्ग में कक्षा 9 के विद्यार्थियों हर्षित साहू एवं स्वरित लायक ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि जूनियर वर्ग में कक्षा 8 की छात्राएँ अविका कुमारी एवं विदिशा कुमारी ने प्रथम स्थान हासिल कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया और अपनी ज्ञान क्षमता, आत्मविश्वास तथा उत्कृष्ट प्रदर्शन का परिचय दिया।

प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों में भारतीय इतिहास, संस्कृति, परंपराओं एवं राष्ट्रीय विरासत के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा उनमें देशभक्ति और ज्ञान के प्रति रुचि विकसित करना है। चारों विद्यार्थियों की यह उपलब्धि उनकी मेहनत, लगन और तैयारी का प्रतिफल है।

इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर विद्यालय के प्राचार्य श्री वी. एस. प्रशांत ने सभी विजेता विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

इस अवसर पर विद्यालय की अध्यक्ष श्रीमती के. मधुबाला, डी ए वी स्कूल के ए आर ओ श्री वी. एन. एन. के. शेषाद्रि, प्रधानाचार्य श्री वी. एस. प्रशांत, एल एम सी के सदस्य, शिक्षकगण एवं अभिभावकों ने विद्यार्थियों की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त की और उन्हें शुभकामनाएँ दीं।

'नन्हें हाथ – हमारे साथ' कार्यक्रम कल

हैदराबाद, 12 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

ऑटिज्म के क्षेत्र में पिछले एक दशक से जनजागरूकता और सेवा कार्यों में सक्रिय माधव ऑटिज्म फाउंडेशन की ओर से इस वर्ष बाल दिवस के अवसर पर 14 नवंबर, शनिवार को 'नन्हें हाथ – हमारे साथ' कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।

यह कार्यक्रम साईबाबा नगर, काटेदान स्थित गीतांजलि हाई स्कूल में दोपहर 12 बजे आयोजित होगा। इस अवसर पर स्कूल के लगभग 450 बच्चों को भोजन और उपहार वितरित कर उनके चेहरों पर खुशियां लाने का प्रयास किया जाएगा।

फाउंडेशन के सचिव डॉ. दिलीप पंसारी द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, कार्यक्रम में फाउंडेशन की संस्थापिका एवं अध्यक्ष डॉ. सुमन सराफ छात्र-छात्राओं को ऑटिज्म के बारे में अत्यंत संक्षिप्त और सरल भाषा में जानकारी देंगी। वे बच्चों के दैनिक जीवन और दिनचर्या से जुड़े केवल 4-5 विषयों एवं गतिविधियों पर ध्यान आकर्षित करते हुए उन्हें ऑटिज्म के प्रति सचेत और जागरूक करेंगी।

कार्यक्रम के दौरान गीतांजलि हाई स्कूल के शिक्षकों के साथ-साथ फाउंडेशन की सहयोगी संस्थाओं, सुमन ऑटिज्म सेंटर के तीनों केंद्रों तथा टर्टल प्ले स्कूल से जुड़े सदस्यों को भी सम्मानित किया जाएगा। ये सदस्य निरंतर विशिष्ट सेवाएं प्रदान कर रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि माधव ऑटिज्म फाउंडेशन पिछले 10 वर्षों से प्रत्येक वर्ष बाल दिवस (14 नवंबर) और विश्व ऑटिज्म जागरूकता दिवस (2 अप्रैल) के अवसर पर विभिन्न जागरूकता एवं सेवा कार्यक्रमों का आयोजन करता आ रहा है। इन कार्यक्रमों के सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। फाउंडेशन का उद्देश्य ऑटिज्म के प्रति समाज में समझ और जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ बच्चों को प्रेम, सहयोग और प्रोत्साहन प्रदान करना है।

CSIR-IICT में पर्यावरण संरक्षण एवं करियर मार्गदर्शन कार्यक्रम आयोजित



हैदराबाद, 12 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के उपलक्ष्य में जनजातीय गौरव दिवस-2026 के तहत सीएसआईआर-भारतीय रासायनिक प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईसीटी), हैदराबाद की ओर से पर्यावरण संरक्षण, वैज्ञानिक जागरूकता एवं शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए।

भारत सरकार द्वारा 1 से 15 नवंबर तक मनाए जा रहे जनजातीय गौरव दिवस के अंतर्गत 2 नवंबर को संस्थान परिसर में पौधारोपण अभियान चलाया गया। इसमें संस्थान के निदेशक डॉ. डी. श्रीनिवास रेड्डी, वैज्ञानिकों, कर्मचारियों एवं शोधार्थियों ने भाग लिया।

इसके अलावा एकीकृत जनजातीय विकास एजेंसी (आईटीडीए), भद्राचलम के सहयोग से जनजातीय विद्यार्थियों के लिए करियर मार्गदर्शन एवं वैज्ञानिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें डॉ. लिंगा बनोथ, डॉ. सुरेंद्र सिंह जादव, डॉ. आराधना प्रियदर्शिनी, डॉ. सी. चंद्रशेखर एवं पी. रविंदर रेड्डी ने इंटरमीडिएट और डिग्री के विद्यार्थियों को विज्ञान एवं अनुसंधान के क्षेत्र में उच्च शिक्षा और रोजगार के अवसरों की जानकारी दी।

इस अवसर पर विद्यार्थियों के लिए विज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता भी आयोजित की गई तथा उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वालों को पुरस्कार प्रदान किए गए।

कार्यक्रम में आईटीडीए के परियोजना निदेशक बी. राहुल (आईएएस), सहायक परियोजना निदेशक जनरल डेविड राज एवं आरसीओ अरुणा कुमारी का सहयोग रहा। आईटीडीए विद्यालयों के प्रधानाध्यापक एवं वार्डन डी.डी. चंदना, चंद्रमोहन, राधम्मा, भारती देवी और कृष्णा रेड्डी ने भी सक्रिय सहभागिता निभाई।

इस पहल के माध्यम से सीएसआईआर-आईआईसीटी ने जनजातीय समुदायों में वैज्ञानिक जिज्ञासा, शिक्षा के अवसरों और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

वचन कुमार को जन्मदिन की बधाई



हैदराबाद, 12 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के सचिव मुख्तार अहमद ने तेलंगाना महिला एवं बाल अधिकार आयोग के सदस्य श्री वचन कुमार गारू को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर उनके मित्रों, सहकर्मियों एवं शुभचिंतकों ने आत्मीयता के साथ जन्मदिन मनाया तथा उनके अच्छे स्वास्थ्य, सुख-समृद्धि और उज्ज्वल भविष्य की कामना की। समारोह में वचन कुमार के मिलनसार, दयालु एवं सेवाभावी व्यक्तित्व की झलक देखने को मिली। मुख्तार अहमद ने ईश्वर से प्रार्थना की कि वचन कुमार को स्वस्थ, सुखी एवं समृद्ध जीवन प्रदान करें तथा वे अपने कार्यक्षेत्र और आगामी प्रयासों में निरंतर सफलता की नई ऊंचाइयां प्राप्त करें।

पूर्व मंत्री शेत्रुचर्ला विजय राम राजू का निधन

हैदराबाद, 12 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलुगु देशम पार्टी के नेता, वरिष्ठ राजनेता और पूर्व मंत्री शेत्रुचर्ला विजय राम राजू का गुरुवार को आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम के एक निजी अस्पताल में इलाज के दौरान निधन हो गया। वह 78 वर्ष के थे। परिवार के सदस्यों ने बताया कि राजू पिछले कुछ महीनों से बीमार थे और एक निजी अस्पताल में उनका इलाज चल रहा था; आज उनका निधन हो गया।

बिहार समाज सेवा संघ, हैदराबाद की ओर से छठ पूजा में शामिल होने के लिए डीसीपी अविनाश कुमार, डॉ. संजय कुमार, डीआईजी, कार्यालय आईजी, दक्षिणी क्षेत्र तथा समाजसेवी रंजन झा को निमंत्रण पत्र भेंट किया गया। इस अवसर पर छठ पूजा प्रभारी रघुवीर सिंह, राष्ट्रीय चेयरमैन राजू ओझा सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालयों में सृजित ज्ञान समाज के विकास का माध्यम बने : डॉ. राव

हैदराबाद, 12 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

ज्योतिराव फुले का शैक्षिक दर्शन आधुनिक उच्च शिक्षा के लिए आज भी मार्गदर्शक है। यह बात तेलंगाना राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के पूर्व अध्यक्ष डॉ. वकुलाभरणम कृष्ण मोहन राव ने कही। गुरुवार को उस्मानिया विश्वविद्यालय में बीसी सेल एवं महात्मा ज्योतिबा फुले अनुसंधान केंद्र के तत्वावधान में आयोजित महात्मा फुले स्मृति व्याख्यान में उन्होंने मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित किया। उनका व्याख्यान 'विश्वविद्यालयी कक्षाओं का लोकतंत्रीकरण : वर्तमान पीढ़ी के विद्यार्थियों के समक्ष उच्च शिक्षा की चुनौतियों के संदर्भ में फुले के सार्वभौमिक शिक्षा दर्शन का मूल्यांकन' विषय पर केंद्रित था।

उन्होंने कहा कि सार्वभौमिक शिक्षा, समान अवसर और बौद्धिक स्वतंत्रता शैक्षिक लोकतंत्र के प्रमुख आधार हैं। शिक्षकों और विद्यार्थियों के बीच पारस्परिक सम्मान, तार्किक संवाद तथा स्वतंत्र चिंतन का वातावरण विकसित होने से ही फुले की लोकतांत्रिक कक्षाओं की परिकल्पना सार्थक होगी। इससे आलोचनात्मक चिंतन, नए ज्ञान का सृजन और उसका समाज में व्यापक प्रसार संभव होगा।

वर्ष 1882 में हंटर शिक्षा आयोग को फुले द्वारा प्रस्तुत ज्ञापन का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि उसके विचार आज की शिक्षा नीतियों के लिए भी उपयोगी हैं। उन्होंने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, अनुसंधान, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और आधुनिक प्रौद्योगिकी को समान शैक्षिक अवसरों से जोड़ने पर बल दिया। सावित्रीबाई फुले के महिला शिक्षा आंदोलन तथा डॉ. बी.आर. अंबेडकर की सामाजिक लोकतंत्र संबंधी अवधारणा का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों में सृजित ज्ञान कक्षाओं तक सीमित न रहकर समाज के सभी वर्गों तक पहुँचे और सामाजिक परिवर्तन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाए।

कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. जे. माधवी, निदेशक, बीसी सेल एवं महात्मा ज्योतिबा फुले अनुसंधान केंद्र ने की। इस अवसर पर प्रो. लिंगप्पा, डीन, आर्ट्स कॉलेज एवं निदेशक, डॉ. अंबेडकर अनुसंधान केंद्र; प्रो. राजेंद्र कुमार, निदेशक, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ; प्रो. हमीदा बी, निदेशक, अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ; डॉ. चलमल्ला वेंकटेश्वरलु तथा अंग्रेज़ी विभाग के सहायक प्राध्यापक अंबाटी श्रीनिवास सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। उस्मानिया विश्वविद्यालय से संबद्ध विभिन्न महाविद्यालयों तथा हैदराबाद शहर के अन्य महाविद्यालयों के प्राध्यापकों, शोधार्थियों और स्नातकोत्तर विद्यार्थियों ने बड़ी संख्या में भाग लिया।

कालापत्थर हत्याकांड में चार राउडीशीटर दोषी



हैदराबाद, 12 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। कालापत्थर हत्याकांड में एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए नामपल्ली स्थित प्रथम अतिरिक्त मेट्रोपॉलिटन सत्र न्यायालय ने चार आरोपियों को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। दोषी ठहराए गए चारों आरोपी अलग-अलग पुलिस थानों के राउडीशीटर (आदतन अपराधी) हैं। अदालत ने 12 नवंबर 2026 को यह फैसला सुनाया। मामला कालापत्थर पुलिस थाने में दर्ज अपराध संख्या 165/2018, भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 302 सहपठित धारा 34 के तहत दर्ज था। इसकी सुनवाई सत्र वाद संख्या 279/2019 के रूप में हुई। पुलिस के अनुसार, 12 दिसंबर 2018 को दोपहर करीब 2:45 बजे मोहम्मद बिलाल ने शिकायत दर्ज कराई थी कि उनके भाई मोहम्मद शरीफ, जो पानी के टैंकर चालक थे, पर कालापत्थर पुलिस थाना क्षेत्र के मीर आलम वाटर फिल्टर परिसर में कुछ लोगों ने चाकू से बेरहमी से हमला किया है।

आरोपियों ने कथित तौर पर मृतक की आंखों में मिर्च पाउडर झोंकने के बाद चाकू से हमला कर उन्हें कई गंभीर चोटें पहुंचाई थीं। घायल शरीफ को तत्काल हैदराबाद के उस्मानिया जनरल अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

पुलिस जांच में हत्या के पीछे वर्ष 2011 की एक पुरानी रंजिश सामने आई। जुलाई 2011 में मीर आलम टैंक में हुई नौका दुर्घटना में मोइज़ नामक व्यक्ति की डूबने से मौत हो गई थी। उस समय मोइज़ और मोहम्मद शरीफ साथ में नौका विहार के लिए गए थे। इसी दौरान मोइज़ डूब गया था। इस घटना के संबंध में 20 जुलाई 2011 को बहादुरपुरा पुलिस थाने में अपराध संख्या 147/2011 के तहत दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 174 के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया था।

मृतक मोइज़ के भाइयों ए-1 और ए-2 को संदेह था कि उनके भाई की मौत के लिए शरीफ जिम्मेदार हैं। इसी बात को लेकर उन्होंने शरीफ के प्रति रंजिश पाल ली और बदला लेने की योजना बनाई। आरोप है कि अपने साथियों की मदद से साजिश रचकर उन्होंने शरीफ की हत्या कर दी।

शिकायत मिलने पर कालापत्थर पुलिस थाने के तत्कालीन पुलिस निरीक्षक के. कनकैया ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। विस्तृत जांच के बाद आवश्यक चिकित्सकीय और विशेषज्ञ साक्ष्य एकत्र किए गए तथा नामपल्ली स्थित प्रथम अतिरिक्त मेट्रोपॉलिटन सत्र न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल किया गया। इसके बाद मामले की सुनवाई सत्र वाद संख्या 279/2019 के तहत शुरू हुई।

इस मामले की जांच और अदालती कार्यवाही की देखरेख राजेंद्रनगर जोन के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) एस. श्रीनिवास (आईपीएस) तथा फलकनुमा डिवीजन के सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) एम.ए. जावेद ने की।

मुकदमे का समन्वय और निगरानी कालापत्थर पुलिस थाने के पुलिस निरीक्षक मोहम्मद खलील पाशा ने की। इस कार्य में उपनिरीक्षक बी. शिवा कुमार रेड्डी के साथ पुलिसकर्मी पीसी-5651 एस. महेंद्र रेड्डी, पीसी-6894 जे. राघवेंद्र, पीसी-30383 ए. महेश और पीसी-31389 पी. राकेश ने सहयोग किया।12 नवंबर 2026 को नामपल्ली, हैदराबाद स्थित प्रथम अतिरिक्त मेट्रोपॉलिटन सत्र न्यायालय के माननीय न्यायाधीश जी. वेणु ने सत्र वाद संख्या 279/2019 में फैसला सुनाते हुए चारों आरोपियों को दोषी करार दिया और आजीवन कारावास की सजा सुनाई।सरकारी अधिवक्ता (पब्लिक प्रॉसिक्यूटर) अल्लूरी राम रेड्डी ने अदालत में अभियोजन पक्ष की ओर से प्रभावी ढंग से पैरवी की।हैदराबाद सिटी पुलिस ने दोहराया कि वह कानून-व्यवस्था बनाए रखने, पेशेवर और प्रभावी जांच सुनिश्चित करने तथा अभियोजन प्रक्रिया को मजबूत बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। पुलिस के अनुसार, आपराधिक मामलों की गहन जांच, बेहतर समन्वय और निरंतर निगरानी के माध्यम से अपराधियों को न्याय के कटघरे तक पहुंचाने के प्रयास जारी रहेंगे।

भारतीय निर्माण उद्योग की वैश्विक उड़ान

बिग 5 ग्लोबल में दिखेगी भारत की विनिर्माण क्षमता

23 से 26 नवंबर तक दुबई में होगा आयोजन

नई दिल्ली, 12 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। पश्चिम एशिया, अफ्रीका और दक्षिण एशिया में निर्माण एवं शहरी विकास परियोजनाओं का विस्तार होने के साथ भारतीय विनिर्माण कंपनियों के लिए नए व्यावसायिक अवसर पैदा हो रहे हैं। इन क्षेत्रों में निर्माण सामग्री, बुनियादी ढांचे, आवास और टिकाऊ निर्माण समाधानों की बढ़ती मांग के बीच 'बिग 5 ग्लोबल' भारतीय विनिर्माण क्षमताओं को अंतरराष्ट्रीय मंच प्रदान करेगा। यह आयोजन 23 से 26 नवंबर, 2026 तक दुबई वर्ल्ड ट्रेड सेंटर में आयोजित होगा।

भारत का निर्माण बाजार वर्ष 2031 तक 1.1 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। ऐसे में बुनियादी ढांचे, आवास और टिकाऊ निर्माण समाधानों की बढ़ती जरूरत भारतीय निर्माताओं के लिए क्षेत्रीय बाजारों में अपनी पहुंच बढ़ाने के अवसर उपलब्ध करा रही है। यह अनुमान अरांका के स्रोत पर आधारित है।

इस आयोजन में 60 से अधिक देशों के 1,800 से अधिक प्रदर्शक भाग लेंगे और



55,000 से अधिक उत्पाद, सेवाएं, प्रणालियां एवं समाधान पेश करेंगे। इसमें भाग लेने वाले ब्रांडों में 70 प्रतिशत से अधिक अंतरराष्ट्रीय कंपनियां होंगी।

इंजीनियरिंग एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल (ईईपीसी) इंडिया के चेयरमैन पंकज चड्ढा ने कहा कि भारत और संयुक्त अरब अमीरात अपनी व्यापारिक एवं आर्थिक साझेदारी को लगातार मजबूत कर रहे हैं। इससे भारतीय निर्माताओं के लिए तेजी से बढ़ते क्षेत्रीय निर्माण बाजारों से जुड़ने के अवसर पैदा हो रहे हैं।

उन्होंने कहा कि आवास, शहरी विकास, बुनियादी ढांचे की क्षमता, औद्योगिक सुविधाओं और निर्माण की आधुनिक विधियों में निवेश से निर्माण सामग्री, निर्माण प्रणालियों और टिकाऊ समाधानों की मांग बढ़ रही है। बिग 5 ग्लोबल में 80 भारतीय कंपनियों की भागीदारी भारत की विनिर्माण क्षमताओं को प्रदर्शित करने, क्षेत्रीय खरीदारों एवं परियोजना हितधारकों से जुड़ने और निर्माण आपूर्ति शृंखला में नए व्यावसायिक संबंध स्थापित करने का महत्वपूर्ण अवसर है। इस वैश्विक आयोजन में खरीदारों और परियोजना टीमों को विभिन्न उत्पादों एवं सेवाओं के विकल्प एक ही स्थान पर उपलब्ध होंगे। इससे वे परियोजनाओं की बदलती जरूरतों के अनुरूप बेहतर निर्णय ले सकेंगे। निर्माण सामग्री, मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल एवं प्लंबिंग समाधान, भवनों के आंतरिक साज-सज्जा एवं फिनिश, फैब्रिकेशन, अग्नि सुरक्षा, बुनियादी ढांचा उपकरण और औद्योगिक निर्माण उत्पादों सहित परियोजना क्रियान्वयन से जुड़ी प्रमुख जरूरतों को इसमें शामिल किया गया है।

एक ही स्थान पर सात कार्यक्रम आयोजित होंगे, जिनमें भारी निर्माण, कंक्रीट, मार्बल एवं पत्थर, शहरी डिजाइन एवं लैंडस्केप, हीटिंग, वेंटिलेशन, एयर कंडीशनिंग एवं रेफ्रिजरेशन (एचवीएसीआर), डिजिटल निर्माण, भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी और सुविधाओं का प्रबंधन शामिल हैं। ये क्षेत्र निर्माण उद्योग की परस्पर जुड़ी जरूरतों को प्रदर्शित करेंगे। इससे हितधारकों को विभिन्न समाधानों की तुलना करने, आपूर्तिकर्ताओं के नेटवर्क का विस्तार करने और संपत्ति के पूरे जीवनचक्र में उत्पादकता बढ़ाने वाली तकनीकों की पहचान करने में मदद मिलेगी।वर्ष 2026 के आयोजन में भाग लेने वाली कंपनियों में लीबहेर, बॉयर, डूसन, जमील स्टील, एंकर एलाइड, एस्ट्रल, डटको टेनेंट, टॉपवर्क, मासा और रॉकनोर शामिल हैं।

कांग्रेस से जवाब मांगा



हैदराबाद, 12 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। भाजपा तेलंगाना प्रदेश अल्पसंख्यक मोर्चा ने कांग्रेस पार्टी पर दोहरे चरित्र, अल्पसंख्यक विरोधी इतिहास और भ्रामक दावों की राजनीति करने का आरोप लगाया है। मोर्चा की ओर से सरदार जगमोहन सिंह ने कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी की पुस्तक 'बिलॉन्गिंग : ए जर्नी ऑफ लव', वर्ष 1984 के सिख विरोधी दंगों और अल्पसंख्यकों के नाम पर की जा रही राजनीति को लेकर सवाल उठाए।

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा ने कहा कि सोनिया गांधी की पुस्तक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भाजपा-राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और देश के राजनीतिक इतिहास पर की गई टिप्पणियां कांग्रेस की मानसिकता को उजागर करती हैं। मोर्चा ने सवाल किया कि जिन लोगों पर अल्पसंख्यकों और सिख समाज के साथ अन्याय की जिम्मेदारी रही है, वे आज इतिहास पर भाषण दे रहे हैं।

मोर्चा ने पुस्तक में वर्ष 1984 के सिख विरोधी दंगों को 'दुखद और शर्मनाक' बताए जाने का उल्लेख करते हुए कहा कि केवल दुख व्यक्त करने से माफी नहीं मिलती। बयान में 19 नवंबर 1984 को तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी के कथित बयान, जब बड़ा पेड़ गिरता है तो धरती हिलती ही है का जिक्र करते हुए कहा गया कि यह टिप्पणी आज भी हजारों निर्दोष सिखों के घावों को ताजा करती है।मोर्चा के अनुसार, इंदिरा गांधी की हत्या के बाद दिल्ली सहित देश के विभिन्न हिस्सों में सिखों के घर जलाए गए, दुकानें लूटी गईं और सैकड़ों लोगों की जान गई। इसके साथ ही वर्ष 1975 का आपातकाल, कश्मीर समस्या और तुष्टिकरण की राजनीति को कांग्रेस के इतिहास के काले अध्याय बताया गया। मोर्चा ने कहा कि दूसरों के इतिहास पर सवाल उठाने से पहले कांग्रेस को अपने अतीत का हिसाब देना चाहिए।

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा ने तेलंगाना की मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार से अल्पसंख्यक कल्याण के मुद्दे पर सवाल किए। मोर्चा ने कहा कि दिसंबर 2023 में सत्ता में आई कांग्रेस सरकार के तीन वर्ष पूरे होने जा रहे हैं, लेकिन मुख्यमंत्री का यह दावा कि कांग्रेस से ही अल्पसंख्यकों का विकास संभव है, भ्रामक है।

मोर्चा ने सरकार से पूछा कि:

1. सिख समाज के लिए घोषित अलग अल्पसंख्यक सिख निगम का गठन हुआ या नहीं?
2. 1,000 करोड़ रुपये के विशेष पैकेज और 4,000 करोड़ रुपये के अल्पसंख्यक कल्याण बजट में से वास्तव में कितनी राशि खर्च की गई?
3. छात्रवृत्ति, हज हाउस और अन्य योजनाओं का लाभ कितने लोगों तक पहुंचा?
4. तेलंगाना में पिछले तीन वर्षों के दौरान कांग्रेस सरकार ने अल्पसंख्यक समाज के कल्याण के लिए कौन-कौन से ठोस कार्य किए?

मोर्चा ने कहा कि चुनाव में वोट मांगना आसान है, लेकिन जनता से किए गए वादों को पूरा करना ही वास्तविक नेतृत्व की पहचान है।

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के पिछले 12 वर्षों के कार्यकाल का उल्लेख करते हुए दावा किया कि अल्पसंख्यकों को केवल वोट बैंक के रूप में देखने के बजाय देश के विकास में भागीदार बनाने का प्रयास किया गया है।

मोर्चा ने कहा कि भाजपा की नीति तुष्टिकरण नहीं, बल्कि संतुष्टिकरण की है। कांग्रेस पर अल्पसंख्यकों को डराकर राजनीति करने का आरोप लगाते हुए कहा गया कि सिख, मुस्लिम, ईसाई और जैन सहित सभी अल्पसंख्यक देश के समान अधिकार वाले नागरिक हैं।

बयान के अंत में भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा ने कहा कि इतिहास को छिपाया नहीं जा सकता और जनता के सवालों को दबाया भी नहीं जा सकता। मोर्चा ने दावा किया कि तेलंगाना की जनता कांग्रेस की राजनीति को समझ चुकी है और अल्पसंख्यक समाज का भविष्य भाजपा तथा मोदी सरकार के साथ सुरक्षित है।

अन्नकूट की तैयारी पूरी

हैदराबाद, 12 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना की मलकपेट शाखा, महिला शाखा एवं युवा मोर्चा के संयुक्त तत्वावधान में 15 नवंबर, रविवार को प्रातः 11:30 बजे से आत्म गौरव भवन, उप्पल भागायत, उप्पल मेट्रो स्टेशन के समीप अन्नकूट प्रसाद कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।



कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लेने के लिए मलकपेट शाखा अध्यक्ष पंकज संघी, सचिव प्रदीप बंसल, संयुक्त सचिव शैलेश बंसल एवं सलाहकार महावीर प्रसाद अग्रवाल ने आयोजन स्थल का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया। पंकज संघी ने समाज के सभी सदस्यों से सपरिवार उपस्थित होकर अन्नकूट प्रसाद ग्रहण करने एवं आयोजन की शोभा बढ़ाने का आग्रह किया। इस दौरान कार्यक्रम को भव्य एवं सफल बनाने के लिए विभिन्न व्यवस्थाओं पर विचार-विमर्श किया गया।



पहाड़ी श्याम मन्दिर, महिन्द्रा हिल्स में आगामी 20 नवम्बर को आयोजित 'श्री श्याम जन्मोत्सव' के लिए भारत राष्ट्र समिति के कार्यकारी अध्यक्ष के.टी. रामाराव, पुलिस महानिदेशक सी.वी. आनन्द आईपीएस, मलकाजगिरी पुलिस कमीश्नर सुमति आईपीएस तथा डिप्टी पुलिस कमीश्नर टास्क फोर्स गायकवाड वैभव रघुनाथ आईपीएस को आमंत्रित करते हुए मंदिर के चेयरमैन अरुण डाकोतिया ।

बालवीर हनुमान मंदिर में अन्नकूट 18 को



हैदराबाद, 12 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। नामपल्ली रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर-1 स्थित श्री बालवीर हनुमान मंदिर में आंवला नवमी के अवसर पर बुधवार, 18 नवंबर को अन्नकूट महोत्सव का भव्य आयोजन किया जाएगा।

श्री प्रभुदासजी महाराज ने बताया कि सुबह 7 बजे उनके सान्निध्य में श्रीराम दरबार का अभिषेक एवं हनुमानजी का पाठ होगा। शाम 5:31 बजे महाआरती के बाद प्रसादी वितरण प्रारंभ होगा।

इस अवसर पर भगवान को छप्पन भोग एवं 36 प्रकार के व्यंजनों का भोग अर्पित किया जाएगा। महाराजजी ने सभी भक्तों एवं धर्मप्रेमियों से दर्शन और प्रसादी का लाभ लेने का आग्रह किया।

आयोजन संबंधी बैठक में मुरलीधर व्यास, रामदेव नागला, रामेश्वरलाल उपाध्याय, एस.के., ओमप्रकाश पांडिया (मुलताई), पवन ओझा, चेतन व्यास एवं मुकेश उपाध्याय उपस्थित रहे।

रमेश कुमार बंग बने राजस्थानी प्रगति समाज के दीपावली सम्मेलन के संयोजक



हैदराबाद, 12 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राजस्थानी प्रगति समाज के अध्यक्ष श्री कमलनारायण अग्रवाल ने प्रतिवर्ष आयोजित होने वाले 'दीपावली सम्मेलन' के संयोजक पद पर सुप्रसिद्ध समाजसेवी रमेश कुमार बंग को मनोनीत किया है। उक्त जानकारी समाज के मानद मंत्री गोविन्द राठी ने दी। उल्लेखनीय है कि रमेश कुमार बंग दक्षिण भारत के सहकारिता क्षेत्र के बहुराज्यीय अनुसूचित बैंक महेश बैंक के पूर्व चेयरमैन रह चुके हैं। इसके अतिरिक्त वे माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट के मैनेजिंग ट्रस्टी होने के साथ-साथ हैदराबाद एवं सिकंदराबाद की विभिन्न सामाजिक संस्थाओं से सक्रिय रूप से जुड़े हुए हैं। वे सामाजिक गतिविधियों में कर्मठता और समर्पण के साथ अपनी सेवाएं दे रहे हैं।

ज्ञातव्य है कि रमेश कुमार बंग पिछले कई वर्षों से राजस्थानी प्रगति समाज के दीपावली सम्मेलन के संयोजक का दायित्व सफलतापूर्वक निभाते आ रहे हैं। उनके अनुभव और सामाजिक सक्रियता को देखते हुए समाज ने एक बार फिर उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है।

राजस्थानी प्रगति समाज की ओर से इस वर्ष दीपावली सम्मेलन का आयोजन आबिड्स स्थित होटल ताजमहल में किया जाएगा। कार्यक्रम रात्रि 7:31 बजे से प्रारंभ होगा।

कलम दवात कायस्थ समाज का चित्रगुप्त महोत्सव संपन्न



हैदराबाद, 12 नवंबर (शुभ लाभ)।

कलम दवात कायस्थ समाज (केडीकेएस), हैदराबाद की ओर से 19वें चित्रगुप्त महोत्सव एवं कलम-दवात पूजन का भव्य आयोजन उप्पुगुड़ा स्थित 400 वर्ष प्राचीन चित्रगुप्त देवालय परिसर में हर्षोल्लास के साथ किया गया।

अध्यक्ष धर्मेन्द्र सिन्हा, महासचिव सुनील कुमार श्रीवास्तव एवं कोषाध्यक्ष अनुप सिन्हा के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में सुबह 6 से 9 बजे तक अभिषेक तथा मणिकर्णिका पंडित द्वारा सामूहिक लेखनी पूजन संपन्न कराया गया। संस्थापक बी.के. कर्ण ने दूरभाष के माध्यम से शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर अंतरराष्ट्रीय कवयित्री ज्योति नारायण ने चित्रगुप्त भगवान पर कविता एवं भजन प्रस्तुत किए। एकता नारायण ने नृत्य तथा प्रकृति सिन्हा सहित अन्य महिलाओं ने छठ पर्व के पारंपरिक गीत प्रस्तुत किए। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण मधुबनी शैली में हनुमान चालीसा पर आधारित चित्रकला रही, जिसे ओमप्रकाश सिन्हा ने अपनी दिवंगत माता इंदू सिन्हा की स्मृति में देवालय को समर्पित किया।

समाज में उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रकृति सिन्हा, डॉ. अनुष्का श्रीवास्तव, शिल्पी भटनागर, ज्योति नारायण एवं विजय विकास अम्बष्ट को 'द प्राइड ऑफ चित्रांश' सम्मान से नवाजा गया। पांडे म्यूजिकल ग्रुप के श्याम शुक्ला, पवन पांडे एवं पप्पू सिन्हा ने भजनों की प्रस्तुति दी। शिल्पी भटनागर ने मंच संचालन तथा विजय विकास अम्बष्ट ने संयोजन किया। अंत में महाप्रसाद वितरण के साथ समारोह संपन्न हुआ।

कार्टून कॉर्नर



मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 29^0
न्यूनतम : 17^0

सूत्रधार साहित्यिक संस्था का छठा वार्षिकोत्सव एवं पुस्तक लोकार्पण समारोह कल

हैदराबाद, 12 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। सूत्रधार साहित्यिक एवं सांस्कृतिक संस्था, हैदराबाद की ओर से 14 नवंबर 2026, शनिवार को संस्था का छठा वार्षिकोत्सव समारोह आयोजित किया जाएगा। संस्था की संस्थापिका सरिता सुराणा द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इस समारोह में साहित्य जगत की अनेक प्रतिष्ठित हस्तियां शामिल होंगी।

समारोह की अध्यक्षता देश के सुप्रसिद्ध चिंतक, विचारक एवं वरिष्ठ साहित्यकार तथा परामर्शी (हिंदी) मानू प्रोफेसर ऋषभदेव शर्मा करेंगे। उस्मानिया विश्वविद्यालय की प्रोफेसर एवं हिंदी विभाग की पूर्व अध्यक्ष डॉ. शुभदा वांजपे मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगी।

आकाशवाणी, हैदराबाद की असिस्टेंट डायरेक्टर ऑफ प्रोग्राम सुश्री सीमा कुमारी विशिष्ट अतिथि तथा शिक्षक एवं हिंदी साहित्य भारती, तेलंगाना इकाई के अध्यक्ष डॉ. राजीव सिंह 'नयन' सम्मानित अतिथि के रूप में मंचासीन होंगे।

समारोह का मुख्य आकर्षण सूत्रधार साहित्यिक परिवार की वरिष्ठ साहित्यकार श्रीमती किरन सिंह की तीन नवप्रकाशित पुस्तकों का लोकार्पण होगा। इनमें 'उड़ान मन पंखों की', 'गुनगुनाता बचपन' और 'क्या मैं कान्हा बन सकता हूँ?' शामिल हैं। इन पुस्तकों का लोकार्पण गणमान्य विद्वानों द्वारा किया जाएगा। संस्था के लिए यह विशेष हर्ष और उल्लास का अवसर है।

नीलम गुप्ता का सम्मान

एग्जिबिशन ग्राउंड डिवीजन की उपाध्यक्ष नियुक्त होने पर हुआ भव्य अभिनंदन



हैदराबाद, 12 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। भाजपा के गोशामहल विधानसभा क्षेत्र के एग्जिबिशन ग्राउंड डिवीजन की उपाध्यक्ष नियुक्त किए जाने पर श्रीमती नीलम गुप्ता का भव्य सम्मान किया गया। स अवसर पर उषा गुप्ता, सौम्या गुप्ता, स्वाति गुप्ता, कोमल गुप्ता एवं कृषिका गुप्ता ने पुष्पगुच्छ भेंट कर तथा शॉल ओढ़ाकर उनका स्वागत एवं अभिनंदन किया। सभी ने उन्हें नई जिम्मेदारी मिलने पर हार्दिक बधाई देते हुए सफल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दीं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.